- राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा कहा- संसद के बजाय वाशिंगटन से क्यों मिल रही है जानकारी- 5

- अमेरिका के साथ व्यापार समझौते से उद्योगों को तेज वृद्धि की उम्मीद - 8

- ट्रंप के दावों का रूस ने दिया जवाब, भारत ने तेल क्रय से मना नहीं किया - 9

- अफगानिस्तान के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा भारत - 10

आज का मौसम

23.0° अधिकतम तापमान

10.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.58

सूर्यास्त 05.54

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष तृतीया 12:09 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 4 फरवरी 2026, वर्ष 7, अंक 71, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE

(A UNIT OF ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE)

रोहिलखण्ड कैंसर इंस्टीट्यूट बरेली

कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे

NABH ACCREDITED

A unit of Rohilkhand Medical College

On the Occasion of World Cancer Day - 4th February

Free Consultation

Breast Cancer Mammography

Rs 200/- only

Cervical cancer testing

Rs 100/- only

200 BED का Cancer अस्पताल पिछले 5 वर्षों से आपकी सेवा में

रेडियोथेरेपी के लिए वेरियन ट्रूबीम एसटीएक्स (लीनियर एक्सलरेटर)

High Definition MLC, SRS, SBRT, IMRT, IGRT, Rapid ARC, RGSC, VMAT, 3D CRT, 6D Couch, 3 Energy Phototherapy 5 Energy Electron Therapy

- बरेली का एकमात्र PET CT
- पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए

- प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
- मुख्यमंत्री राहत कोष योजना द्वारा फ्री में इलाज की सुविधा

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत PM-JAY

हमारी सेवाएं

- सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
- रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
- डे केयर कीमो थेरेपी
- इम्यूनोथेरेपी
- कैंसर आईसीयू
- फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री
- मैमोग्राफी
- कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
- टर्मिनल कैंसर मरीजों की देखभाल
- इण्टरवेशनल रेडियोलॉजी
- पैलिएटिव केयर
- End of Life Care

Academic Programmes
M.D. Radiation Oncology (4 Seats)
Diploma in Radiotherapy Technician (30 Seats)
Fellowship in Oral Oncology & Reconstructive Surgery (3 Seats)

अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें

रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस, नजदीक सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली उ.प्र. 243006

हैल्पलाइन : 7891235003, पैट सीटी बुकिंग के लिए : 91 9811187117, आपातकालीन 9258116087

Home Visit Also Available upto 20 Kms (Radius) From hospital

Just ₹ 2000/-

For More Info Call Us 95209 78926

Teleconsultation also available on patient's request

www.rohilkhandcancerinstitute.com

Follow us in : /rohilkhand cancer institute

न्यूज ब्रीफ

डॉ. नारायण दास बने कार्यवाहक निदेशक

अमृत विचार, लखनऊ : प्रमुख सचिव आयुष रंजन कुमार की ओर से जारी आदेश के अनुसार डॉ. नारायण दास, अपर निदेशक, आयुर्वेद सेवायें, उत्तर प्रदेश को तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक कार्यवाहक निदेशक, आयुर्वेद सेवायें, उत्तर प्रदेश का प्रभार सौंपा गया है। शासनादेश के तहत डॉ. नारायण दास को कार्यवाहक निदेशक पद के साथ-साथ आहरण-वितरण एवं प्रशासकीय अधिकार भी प्रदान किए गए हैं।

विधानसभा के सामने प्रदर्शन करेंगे अधिवक्ता

अमृत विचार, लखनऊ : सोनभद्र जनपद के लोढ़ी तथा बाराबंकी के हैदरगढ़ टोल प्लाजा पर अधिवक्ताओं के साथ मारपीट की घटनाओं से अधिवक्ता संगठनों में आक्रोश व्याप्त है। आल इंडिया स्थल बार एसोसिएशन ने मामले की उच्चस्तरीय समिति से जांच कराने की मांग की है। एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल और राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार तिवारी ने कहा कि सरकार ने कठोर कार्रवाई नहीं की तो रूरल बार एसोसिएशन सभी जिला मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन करेगा।

समयबद्ध तैयारी से होगा बाढ़ प्रबंधन : योगी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में संभावित बाढ़ और अतिवृष्टि की चुनौती को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बाढ़/अतिवृष्टि पूर्व-प्रबंधन की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जितनी बेहतर तैयारी होगी, उतने ही प्रभावी ढंग से चुनौती का समाधान किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने सतर्कता, विभागीय समन्वय और समयबद्ध कार्यों को सफल बाढ़ प्रबंधन की मूल कुंजी बताया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी तटबंधों, ड्रेनों और संवेदनशील स्थानों की मरम्मत, सुदृढ़ीकरण और सफाई कार्य तय समयसीमा में अनिवार्य रूप से पूरे किए जाएं।

अखबार बेचने वाला बन गया इंटरनेशनल यूथ आइकॉन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कांवड़ यात्रा ऐप से चुनावी जागरूकता तक, प्रशासन के साथ किए जनहित के समाधान
- योगी सरकार का डिजिटल नवाचार, 84 लाख युवाओं तक पहुंची कॅरियर-सूचना वेबसाइट

अमृत विचार: कभी साइकिल पर अख़बार बेचकर घर का खर्च चलाने वाला उत्तर प्रदेश के बागपत के गांव ट्यौढी का अमन कुमार आज राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का नाम रोशन कर रहा है। बाल मजदूरी और गरीबी की कठिन परिस्थितियों से निकलकर अमन ने संघर्ष, संकल्प और नवाचार के बल पर खुद को इंटरनेशनल यूथ आइकॉन के रूप में स्थापित किया है। वह कहते हैं कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की युवा-केंद्रित नीतियों और डिजिटल पहलों ने उन्हें आगे बढ़ने का भरोसा दिया।

अमन कुमार आज यूपी सरकार के युवा कल्याण विभाग से संबद्ध उड़ान यूथ क्लब के अध्यक्ष हैं। अवसरों के अभाव में पले-बढ़े अमन ने तय किया कि कोई भी होनहार युवा केवल जानकारी न होने की वजह से पीछे न रहे। इसी सोच के साथ 12वीं के बाद उन्होंने एक व्हाट्सऐप ग्रुप शुरू किया, जो आगे चलकर वेबसाइट प्रोजेक्ट 'कॉन्टेस्ट 360' बना। एक क्लिक पर शिक्षा, स्कॉलरशिप, करियर और सरकारी अवसरों की जानकारी देने वाली इस वेबसाइट का अब तक 84 लाख से अधिक युवा उपयोग कर चुके हैं।

डिजिटल समाधान के क्षेत्र में अमन की पहल यहीं नहीं रुकी। वर्ष 2022 में कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उन्होंने प्रशासन के साथ मिलकर कांवड़ यात्रा ऐप विकसित किया। यात्रा मार्ग, चिकित्सा सहायता, शिविर, आपात संपर्क और प्रशासनिक सहयोग जैसी सुविधाओं से युक्त इस ऐप को साढ़े तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने इस्तेमाल किया। इसके बाद लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने स्वीप बागपत ऐप बनाकर भारत निर्वाचन आयोग से जुड़ी जानकारियां सवा लाख मतदाताओं तक पहुंचाईं।

डीएम के मार्गदर्शन में बनाया सूचना एप

- बागपत की जिलाधिकारी अस्मिता लाल के मार्गदर्शन में अमन ने सूचना विभाग के सहयोग से सूचना सेतु ऐप तैयार किया, जिससे आम नागरिक एक क्लिक पर अधिकारियों और सरकारी योजनाओं से जुड़ सके। इसके अलावा बागपत फॉर एनिमल्स ऐप और ग्राम पंचायत फैजपुर निनाना की वेबसाइट बनाकर डिजिटल पंचायत की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल की। अब वह प्रदेशभर के युवाओं को नवाचार और तकनीक से जोड़ने की तैयारी में हैं। अमन के कार्यों को राष्ट्रीय पहचान तब मिली जब उन्हें स्वामी विवेकानंद यूथ अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। वह यूनेस्को की विभिन्न वैश्विक युवा पहलों, यूनिसेफ नेशनल यूथ एंबेसडर कार्यक्रम और कई अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े हैं। वर्ष 2026 के विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग में अमन ने नरेंद्र मोदी के समक्ष टीम यूपी के ग्रुप कैप्टन के रूप में युवाओं का प्रतिनिधित्व किया।

यूथ आइकॉन अमन कुमार को सम्मानित करतीं बागपत की डीएम अस्मिता लाल।

कैलाश सत्यार्थी के साथ भी किया काम

- अमन ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के साथ भी काम किया है। वर्ष 2025 में उन्हें आई वॉलंटियर अवॉर्ड, इंडियाज मोस्ट वैल्यूएबल यू रिपोर्टर और यंग ट्रांसफॉर्मर्स अवॉर्ड सहित कई सम्मान मिले। अमन कुमार की कहानी बताती है कि सही नेतृत्व, अवसर और संकल्प मिल जाए तो साधारण परिस्थितियों से निकला युवा भी असाधारण मुकाम हासिल कर सकता है।

असुरक्षा के कारण मुझे यूपी छोड़ना पड़ा था: जुनेजा

अमृत विचार, लखनऊ : फार्मा कॉन्क्लेव में मैनकाइंड फार्मा के चेयरमैन रमेश जुनेजा ने भावुक अंदाज में कहा कि एक समय ऐसा भी था जब असुरक्षा के कारण उन्हें उत्तर प्रदेश छोड़ना पड़ा था। 2001 की एक घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि तब माहौल निवेश और उद्योग के अनुकूल नहीं था। लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में वह "अच्छी सुबह" आई है, जब लोग देर रात भी खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं। यही वजह है कि आज निवेशक पूरे विश्वास के साथ यूपी लौट रहे हैं और उनकी कंपनी भी यहां निवेश के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के चेयरमैन सतीश रेड्डी ने कहा कि कोविड काल में भारत ने वैश्विक स्तर पर फार्मा सेक्टर में अपनी ताकत साबित की। उत्तर प्रदेश की नीतियां प्रभावी हैं और राज्य वैश्विक फार्मा लीडर्स के लिए आकर्षक गंतव्य बन चुका है।

हर निवेशक को सेफ्टी, स्टेबिलिटी और स्पीड की पूरी गारंटी: योगी

निवेशकों को जीरो पॉलिटिकल इंटरफेयर, मजबूत कानून व्यवस्था का दिया भरोसा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को राजधानी लखनऊ में वैश्विक निवेशकों एवं उद्यमियों के महासंगम 'उत्तर प्रदेश फार्मा कॉन्क्लेव 1.0' की शुरूआत करते हुए कहा कि प्रदेश आज केवल एक राज्य नहीं, बल्कि निवेशकों के लिए भरोसे की गारंटी बन चुका है। प्रदेश सरकार हर निवेशक को ट्रिपल-एस यानी सेफ्टी, स्टेबिलिटी और स्पीड की पूर्ण गारंटी दे रही है और ट्रस्ट, ट्रांसफॉर्मेशन और टाइमली डिलीवरी का रोल मॉडल बनकर उभरा है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश में रूल ऑफ लॉ पूरी मजबूती से लागू है। कानून से खिलवाड़ करने की किसी को छूट नहीं है। यदि कोई कानून को चुनौती देता है, तो कानून अपने दायरे में रहकर उसे उसी की भाषा में जवाब देता है। यही कारण है कि आज प्रदेश में भयमुक्त वातावरण है और निवेशकों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने 2017 से पहले की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में प्रदेश असुरक्षा, अराजकता और अविश्वास का पर्याय बन चुका था। 2012 से 2017 के बीच 900 से अधिक दंगे हुए, शायद ही कोई शहर रहा हो जहां कर्फ्यू न लगा हो। उद्योग और व्यापार से जुड़े लोगों को गुंडा टैक्स देना पड़ता था और निवेशक प्रदेश छोड़ने को मजबूर थे। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है।

देश-विदेश के फार्मा उद्योगपतियों से बातचीत करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

डी-रेगुलेशन में नंबर वन, ईज ऑफ डूइंग में टॉप अचीवर

- योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज डी-रेगुलेशन रैंकिंग में देश में नंबर वन है और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में टॉप अचीवर बन चुका है। 13 राज्य अधिनियमों में आपराधिक प्रावधानों को समाप्त किया गया है। एमएसएमई सेक्टर में निवेश करने वाले उद्यमियों को 1000 दिनों तक निरीक्षण से छूट दी गई है। सरकार का उद्देश्य उद्योगों को डराना नहीं, बल्कि सुविधा देना है।

फार्मा सेक्टर को बनाया जा रहा ग्लोबल हब

- मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को फार्मास्यूटिकल मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन का अग्रणी केंद्र बनाया जा रहा है। ललितपुर में बल्क ड्रग फार्मा पार्क को हब-एंड-स्पोक मॉडल पर विकसित किया जा रहा है। गौतम बुद्ध नगर में मेडिकल डिवाइस पार्क और यूएस-एफडीए टेस्टिंग लैब के जरिए ग्लोबल स्टैंडर्ड स्थापित किए जा रहे हैं। फैक्ट्री से फार्मेसी तक निर्बाध सप्लाई चेन विकसित की जा रही है, जिससे यूपी एआई, मेड-टेक, हेल्थ-टेक और विलनिकल रिसर्च का बड़ा केंद्र बनेगा।

यूपी फार्मा सेक्टर में बनेगा वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब : नड्डा

- कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने वीडियो संदेश में कहा कि उत्तर प्रदेश फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर में भारत की वैश्विक नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने वाला प्रमुख राज्य बनकर उभर रहा है। ललितपुर का बल्क ड्रग फार्मा पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क और राज्य की फार्मास्यूटिकल नीति उत्तर प्रदेश को विश्वसनीय मैन्युफैक्चरिंग हब बना रही है। बेहतर कनेक्टिविटी, मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर और निवेशक-अनुकूल वातावरण के कारण यूपी तेजी से फार्मा निवेश का पसंदीदा गंतव्य बन रहा है।

निवेशकों ने यूपी को माना उभरता फार्मा पावरहाउस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : 'उत्तर प्रदेश फार्मा कॉन्क्लेव 1.0' में देश और दुनिया की दिग्गज फार्मा कंपनियों के चेयरमैन और शीर्ष नेतृत्व ने एक स्वर में उत्तर प्रदेश को भारत का उभरता हुआ फार्मा पावरहाउस बताया। उद्योग जगत के नेताओं ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश ने शासन, कानून-व्यवस्था और नीतिगत स्थिरता के मोर्चे पर ऐतिहासिक बदलाव किए हैं, जिसने उत्तर प्रदेश को निवेशकों की पहली पसंद बना दिया है।

राज्यसभा सदस्य एवं रामकी ग्रुप के चेयरमैन अयोध्या रामी रेड्डी ने मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व को "उत्कृष्ट कमिटमेंट" करार देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश का वर्तमान और भविष्य—दोनों का रोडमैप स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि पिछले 40 वर्षों में उन्होंने यूपी में ऐसा सकारात्मक और भरोसेमंद माहौल पहले कभी नहीं देखा। मजबूत कानून-व्यवस्था, जवाबदेही और ईमानदारी प्रदेश के दीर्घकालिक विकास की आधारशिला बन चुकी है। एक मजबूत नेतृत्व किस तरह पूरे सिस्टम को बदल सकता है, उत्तर प्रदेश इसका जीवंत उदाहरण है।

टोरेंट ग्रुप के वाइस चेयरमैन जीनल मेहता ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और लॉ एंड ऑर्डर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि कंपनी ने यूपी के करीब 20 जिलों में काम किया, लेकिन कहीं भी रेड टेप या कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं आई। यूपी अब निवेशकों को रेड टेप नहीं, बल्कि रेड कार्पेट ट्रीटमेंट दे रहा है।

सन फार्मास्यूटिकल्स के चेयरमैन पद्मश्री दिलीप सांघवी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर में जो सुधार हुआ है, उसने इसे देश का सबसे सुरक्षित स्थान बना दिया है। आने वाले वर्षों में यूपी फार्मा मैन्युफैक्चरिंग के वैश्विक मानचित्र पर और मजबूती से उभरेगा। कॉन्क्लेव में उद्योग जगत की इस एकजुट राय ने साफ कर दिया कि उत्तर प्रदेश अब केवल संभावनाओं का राज्य नहीं, बल्कि भरोसेमंद निवेश गंतव्य और भारत की फार्मा ग्रोथ का नया इंजन बन चुका है।

उद्यमी बोले

- योगी के नेतृत्व में बदली कानून-व्यवस्था, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस ने बढ़ाया भरोसा

इंडस्ट्री के लिए जरूरी सभी संसाधन यहां मौजूद : रमनभाई

- जाइडस लाइफ साइंसेज के चेयरमैन पद्मभूषण पंकज रमनभाई पटेल ने कहा कि किसी भी इंडस्ट्री के लिए भूमि, बिजली, पानी और प्रशिक्षित मानव संसाधन जरूरी होते हैं, और ये सभी सुविधाएं उत्तर प्रदेश में पर्याप्त रूप से उपलब्ध हैं। यही कारण है कि फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर के लिए यूपी आदर्श राज्य बनकर उभर रहा है।

SRMS Shri Ram Murti Smarak Institute of Medical Sciences, Bareilly

(Approved by Medical Council of India & Ministry of Health & Family Welfare, Govt. of India)

आवश्यक जन-सूचना

सूचित किया जाता है कि NMC / MCI Regulation, 2002 (Amended up to 8th Oct. 2016) के बिन्दु 1.3.1 के अर्न्तगत उपलब्ध मरीज से सम्बधित चिकित्सा रिकार्ड सामान्य डिस्चार्ज वर्ष 2023 से पहले (01-01-2022 से 31-12-2022), Death & LAMA रिकार्ड वर्ष 2016 से पहले (01.01.2015 से 31.12.2015) का नष्ट किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो कृपया 15 दिनों (सूचना दिनाँक से) के अन्दर अवगत कराने का कष्ट करें।

आज्ञा से- चिकित्सा अधीक्षक/इंचार्ज रिकार्ड

विभाजन की राजनीति करने वाले दलों पर रोक का प्रावधान नहीं

विधि संवाददता, लखनऊ

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राजनीतिक दलों द्वारा जातीय रैली के के विरुद्ध दाखिल एक जनहित याचिका का निस्तारण करते हुए स्पष्ट किया है कि वर्तमान कानून के तहत किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल को केवल इस आधार पर चुनाव लड़ने से पूरी तरह प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता कि वह जाति या धर्म के आधार पर मतदाताओं को प्रभावित कर रहा है।

कोर्ट ने कहा है कि यह विषय विधायिका का है कि वह इस संबंध में कानून बनाए। चुनाव आयोग भी किसी भी राजनीतिक दल का पंजीकरण इस आधार पर समाप्त नहीं कर सकता।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति एके चौधरी की खंडपीठ ने स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव की ओर से वर्ष 2013 में दाखिल जनहित याचिका पर पारित किया। कोर्ट ने याचिका पर विस्तृत निर्णय पारित करते हुए कहा कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 8-ए ही एकमात्र प्रावधान है। जिसके तहत चुनावी कदाचार के मामलों में अयोग्य ठहराया जा सकता, वह भी तब जब संबंधित व्यक्ति को दोषसिद्ध करार दिया जा चुका हो। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी राजनीतिक दल या व्यक्ति पर पूर्व-प्रतिबंध लगाने का अधिकार वर्तमान में कानून में उपलब्ध नहीं है। यह विषय पूर्णतः विधायिका के क्षेत्राधिकार में आता है।

जातीय रैलियों पर प्रदेश में है प्रतिबंध

कोर्ट ने पाया कि 21 सितंबर 2025 को एक शासनादेश जारी करते हुए, राज्य सरकार ने प्रदेश में जातीय रैलियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया हुआ है। उक्त शासनादेश में कहा गया है कि राजनीतिक उद्देश्यों से आयोजित जातीय रैलियां समाज में जातीय संघर्ष को बढ़ावा देती हैं जो लोक व्यवस्था और राष्ट्रीय एकता के विपरीत है लिहाजा इन पर उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। कोर्ट ने कहा कि यदि उक्त शासनादेश का अनुपालन नहीं हो रहा तो याची पर्याप्त आंकड़े एकत्रित कर, जनहित याचिका दाखिल कर सकता है।

कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि चुनाव आयोग को भी किसी राजनीतिक दल का पंजीकरण समाप्त करने का अधिकार प्राप्त नहीं है। सिवाय उन सीमित परिस्थितियों के जो सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित की गई हैं। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल की मान्यता को चुनाव चिन्ह (आरक्षण एवं आवंटन) आदेश, 1968 के पैरा 16-ए के तहत निलंबित या वापस लिया जा सकता है। हालांकि, इस संबंध में भी नए या अतिरिक्त प्रावधान जोड़ने का अधिकार सिर्फ विधायिका को है, न कि न्यायालय को। कोर्ट ने अपने निर्णय में एक व्यापक सामाजिक दृष्टिकोण अपनाते हुए कहा कि जाति और धर्म आधारित संकीर्ण सोच का स्थायी समाधान सिर्फ कानूनों के माध्यम से संभव नहीं है, इसके लिए परिवार और शिक्षा प्रणाली में सही मूल्यों का संचार आवश्यक है, ताकि भावी नागरिक संविधान की भावना, और सामाजिक समरसता के आदर्शों को आत्मसात कर सकें।

हाईकोर्ट ने कहा कि यद्यपि कानूनों का निर्माण और उनका प्रभावी क्रियान्वयन महत्वपूर्ण है, लेकिन सब कुछ कानून से नियंत्रित नहीं किया जा सकता बल्कि इसके लिए प्रत्येक स्तर पर व्यक्ति, समाज, कार्यपालिका और विधायिका का सामुहिक प्रयास आवश्यक है।

पंचायत चुनाव अप्रैल से जुलाई के बीच : राजभर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 28 को आएगी मतदाता सूची, मंत्री बोले- बैलेट पेपर से चुनी जाएगी 'गांव की सरकार'

अमृत विचार: यूपी सरकार ने पंचायत चुनाव को लेकर अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने मंगलवार को वाराणसी में इस संबंध में बड़ा बयान देते हुए कहा कि पंचायत चुनाव अप्रैल से जुलाई 2026 के बीच संपन्न कर लिए जाएंगे। चुनाव प्रक्रिया दो चरणों में होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पंचायत चुनाव ईवीएम नहीं बल्कि मतपत्रों के माध्यम से होंगे।

ओमप्रकाश राजभर ने बताया कि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 28 फरवरी 2026 को होगा। उन्होंने संभावित उम्मीदवारों को सलाह दी कि वे अंतिम सूची आने से पहले अपने समर्थकों के नाम जुड़वाना सुनिश्चित करें। मंत्री ने कहा कि यूपी के हर जिले में चुनाव की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और बैलेट पेपर सभी जिलों में पहुंच चुके हैं। उन्होंने बताया कि पंचायत चुनाव अप्रैल से जुलाई 2026 के बीच संपन्न कर लिए जाएंगे। चुनाव प्रक्रिया दो चरणों में होगी। पहले चरण में ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य (बीडीसी) और जिला पंचायत सदस्यों के लिए वोट डाले जाएंगे। इसके बाद ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष के अप्रत्यक्ष चुनाव होंगे। इस दौरान ओपी राजभर ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि देश संविधान के अनुसार चलता है और किसी शंकराचार्य के बयान से संविधान नहीं बदलेगा। सरकार संविधान के अनुसार ही चल रही है।

राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा कहा- संसद के बजाय वाशिंगटन से क्यों मिल रही है जानकारी- 5

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते से उद्योगों को तेज वृद्धि की उम्मीद - 8

ट्रंप के दावों का रूस ने दिया जवाब, भारत ने तेल क्रय से मना नहीं किया - 9

अफगानिस्तान के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा भारत - 10

आज का मौसम

23.0⁰ अधिकतम तापमान

10.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.58

सूर्यास्त 05.54

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष तृतीया 12:09 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 4 फरवरी 2026, वर्ष 7, अंक 71, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

विमानों के पंख एक दूसरे से टकराए...यात्री सुरक्षित

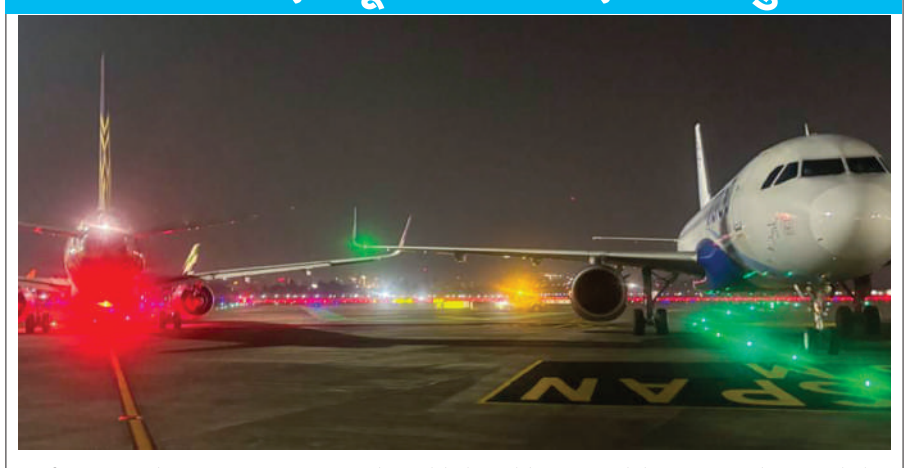

मुंबई। मुंबई हवाई अड्डे पर मंगलवार शाम एअर इंडिया और इंडिगो के दो विमानों के पंख एक दूसरे से टकरा गए, जिसके बाद विमानों को जांच के लिए खड़ा कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, एअर इंडिया का विमान रवाना हो रहा था, जबकि इंडिगो का विमान उतर रहा था। मुंबई एयरपोर्ट पर समानांतर रनवे हैं। दोनों ही विमान एयरबस ए320 थे। एअर इंडिया ने कहा, मुंबई से कोयंबटूर जाने वाली उड़ान एआई2732 में देरी हुई, क्योंकि टैक्सीवे पर प्रतीक्षा के दौरान एक अन्य कंपनी के विमान के संपर्क में आ गया। सभी यात्री सुरक्षित हैं।

व्यापार समझौते से झूमा बाजार, रुपया मजबूत, सोना-चांदी चढ़े

मुंबई, एजेंसी

भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर सहमति बनने की घोषणा से उत्साहित भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को जबर्दस्त उछाल आया। सेंसेक्स 2,073 अंक और निफ्टी ने 639 अंक की छलांग लगाई। कारोबारी सत्र की शुरुआत के बाद सेंसेक्स 4,205.27 अंक यानी 5.14% उछलकर 85,871.73 अंक के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, बाद में मुनाफावसूली होने से यह 2,072.67 अंक यानी 2.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 83,739.13 अंक पर बंद हुआ।

निफ्टी भी 639.15 अंक यानी 2.55% चढ़कर 25,727.55 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,252.80 अंक यानी 4.99 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,341.20 अंक तक पहुंच गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार रात को प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बातचीत के बाद कहा था कि भारतीय वस्तुओं पर जवाबी शुल्क को 25 से घटाकर 18 प्रतिशत किया जाएगा। हालांकि, अभी समझौते का विवरण सामने नहीं आया है।

निवेशकों की संपत्ति 12.10 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली। समझौते से उत्साहित घरेलू शेयर बाजार की छलांग के साथ निवेशकों की पूंजी एक ही कारोबारी सत्र में 12.10 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। दिग्गज कंपनियों में बढ़त के बीच मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी खासी तेजी दर्ज की गई।

कमजोर डॉलर के बीच चांदी 24 हजार चढ़ी

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक संकेतों और कमजोर डॉलर के बीच चांदी और सोने की कीमतों में तीन दिन की तेज गिरावट का माहौल मंगलवार को खत्म हो गया और राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में इनमें मजबूत उछाल आया। इस दौरान चांदी 24,000 रुपये बढ़कर 2.84 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गई तथा सोना 1.57 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम की ऊंचाई पर जा पहुंचा।

रुपये ने 122 पैसे की लगाई ऊंची छलांग

मुंबई। भारतीय रुपये मंगलवार को सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली एशियाई मुद्रा के रूप में उभरा, जिसने 122 पैसे या 1.33 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। अंत में रुपये डॉलर के मुकाबले 90.27 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि समझौते होने के बाद भारतीय रुपये ढाई सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया और इसमें 1.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। घरेलू शेयर बाजार में भी लगभग 2.75 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

ब्रीफ न्यूज

भारत ने अहम प्रौद्योगिकी एसएफडीआर का सफल परीक्षण किया

नई दिल्ली। डीआरडीओ ने मंगलवार को ठोस ईंधन डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) प्रौद्योगिकी का सफल परीक्षण किया। इस उपलब्धि के साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है, जिनके पास यह अत्याधुनिक तकनीक है। यह प्रौद्योगिकी लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के विकास में सहायक होगी और शत्रु पर रणनीतिक बढ़त प्रदान करेगी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह परीक्षण ओडिशा अपतटीय क्षेत्र स्थित चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज में किया गया। रक्षा मंत्री ने एसएफडीआर प्रौद्योगिकी के परीक्षण के लिए डीआरडीओ और उद्योग जगत की सराहना की।

18 फरवरी से 12 मार्च तक यूपी बोर्ड परीक्षाएं

प्रयागराज। उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षाएं 18 फरवरी से आरंभ होकर 12 मार्च तक चलेंगी। बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि परीक्षाओं को पारदर्शी ढंग से कराने के लिए विशेष तैयारी की है। प्रदेश के 18 जिलों के विभिन्न केंद्रों को संवेदनशील और अति संवेदनशील घोषित किया गया है। इनमें आगरा, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, एटा, कासगंज, प्रयागराज, कौशांबी आदि जनपद शामिल हैं। 20, 23 और 25 फरवरी को परीक्षा के दौरान उच्च सतर्कता बरती जाएगी। 26 के प्रथम पाली में हाई स्कूल गणित और इंटरमीडिएट भूगोल इसके साथ ही 27 की ड्यूटी पाली में विशेष निगरानी रहेगी।

मेटा-वॉट्सएप कानून मानें या भारत छोड़ें, डेटा शेयर की इजाजत नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने गोपनीयता नीति पर लगाई फटकार, कहा- देश की निजता सबसे ऊपर

- नौ फरवरी को अंतरिम आदेश पारित करेगी कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने गोपनीयता नीति को लेकर 213.14 करोड़ का जुर्माना लगाने के सीसीआई के आदेश के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक और व्हाट्सएप को मंगलवार को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि दिग्गज कंपनियों को डेटा साझा करने के नाम पर निजता के अधिकार से खिलवाड़ नहीं करने देंगे। उन्हें देश का कानून का मानना ही होगा, भले ही देश छोड़ दें।

सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जयमाल्या एवं न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि वह नौ फरवरी को अंतरिम आदेश पारित करेगी। शीर्ष अदालत ने आदेश दिया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को याचिकाओं में पक्षकार बनाया जाए। पीठ मेटा और व्हाट्सएप की उन अपीलों पर सुनवाई कर रही थी, जो एनसीएलएटी के उस फैसले के खिलाफ दायर की गई हैं, जिसने विज्ञापन से जुड़े डेटा साझा करने के मामले में सीमित राहत देते हुए प्रभुत्व के दुरुपयोग संबंधी सीसीआई के निष्कर्षों को बरकरार रखा था।

गोपनीयता शर्तें चालाकी से तैयार की गईं, आम आदमी समझ ही नहीं सकता

उच्चतम न्यायालय की पीठ ने कहा कि इस देश में निजता के अधिकार की सख्ती से रक्षा की जाती है। कहा कि गोपनीयता संबंधी शर्तें इतनी चालाकी से तैयार की गई हैं कि आम व्यक्ति उन्हें समझ ही नहीं सकता। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, यह निजी जानकारी की चोरी करने का एक सभ्य तरीका है, हम आपको ऐसा नहीं करने देंगे... आपको लिखित वचन देना होगा, अन्यथा हमें आदेश पारित करना होगा।

सीजेआई ने कहा, आप डेटा साझा करने के नाम पर इस देश के निजता के अधिकार से खिलवाड़ नहीं कर सकते। हम आपको डेटा का एक शब्द भी साझा करने की अनुमति नहीं देंगे, या तो आप लिखित वचन (अंडरटेकिंग) दें, आप नागरिकों के निजता के अधिकार का उल्लंघन नहीं कर सकते।

उच्च न्यायालयों में महीनों फैसलों को सार्वजनिक किए बिना सुरक्षित रखे जाने की प्रथा एक चिह्नित बीमारी, इसे खत्म किया जाना चाहिए

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने समय पर न्याय सुनिश्चित करने की आवश्यकता रेखांकित करते हुए मंगलवार को कहा कि हाईकोर्ट द्वारा महीनों तक फैसलों को सार्वजनिक किए बिना सुरक्षित रखे जाने की प्रथा 'एक चिह्नित बीमारी' है, जिसे खत्म किया जाना चाहिए। पीठ एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कहा गया था कि झारखंड हाईकोर्ट ने पिछले साल चार दिसंबर को एक याचिका खारिज करते हुए मौखिक रूप से फैसला सुनाया था और वह फैसला अब तक अपलोड नहीं किया गया है। पीठ ने कहा कि अगले सप्ताह के आखिर तक वकील को पूरा फैसला उपलब्ध कराया जाए। देरी का जिक्र करते हुए, याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा, ऐसा लगता है कि सिर्फ जुबानी जमा खर्च किया जा रहा है, कोई संदेश जाना चाहिए। यह कानून की गरिमा के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि मोटे तौर पर दो तरह के न्यायाधीश होते हैं। उन्होंने कहा, एक मेहनती न्यायाधीश होते हैं, जो सबकी बात सुनते हैं और 10-15 मामलों में भी फैसला सुरक्षित रख लेते हैं। कुछ न्यायाधीश ऐसे होते हैं, जो इसके बाद फैसले नहीं सुनाते। हम किसी एक व्यक्ति की बात नहीं कर रहे हैं। यह कोर्ट के सामने एक चुनौती है और यह पहचानी हुई बीमारी है। इसका इलाज होना चाहिए।

संसद में टूटी मर्यादा, विपक्षी सांसदों ने कागज उछाले, आठ निलंबित

- सत्तापक्ष-विपक्ष में टकराव बढ़ा हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद अगले दिन तक के लिए स्थगित की गई

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण से जुड़े विषय को लेकर जारी गतिरोध के बीच मंगलवार को उस वक्त सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव का नया मोर्चा खुल गया जब आसन के समीप कागज उछालने के मामले में आठ विपक्षी सांसदों को वर्तमान बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। कांग्रेस के सात सदस्यों और माकपा के एक सांसद को सदन से निलंबित किया गया है।

सदन में गतिरोध के बीच नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार की तरह मंगलवार को भी पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण पर आधारित लेख का हवाला देकर चीन का विषय उठाने का प्रयास किया, लेकिन आसन से इसकी अनुमति नहीं मिली। हालांकि उन्होंने इस लेख को सत्यापित किया और सदन के पटल पर रखा। हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने आसन की अवज्ञा करने के लिए कांग्रेस सदस्यों अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, गुरदीप सिंह औजला, हिबी ईडन, डीन कुरियाकोस, प्रशांत पडोले, किरण कुमार रेड्डी और मणिकम टैगोर तथा माकपा सांसद एस वेंकटेशन के नाम लिए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने आठों सदस्यों का नाम लेते हुए सदन में प्रस्ताव रखा कि सदन की अवमानना करने और महासचिव तथा लोकसभा अधिकारियों की मेजों के पास आकर कागज उछालकर आसन की गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए उक्त सभी सदस्यों को नियम 374 (2) के तहत संसद के वर्तमान सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया जाए।

सभापति कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी पर उछाले गए कागज के टुकड़े।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल के बीच हुई बहस।

आसन के समीप कागज उछालकर फेंके थे

इससे पहले, राहुल गांधी के चीन का विषय उठाने का प्रयास करने, अमेरिका के साथ व्यापार समझौते तथा कुछ अन्य विषयों को लेकर सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पड़ी थी। विपक्षी सदस्यों ने सदन में राहुल गांधी को बोलने की अनुमति नहीं मिलने के मुद्दे पर नारेबाजी करते हुए आसन के समीप कागज उछालकर फेंके थे। उस समय आसन पर पीठासीन सभापति कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी बैठे थे।

शराब पार्टी में विवाद के बाद दोस्त को छत से फेंका, मौत

- दो समुदाय से जुड़ा मामला होने के कारण गांव में फैला तनाव
- पुलिस ने मुठभेड़ में एक आरोपी को लंगड़ा किया, साथी फरार

कार्यालय संवाददाता, बरेली/सिरौली

अमृत विचार : चार दोस्तों में शराब पीने के दौरान आपस में हुए विवाद के बाद एक दोस्त को शराब की दुकान की कैंटीन की छत से नीचे फेंक दिया। युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला दो समुदाय से जुड़ा होने के कारण गांव में तनाव फैल गया। सूचना पर एसएसपी और एसपी साउथ ने मौके पर पहुंचकर जांच की। पुलिस ने मंगलवार को रिपोर्ट दर्ज करके एक आरोपी को मुठभेड़ में लंगड़ा करने के बाद गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य की तलाश की जा रही है।

सिरौली थाना क्षेत्र के केसरपुर गांव निवासी गीता ने बताया कि सोमवार की शाम करीब 6 बजे 20 वर्षीय बेटे विनोद को गांव के रहने वाले राशिद, समीम और जीशान को पास के गांव गुरगांवा ले जाकर मारपीट कर छत से धक्का दे दिया। घायल अवस्था में विनोद को उनके पिता प्रेमशंकर शहर के अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने विनोद को मृत घोषित कर दिया। मामला दो समुदायों से जुड़ा होने के कारण गांव में सांप्रदायिक तनाव की स्थिति पैदा हो गई। एसएसपी अनुराग आर्य ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। सिरौली पुलिस को मंगलवार को सूचना मिली कि आरोपी आरिल नदी की तरफ से बदायूं की ओर भागने की फिराक में हैं। पुलिस टीमें ग्राम नवाबपुरा से आरिल नदी की तरफ जाने वाली सड़क पर चेकिंग करने लगीं। इसी दौरान गांव नवाबपुरा की ओर से बिना नंबर प्लेट की बाइक से दो व्यक्ति आते हुए दिखाई दिए। जब रोकने का प्रयास किया तो भागने लगे और आगे जाकर बाइक फिसल गई। इस पर दोनों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर दी। इसमें एक पुलिसकर्मी घायल हुआ। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी राशिद पुत्र रियासत (उम्र 24 वर्ष) निवासी ग्राम केसरपुर पैर में गोली लगने से घायल हो गया, एक साथी फरार हो गया, जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। आरोपी राशिद से तमंचा-कारतूस बरामद हुए।

मुठभेड़ के बाद पकड़ा गया आरोपी राशिद।

60 हजार करोड़ के घोटाले का आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी

शाइन सिटी इंफ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े बहुचर्चित 60 हजार करोड़ के निवेश घोटाले में कंपनी के निदेशक अतुल सिंह को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) टीम ने गुडंबा इलाके से मंगलवार को दबोचा।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के अनुसार, शाइन सिटी कंपनी ने प्रदेश के कई जनपदों में सस्ते भूखंड और अन्य प्रलोभनकारी योजनाओं के नाम पर निवेशकों से 60 हजार करोड़ रुपये

- शाइन सिटी इंफ्रा प्रोजेक्ट लि. में बतौर निदेशक तैनात था आरोपी अतुल

निवेश कराए। रुपये लेने के बाद न तो भूखंड दिए गए और न ही निवेश की गई धनराशि वापस की। कंपनी के निदेशक और अधिकारी कार्यालय बंद कर फरार हो गए थे। अतुल सिंह लखनऊ स्थित शाइन सिटी के आर स्क्वायर, विपुल खंड कार्यालय में प्रॉपर्टी सेल्स का काम संभालता था। निवेशकों को लुभावनी योजनाओं में फंसाकर निवेश कराने में सक्रिय भूमिका निभाता था। उसके खिलाफ थाना गोमतीनगर में वर्ष 2021 में दो एफआईआर दर्ज किए गए थे। जिसकी जांच ईओडब्ल्यू कर रही है। ईओडब्ल्यू अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ कोर्ट से गैर-जमानती वारंट जारी था। वह गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। बाराबंकी के मोहम्मदपुर खाला का मल निवासी अतुल गुडंबा के स्मिथ अपार्टमेंट में रहता था, जहां से ईओडब्ल्यू की क्रैक टीम ने उसे दबोच लिया।

सिपाही भर्ती परीक्षा 8 से 10 जून तक

- 32,679 पदों के लिए तीन दिन, दो पालियों में परीक्षा, आयु सीमा में तीन वर्ष की बड़ी राहत

लखनऊ। यूपी पुलिस में सिपाही बनने का सपना देख रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। योगी सरकार ने आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 के तहत होने वाली लिखित परीक्षा की तारीखों की घोषणा कर दी है।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा जारी सूचना के अनुसार सिपाही भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा आठ जून (सोमवार), नौ जून (मंगलवार) और 10 जून (बुधवार) को आयोजित की जाएगी। परीक्षा तीनों दिनों में दो-दो पालियों में कराई जाएगी। इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से प्रदेश में कुल 32,679 पदों को भरा जाएगा। परीक्षा केंद्र, एडमिट कार्ड, शिफ्ट टाइमिंग और अन्य दिशा-निर्देश बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर समय से जारी किए जाएंगे। बोर्ड ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे नियमित रूप से वेबसाइट पर अपडेट चेक करते रहें। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सिपाही भर्ती-2025 में अधिकतम आयु सीमा में एकमुश्त तीन वर्ष का शिथिलीकरण दिया गया है। गौर है कि वर्ष 2024 में उप्र पुलिस में 60,244 सिपाही पदों पर भर्ती की गई थी, जो अब तक की सबसे बड़ी पुलिस भर्ती थी।

उपलब्धि | देश-विदेश की फार्मा कंपनियों के साथ 5525 करोड़ रुपये के हुए 11 समझौते, हजारों लोगों के रोजगार की उम्मीद, फार्मा इकोसिस्टम को नई मजबूती

यूपी फार्मा कॉन्क्लेव में 10 हजार करोड़ रुपये के निवेश का एलान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: 'उत्तर प्रदेश फार्मा कॉन्क्लेव 1.0' के दौरान प्रदेश के फार्मास्यूटिकल सेक्टर को बड़ी निवेश सौगात मिली। कुल 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर सहमति बनी, जबकि मंच से औषधि, मेडिकल डिवाइस और संबद्ध क्षेत्रों में 5,525 करोड़ रुपये के 11 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का औपचारिक आदान-प्रदान किया गया। इन निवेश प्रस्तावों से प्रदेश के फार्मा इकोसिस्टम को नई मजबूती मिलने के साथ ही हजारों नए रोजगार अवसर सृजित होने की संभावना है।

प्रमुख निवेशकों में अर्ना फार्मा और बायोजेंटा लाइफ साइंसेज ने 1,250-1,250 करोड़, शुक्रा फार्मास्यूटिकल्स ने 737 करोड़, वाल्टर बुशनेल एंटरप्राइज ने 590 करोड़ रुपये, ज्ञानविका लैब्स ने 553 करोड़ रुपये और कोरो हेल्थ ने 418 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई। इसके अलावा मार्क लेबोरेटरीज (300 करोड़), हाई ग्लांस लैबोरेटरीज (120 करोड़), रासपा फार्मा (107 करोड़), रोमसंस मेडवर्ल्ड (100 करोड़) और कोटक हेल्थकेयर (100 करोड़) ने भी यूपी में निवेश के लिए एमओयू किए। इन निवेशों से फार्मा मैन्युफैक्चरिंग, रिसर्च, मेडिकल डिवाइस और हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। कॉन्क्लेव 1.0' में रामकी ग्रुप के चेयरमैन अयोध्या रामी रेड्डी, टोरेंट ग्रुप के वाइस चेयरमैन जीनल मेहता, मैनकाइंड फार्मा के चेयरमैन रमेश जुनेजा, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के चेयरमैन सतीश रेड्डी, जाइडस लाइफ साइंसेज के चेयरमैन पद्मभूषण पंकज रमनभाई पटेल व सन फार्मास्यूटिकल्स के चेयरमैन पद्मश्री दिलीप सांघवी प्रमुख रूप से मौजूद थे।

फार्मा कॉन्क्लेव में उपस्थित मुख्यमंत्री योगी। साथ में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक व अन्य।

भारत किसी के आगे नहीं झुकेगा : योगी

योगी ने कहा कि भारत अपनी नीतियों पर अडिग रहकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत को आज एक विश्वसनीय वैश्विक साझेदार के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। भारत किसी दबाव में झुकने वाला देश नहीं है और 'सत्यमेव जयते' के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। यह आत्मविश्वासी भारत की पहचान है।

24 घंटे में खाली हुई 65 हजार एकड़ जमीन

मुख्यमंत्री ने 2017 के बाद किए गए भूमि सुधारों का जिक्र करते हुए कहा कि सत्ता में आने के बाद भू-माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। भू-माफिया टास्क फोर्स के गठन के बाद 24 घंटे के भीतर 65 हजार एकड़ सरकारी जमीन कब्जामुक्त कराई गई, जो आज प्रदेश का मजबूत लैंड बैंक बनी है। इसी के माध्यम से उद्योगों और निवेश को जमीन उपलब्ध कराई जा रही है।

पुलिस गोली न मारे तो क्या खाए

कॉन्क्लेव के दौरान योगी ने एनकाउंटर पर सवाल उठाने वालों को जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कानून से खिलवाड़ करने वालों पर सख्ती जरूरी है। कहा कि अगर अपना व्यक्ति भी गलत करेगा तो उसके लिए भी वही कानून लागू होगा, जो माफिया और अपराधी के लिए है। बहुत बार लोग टिप्पणी करते हैं कि पुलिस ने गोली क्यों मार दी। अगर पुलिस गोली न मारे तो क्या खाए?

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक

अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक

सुविधायें
ब्रेन हैमरेज
स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर
मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन

Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location

सी-427, डिवाइडर अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

समाज को जोड़ते हैं त्योहार, शांति -सौहार्द से मनाएं

थाना परिसरों में हुई पीस कमेटी की बैठकें, अफवाहों पर ध्यान न देने और नई परंपरा डालने पर सख्त कार्रवाई की हिदायत

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: पर्व और त्योहार किसी भी धर्म के हों, लोगों और समाज को आपस में जोड़ते है और मिलजुल कर रहना सिखाते हैं। शब-ए-बरात, महाशिवरात्रि जैसे पर्वों को शांति और सौहार्द से मनाने की अपील करते हुए थाना परिसरों में पीस कमेटियों की बैठकें आयोजित की गयीं। बैठकों में थाना प्रभारियों ने पीस कमेटी पदाधिकारियों के साथ ही अन्य गणमान्य नागरिकों को भी आमंत्रित किया था।

आंवला। महाशिवरात्रि के पावन पर्व को शांति, सौहार्द और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने को लेकर तहसील आंवला कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता एसएसआई राजेश बाबू मिश्रा ने की। इस दौरान नगर के गणमान्य नागरिकों एवं अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारियों के साथ संवाद किया गया।

अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के प्रांत अध्यक्ष सुनील गुप्ता ने कहा कि महाशिवरात्रि के पर मठ-मंदिरों की साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं।

इस पर एसएसआई राजेश बाबू मिश्रा ने महाशिवरात्रि से पूर्व सभी व्यवस्थाएं सुचारू कराने का आश्वासन दिया। बैठक में हिंदू जागरण मंच के नगर अध्यक्ष रामबीर प्रजापति, समाजसेवी सूरजभान गुप्ता, बॉबी अग्रवाल, वरुण अग्रवाल, सुनील गुप्ता, रामगोपाल गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

फतेहगंज पूर्वी। मंगलवार को थाना परिसर पर पीस कमेटी की बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी संतोष कुमार ने की। शब-ए-बरात को लेकर इमाम फारुक हाफिज हुसैन ने बताया कि नगर में कोई जुलूस नहीं निकाला जाएगा, बल्कि लोग नगर के पांच कब्रिस्तानों में ही रहकर इबादत करेंगे। इस निर्णय का सभी ने स्वागत किया।

बैठक में बताया गया कि महाशिवरात्रि पर शिवतेरस नगरिया कला घाट स्थित शिव मंदिर पर जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। इसके अलावा बाबा शिव मंदिर इंटोरिया, नगरिया कला के मंदिर के महंत सोबरनदास, साईं बाबा मंदिर के संरक्षक रामू सिंह , उड़िया बाले मंदिर के पुजारी अजय आचार्य जी, पंचेश्वर नाथ मंदिर के पुजारी उमेश चंद्र शर्मा ने पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने का आश्वासन दिया।

बैठक में थाना प्रभारी संतोष कुमार ने सभी लोगों से सहयोग और संयम की अपील की। कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह या शांति भंग करने वाली गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। बैठक में पत्रकार कामराज मिश्रा, मुनीश चंद्र शर्मा, पवन राज मिश्रा, उमेश चंद्र शर्मा, राकेश गुप्ता, अजय आचार्य, अरुण मिश्रा , पूर्व चेयरमैन शब्बीर अहमद, मंसूर खान , शमशुद्दीन असरफ, सहित कई गांवों के ग्राम प्रधान एवं दर्जनों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मीरगंज। थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक में एसओ संजय तोमर ने लोगों से अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें। सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक और अपुष्ट सूचनाओं से सावधान रहने की जरूरत है। कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर कार्रवाई होगी। बैठक में मौजूद गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और धर्मगुरुओं से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को शांति और सौहार्द का संदेश दें। इस दौरान नारायण गुप्ता, ओमपाल गंगवार, चरनजीत सिंह टोनी, सरदार रंजीत सिंह, जीशान अंसारी, विशाल गंगवार, मोहम्मद नदीम, मोहम्मद आरिफ अंसारी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

नवाबगंज थाने में बैठक के दौरान कोतवाल एवं स्थानीय नागरिक। ● अमृत विचार

शेरगढ़ में पीस कमेटी की बैठक में प्रभारी निरीक्षक व स्थानीय लोग। ● अमृत विचार

उलेमाओं और अंजुमनों से भी मांगे सुझाव

नवाबगंज : कोतवाली सभागार में मुस्लिम धर्मगुरुओं और समाज के जिम्मेदार लोगों की एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में कोतवाल अरुण कुमार श्रीवास्तव ने सभी से अकीदत और भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील की। शब-ए-बरात और रमजान को लेकर उपस्थित उलेमाओं, सभासदों और अंजुमन इस्लाहुल मुस्लेमीन के पदाधिकारियों ने सुझाव रखे। इन पर गंभीरता से विचार का आश्वासन दिया गया। बैठक में अंजुमन इस्लाहुल मुस्लेमीन के सदर असलम अंसारी ने शब-ए-बरात के अवसर पर कब्रिस्तानों और नगर के बिजौरिया तिराहा, हनुमान मंदिर, अंबेडकर पार्क, बाईपास पर पुलिस बल तैनात किए जाने की मांग रखी। इस पर चौकी इंचार्ज सुनील कुमार को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गये। बैठक में सभासद हसीब सिद्दीकी, खुर्शीद अहमद अंसारी, रिजवान सईद, मो. अरशद अंसारी, आदि मौजूद रहे। अंत में कोतवल अरुण कुमार श्रीवास्तव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कानून से खिलवाड़ नहीं होगी बर्दाश्त

शेरगढ़ : थाना में मंगलवार को हुई शांति समिति की बैठक में प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार ने क्षेत्रवासियों से त्योहारों को शांतिपूर्ण माहौल में मनाने की अपील की। कहा कि त्योहार शांति और सद्भाव से मनाएं और कोई नई परंपरा शुरु न करें। शांति और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों से सख्ती निपटा जाएगा। बैठक में प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार, इंस्पेक्टर क्राइम सत्य सिंह, वरिष्ठ उप निरीक्षक आदित्य गौरव श्रीवास्तव, उपनिरीक्षक अख्तर अली, ओमप्रकाश राठौर, ग्राम प्रधान इस्राइल मंसूरी, हरिओम गंगवार, सभासद ख्यालीराम मौर्य, जफर हसन खां, रामौतार श्रीवास्तव, मनोहर लाल गंगवार, शमशुल खां, तेजपाल गंगवार, मोहम्मद आरिफ, किशन लाल, रामदयाल, भाकियू नेता दुर्गेश मौर्य, सचिन पाठक समेत बड़ी संख्या में क्षेत्र वासी मौजूद रहे।

कोहरे में ट्रक-ट्रैवलर भिड़े, नर्सिंग छात्र-छात्राएं घायल

संवाददाता, फतेहगंज पूर्वी

अमृत विचार: घने कोहरे के चलते मंगलवार सुबह हाईवे पर टिसुआ के समीप ट्रक एवं मिनी बस की टक्कर में परीक्षा देकर लौट रहे करीब एक दर्जन नर्सिंग छात्र-छात्राएं घायल हो गए । सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायल छात्र- छात्राओं को उपचार के लिए बरेली भेजा। इनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

मंगलवार की तड़के करीब तीन बजे हाईवे पर ग्राम टिसुआ ओवर ब्रिज के समीप एक गाड़ी ट्रैवलर (मिनी बस) की ट्रक से आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। ट्रक हाईवे से सर्विस रोड़ पर मुड़ने के लिए यूटर्न ले रहा था इतने में ही पीछे से आ रही ट्रैवलर घने कोहरे के कारण ट्रक में टकरा गयी। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। ट्रैवलर में मुस्कान मेडीकल कॉलेज उरई जनपद जालौन के चालक सहित करीब दो दर्जन छात्र-छात्राएं बैठे थे जो कि अल्मोड़ा से बीएससी नर्सिंग का पेपर देकर वापस उरई जनपद जालौन जा रहे थे।

दुर्घटनाग्रस्त मिनी बस। ● अमृत विचार

ट्रैवलर सवार छात्रों में से राहुल पुत्र भगवान दास निवासी थाना भादौगढ़ जिला उरई उम्र करीब 25 वर्ष तथा प्रिया पुत्री पप्पू निवासी भावोरा थाना उरई जनपद जालौन उम्र 23 वर्ष, कीर्ति पुत्री सर्वेश निवासी रगोली जालौन उम्र 22 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए जिनको पुलिस ने एम्बुलेंस द्वारा बरेली के निजी अस्पताल भिजवा दिया गया है।

वहीं कुछ छात्रों को हल्की चोट लगी है। उनका भी प्राथमिक उपचार कराया गया। ट्रेवलर चालक अरुण निवासी मुस्कान मेडिकल कॉलेज उरई, जालौन को भी हल्की चोटें आई हैं जिनका प्राथमिक उपचार कराया जा रहा है।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार: ट्रैक्टर के पाट्र्स लेने जा रहे युवक की रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। कोहरे के कारण युवक को ट्रेन आती दिखायी नहीं दी।

मृतक आकाश।

नवाबगंज थाना क्षेत्र के धौरेरा गांव निवासी आकाश कुमार (22) खेती कर अपने परिवार का सहारा था। कुछ दिन पहले उसका ट्रैक्टर खराब हो गया था। मंगलवार सुबह वह ट्रैक्टर के इंजन के पाट्र्स खरीदने के लिए पूरनपुर जाने निकला था। इसके लिए उसे शाही रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़नी थी।

शाही रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पहले रेलवे ट्रैक पार करते समय बरेली की ओर से आ रही ट्रेन की चपेट में आ गया। प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया घने कोहरे में ट्रैक पर आ रही ट्रेन दिखाई न देने के कारण ये हादसा हो गया।

सूचना पर परिजन और जीआरपी पीलीभीत भी मौके पर पहुंची। पड़ताल के बाद शव को कब्जे में ले लिया। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा। TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

नवाबगंज के युवक की हिमाचल में मौत, अप्रैल में होनी थी शादी

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार: नवाबगंज कस्बे के मोहल्ला बिजौरिया निवासी एक युवक की हिमाचल प्रदेश में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। सूचना पर क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। युवक का शव वहां उसके कमरे में पड़ा मिला। परिजन हिमाचल प्रदेश पहुंचे और पोस्टमार्टम के बाद शव को लेकर आए। यहां मंगलवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया।

मृतक बंटी मौर्य।

मृतक बंटी मौर्य (22) पुत्र कई वर्षों से हिमाचल प्रदेश के जनपद हमीरपुर में कपड़े की दुकान पर काम करता था। बताया गया कि पिछले कुछ महीनों से वह नवाबगंज स्थित अपने घर पर ही रह रहा था। करीब एक माह पूर्व ही वह दोबारा हिमाचल प्रदेश काम पर लौटा था। रविवार की शाम को बंटी मौर्य के घर पर उसके मालिक कपड़ा व्यापारी का फोन आया कि बंटी ने सुसाइड कर लिया है, उसका शव कमरे में पड़ा है। शव मिलने की सूचना पर स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची थी।

खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों के सुपुर्द कर दिया। इसके बाद शव को नवाबगंज लाया गया, जहां मंगलवार को गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार किया गया।

परिवार की खुशियां मातम में बदलीं

परिजनों के अनुसार बंटी की शादी तय हो चुकी थी और आगामी अप्रैल माह में विवाह होना था। घर में शादी की तैयारियां शुरू हो चुकी थीं, लेकिन अचानक हुई इस घटना ने सारी खुशियों को मातम में बदल दिया। बेटे की असमय मौत से परिजन सदमे में हैं और उनका रो-रोकर बुरा हाल है।

रिश्तेदारी में गया युवक लापता

मीरगंज, अमृत विचार: रिश्तेदारी में जा रहा एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। रास्ते में उसकी बाइक, जूता और जैकेट मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस व ग्रामीणों द्वारा लगातार तलाश की जा रही है, लेकिन समाचार लिखे जाने तक युवक का कोई सुराग नहीं लग सका है। मुशरुकपुर निवासी अजय सोमवार रात सलामतगंज गांव में आयोजित भंडारे में शामिल होने के लिए जा रहे थे। वह सलामतगंज निवासी अपने रिश्तेदार हरप्रसाद के घर जा रहे थे। देर रात नंदगांव और सलामतगंज के बीच स्थित एक बाग के पास से अजय अचानक लापता हो गए। तलाश के दौरान बाग के पास सड़क किनारे अजय की बाइक खड़ी मिली। वहीं बाइक के पास ही उनका जूता और जैकेट पड़े मिले।

पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों के साथ तलाश अभियान चलाया, लेकिन अजय का कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने युवक की गुमशुदगी दर्ज कर ली है।

विदेश में शादी के नाम पर युवक लापता

संवाददाता, हाफिजगंज

अमृत विचार: कोतवाली हाफिजगंज क्षेत्र के गांव धमीपुर निवासी मुन्नी देवी पत्नी हीरालाल ने अपने बेटे के लापता होने को लेकर कोतवाली में तहरीर देकर उसकी बरामदगी और रिपोर्ट दर्ज किए जाने की मांग की है।

मुन्नी देवी के अनुसार उनके बेटे मूलचंद का विवाह नहीं हो पा रहा था। इसी दौरान पड़ोस के दो अलग-अलग गांवों के दो व्यक्तियों ने बेटे की शादी विदेश में कराने का भरोसा दिलाया और खर्चे की बात कही। उनकी बातों में आकर करीब दो वर्ष पूर्व मूलचंद की शादी दूसरे देश में कराई गई। शादी के बाद मूलचंद अपनी पत्नी को लेकर गांव आया और दोनों करीब दो-तीन माह तक साथ रहे।

आरोप है कि इसी दौरान दोनों बिचौलिए उनके घर आए और यह कहकर मूलचंद व उसकी पत्नी को अपने साथ ले गए कि ससुराल से फोन आया है और वहां जाना जरूरी है। इसके बाद से मूलचंद और उसकी पत्नी वापस नहीं लौटे।

पीड़िता ने बताया कि उसने बेटे की काफी खोजबीन की और दोनों बिचौलियों के घर भी कई बार गई, लेकिन वे कभी एक दिन, कभी एक माह और कभी चार माह में लौट आने की बात कहकर टालते रहे। अब दोनों बिचौलिये साफ तौर पर कह रहे हैं कि उन्हें मूलचंद और उसकी पत्नी के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

थक-हारकर वृद्ध मां मुन्नी देवी ने कोतवाली हाफिजगंज में तहरीर देकर अपने बेटे की सकुशल बरामदगी कराए जाने और आरोपित बिचौलियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज किए जाने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

किरायेदार पर दुकान खाली नहीं करने का आरोप

शेरगढ़, अमृत विचार: कस्बे में किराए की दुकान को लेकर एक मामला सामने आया है। दुकान मालिक पुनीत मौर्य ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि उन्होंने अपनी दुकान उमेश कुमार गुप्ता को तय समय के लिए किराए पर दी थी। दोनों पक्षों के बीच लिखित एग्रीमेंट भी हुआ था, जिसकी अवधि अब पूरी हो चुकी है। दुकान मालिक का कहना है कि एग्रीमेंट समाप्त होने के बावजूद किरायेदार उमेश कुमार गुप्ता दुकान खाली करने से इंकार कर रहे हैं। इधर किराएदार उमेश कुमार गुप्ता का कहना है कि 3 फरवरी को एग्रीमेंट की समय सीमा समाप्त हुई है। दुकान मालिक पर अभी 50 हजार रुपए एडवांस जमा हैं। दुकान खाली कराने को कोई नोटिस भी नहीं दिया गया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र भाव्यांश का नाम परिवर्तन करके भाव्यांश कुमार कर दिया है। सरकारी दस्तावेजों में भविष्य में इसी नाम से जाना जायेगा। **अमित कुमार शर्मा पुत्र श्री ज्ञान स्वरूप शर्मा निवासी इन्द्रानगर आई.वी.आर.आई. मार्ग, इज्जतनगर, बरेली। मो. 8859111172**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

बार एसोसिएशन आंवला की चुनाव संचालन समिति गठित

आंवला, अमृत विचार : बार एसोसिएशन आंवला की बैठक मंगलवार को बार सभागार में अध्यक्ष सुशील शर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन महासचिव राजपाल मौर्य ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि वर्तमान कार्यकाल पूर्ण होने के उपरांत आगामी सत्र के लिए शीघ्र चुनाव कराए जाएंगे। इसी क्रम में एल्डर कमेटी के अध्यक्ष महेश तिवारी एडवोकेट के निर्देश पर पांच सदस्यीय चुनाव संचालन समिति का गठन किया गया। चुनाव संचालन समिति में डॉ. निर्दोष चतुर्वेदी एडवोकेट को मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया, जबकि ललित शर्मा एडवोकेट, इंद्रपाल सिंह एडवोकेट, राजेंद्र मौर्य एडवोकेट एवं रिजवान अंसारी एडवोकेट को सहायक चुनाव अधिकारी बनाया गया है। संचालन समिति को निर्देशित किया गया कि प्रस्तावित 11 मार्च 2026 को होने वाले चुनाव से पूर्व संपूर्ण चुनाव कार्यक्रम घोषित कर निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराया जाए।

तीसरी बार ब्लॉक अध्यक्ष बने हरनारायन राजपूत, हुआ स्वागत

भोजीपुरा, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ की ब्लाक शाखा– भोजीपुरा का चुनाव मंगलवार को संपन्न हो गया। इसमें ब्लाक अध्यक्ष पद पर हरनारायन राजपूत, ब्लाक महामंत्री पद पर महेश बाबू बाल्मीकि, ब्लाक कोषाध्यक्ष पद पर राजेश कुमार मौर्य, ब्लाक संगठन मंत्री पद पर अजय कुमार एवं ब्लाक संप्रेक्षक पर राकेश कुमार निर्विरोध निर्वाचित हुए।

सिर्फ अमीरों के लिए है बजट: सुल्तान बेग

देवरनिया, अमृत विचार : भाजपा सरकार द्वारा पेश किया गया यह बजट आम जनता नहीं, बल्कि अमीर वर्ग के फायदे के लिए तैयार किया गया है। यह बात यहां एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए पूर्व विधायक सुल्तान बेग ने कही। उन्होंने कहा कि सरकार वोट मिडिल क्लास, गरीब और किसानों से लेती है लेकिन बजट बड़े उद्योगपतियों के लिए बनाती है। इस बजट में मंहगाई रोकने, शिक्षा सुधारने और रोजगार पैदा करने के लिए कोई ठोस इंतजाम नहीं है।

शराब पार्टी की बात कहकर ले गए थे आरोपी

गुरुगांव में दुकान की छत पर बैठकर सबने जमकर शराब पी, फिर विनोद को नीचे फेंक दिया

- कुछ दिन पूर्व पैसों को लेकर हुआ था विवाद

कार्यालय संवाददाता, बरेली/सिरौली

घटनास्थल का निरीक्षण करते एसएसपी अनुराग आर्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार : गुरुगांव गांव में देसी और अंग्रेजी शराब की दुकान एक ही स्थान पर है। विनोद के परिजन ने बताया कि सोमवार शाम को सिरौली थाना क्षेत्र के ग्राम केसरपुर के समीप शमीम, रशीद और जीशान गांव के विनोद को घर से पार्टी करने को कहकर ले गए थे। गुरुगांव में शराब की दुकान की छत पर बैठकर चारों पार्टी करने लगे। बताते हैं कि चारों दोस्तों ने खूब शराब पी। आरोप है कि इसी दौरान तीन दोस्तों ने विनोद को दुकान की छत से नीचे फेंक दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीण बताते हैं कि चारों युवक जुआ खेलने के आदी थे। विनोद के पिता प्रेम शंकर का आरोप है कि कुछ दिन पूर्व विनोद से पैसों के लेनदेन को लेकर झगड़ा हुआ था, तब से यह लोग विनोद से रंजिश मान रहे थे। विनोद घर का सबसे बड़ा बेटा था और उस पर तीन भाइयों व दो बहनों की जिम्मेदारी थी। अभी 6 दिन पहले ही उसने एक नई बाइक भी खरीदी थी।

शराब की दुकान पर अवैध रूप से चल रही कैंटीन

आरोप है कि घटना के बाद कैंटीन संचालक एवं सेल्समैनों ने आरोपियों को मौके से भगा दिया। कोई सुबूत न मिले। इसके लिए घटनास्थल पर पड़ा खून पानी डालकर साफ कर दिया। शराब की दुकान पर पिछले कई महीनों से अवैध रूप से कैंटीन का संचालन कराया जा रहा था। यहां आए दिन झगड़ा होना आम बात हो गई थी।

एसएसपी ने घटनास्थल का किया निरीक्षण

संवेदनशीलता को देखते हुए एसएसपी अनुराग आर्य, एसपी साउथ अंशिका वर्मा, क्षेत्राधिकारी नितिन कुमार और आंवला व सिरौली पुलिस भारी बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने पहले गुरगांवा स्थित घटनास्थल का मुआयना किया और फिर केसरपुर पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात कर निष्पक्ष कार्रवाई का आश्वासन दिया। एसएसपी ने जल्द से जल्द सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए।

थाना सिरौली पर सोमवार की शाम को सूचना मिली कि विनोद नाम का एक युवक शराब के ठेके की छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया है। इलाज के लिए ले जाने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। जांच में सामने आया कि राशिद, समीम और जीशान अपने साथ विनोद को शराब पिलाने ले गए थे। शराब पीने के बाद विवाद में मारपीट के दौरान विनोद को छत से धक्का दे दिया। रिपोर्ट दर्ज करके राशिद को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। फरार आरोपियों को भी गिरफ्तार करने के लिए टीमें लगी हुई हैं। **–अंशिका वर्मा,** एसपी साउथ

अज्ञात वाहन की टक्कर से टेंपो खाई में गिरा, महिला की मौत

संवाददाता, भमोरा

अमृत विचार: भमोरा-आंवला मार्ग पर कुड्ढा पुल के पास अज्ञात वाहन ने टेंपो में पीछे से टक्कर मार दी। इससे अनियंत्रित हुआ टेंपो खाई में गिर गया। हादसे में महिला की मौत हो गयी। तीन लोग घायल हो गये।

थाना कैंट के झील गोटिया निवासी दीपेश यादव मंगलवार सुबह मनौना धाम ऑटो में सवारियां लेकर गया था। वापासी में टेंपो में आरती पत्नी टिंकू यादव उम्र 27 वर्ष निवासी सेंधा से भमोरा आने के लिए टेंपो मे बैठी थी। इसके अलावा रामादेवी पत्नी त्रिलोक निवासी घटपुरी बदायूं, ग्राम मालगांव से एक सहायक अध्यापिका व एक कैंसर पीड़ित महिला ऑटो में बैठी थी।

टेंपो ने ग्राम कुड्ढा में बने पुल को जैसे ही पार किया पीछे से आ रहे तेज रफ्तार किसी वाहन ने टेंपो में टक्कर मार दी। जिससे अनियंत्रित होकर टेंपो 12 फुट गहरी खाई में जा गिरा। चीख-पुकार सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण और राहगीर मदद के लिए दौड़ पड़े। सूचना पर पहुंची पुलिस घायलों को खाई से निकलवाया। रामादेवी व आरती को गंभीर हालत देखते हुए निजी अस्पताल भेजा। वहीं कैंसर पीड़ित महिला व सहायक अध्यापिका को उनके परिजन दूसरे अस्पताल ले गए। इलाज के दौरान आरती ने दम तोड़ दिया। आरती अपने पीछे ढाई माह की पुत्री छोड़ गई है। एसओ भमोरा सनी चौधरी ने बताया ऑटो को कब्जे में ले लिया गया है। मृतका आरती का पोस्टमार्टम कराया गया है।

ईओ-व्यापारी विवाद में मुख्य सचिव से मिले

बरेली, अमृत विचार : फतेहगंज पश्चिमी में अतिक्रमण हटाने को लेकर ईओ और व्यापारी के बीच हुए विवाद में व्यापारी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज नहीं की गयी है। भाजपा नेता आशीष अग्रवाल ने मंगलवार को मुख्य सचिव एसपी गोयल और अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद से भेंट कर ईओ पर कार्रवाई न होने के संबंध में शिकायत की।

मुख्य सचिव को सौंपे शिकायती पत्र में आशीष अग्रवाल ने कहा है कि पुलिस प्रशासन की मिलीभगत से फर्जी मुकदमा लिखाया गया है। वहीं, सोमवार को स्थानीय निकाय के निदेशक अनुज झा से भेंटकर ईओ के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की थी। दरअसल, प्रकरण में अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद से लेकर कई मंत्रियों ने ईओ के विरुद्ध जांच कराकर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। डीएम के निर्देश पर गठित टीम में शामिल अधिकारियों ने मौके पर जांच की, लेकिन अभी तक आख्या उच्चाधिकारियों को नहीं भेजी है।

बीच सड़क पर कॉलेज छात्रों में चलीं बेल्ट और लात-घूंसे

संवाददाता, हाफिजगंज

अमृत विचार: हाफिजगंज क्षेत्र के एक कॉलेज में मामूली विवाद के चलते नौवीं और ग्यारहवीं कक्षा के छात्रों के बीच जमकर मारपीट हो गई। छुट्टी के समय कॉलेज परिसर से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते बीच सड़क स्थित मुख्य तिराहे तक पहुंच गया, जहां छात्रों ने एक-दूसरे पर लात-घूंसे और बेल्ट से हमला किया।

छात्रों की मारपीट देख मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और उन्हें समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन झगड़ा बढ़ता देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर एसआई सत्यवीर गिरि पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मारपीट कर रहे चार छात्रों को हिरासत में ले लिया। पुलिस चारों छात्रों को थाने ले आई, जहां उनके परिजनों को बुलाया गया। थाना प्रभारी प्रवीन सोलंकी ने बताया कि माफीनामा देने के बाद छात्रों को परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

घर में घुसकर ग्रामीण को लाठी-डंडों से पीटा, तीन घायल

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : गांव सत्युईया में युवकों ने घर में घुसकर ग्रामीण और उसके परिजनों को मारपीट कर घायल कर दिया।पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। गांव सत्युइया निवासी अखिलेश ने बताया सोमवार रात साढ़े बजे जब वह परिवार के साथ खाना खा रहे थे।अचानक गांव के नरेश, राजेश, महाराज सिंह आदि लाठी–डंडे लेकर घर में घुस गये। गन्दी–गन्दी गलियां देने लगे। विरोध करने पर बेरहमी से लाठी–डंडों से पीटने लगे। जिससे वह और उनके भाई राजकुमार,पत्नी नीतू घायल हो गई। इस दौरान नीतू के मंगल सूत्र का पैंडल भी गिर गया। थाना प्रभारी प्रयागराज सिंह ने बताया पीड़ित अखिलेश की तहरीर पर पुलिस ने सभी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके घायलों को मेडिकल के लिए भेजा है।

शेरगढ़ में हुई निपुण आकलन परीक्षा, एआरपी ने लिया जायजा

शेरगढ़, अमृत विचार : खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार भारती के निर्देशन में ब्लाक के प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा एक और दो के छात्र-छात्राओं की निपुण आकलन परीक्षा संपन्न हुई। विद्यालय में सहयोगात्मक पर्यवेक्षण को पहुंचीं एआरपी महिमा दीक्षित ने निपुण आकलन परीक्षा की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निपुण आकलन परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान फरीदपुर की ओर से प्रशिक्षुओं को तैनात किया गया था। बता दें कि शीतकालीन अवकाश के बाद बच्चों को विद्यालय तक लाने में शिक्षकों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। शिक्षकों ने बच्चों को "निपुण लक्ष्य ऐप" के माध्यम से मोबाइल पर तैयारी कराई। वहीं पाठ्यक्रम पर आधारित शिक्षण भी कराया गया। डायट प्रशिक्षु मोहित प्रसाद, शेखर सक्सेना, प्रधानाध्यापक राजीव शर्मा, शिक्षक धर्मेंद्र कुमार, जयपाल श्रीवास्तव, शुभम गंगवार, राज कपूर आदि मौजूद रहे।

इबादत, दुआ और रोशनी के साथ मनाया शब-ए-बरात

कब्रिस्तान में दुआ करते लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, नवाबगंज

- कब्रिस्तानों में पढ़ी नमाज, बुजुर्गों के लिए पेश किया इसाले सवाब

अमृत विचार: कस्बे और आसपास के इलाकों में मंगलवार को शब-ए-बरात का त्योहार पूरी अकीदत के साथ मनाया गया। इस मौके पर कब्रिस्तानों और मस्जिदों को विशेष रोशनी से सजाया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में रूहानी माहौल बना रहा। लोगों ने पूरी रात इबादत में गुजारी। मस्जिदों और कब्रिस्तानों में नमाज अदा कर अपने पूर्वजों के लिए ईसाले सवाब पेश किया गया। मान्यता है कि शब-ए-बरात गुनाहों से माफी की रात होती है। त्योहार के दौरान लोगों ने अपने-अपने घरों में हलवा, दाल सहित अन्य पकवान तैयार किए और हजरत उवैश करणी रहमतउल्लाह अलैह की फातिहा पढ़ी। नमाजे ईशा के बाद बड़ी संख्या में लोग कब्रिस्तान पहुंचे और अपने बुजुर्गों की कब्रों पर दुआ कर उन्हें ईसाले सवाब पेश किया।

दहेज में कार नहीं देने पर विवाहिता को पीटकर घर से निकाला

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार: दहेज में कार की मांग पूरी नहीं करने पर ससुरालियों ने विवाहिता को मासूम बच्चे के साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कस्बा के मोहल्ला ठाकुर द्वारा निवासी रेनू कुमारी का विवाह करीब दो साल पहले 7 फरवरी को बरेली के थाना सुभाष नगर के करगैना निवासी विभोर सक्सेना के साथ हुआ था। पीड़िता के पिता धर्मराज लाल ने करीब 15 लाख का दान दहेज दिया था। इसके बाबजूद सुसराल वाले कार मांग रहे थे। आरोप है कि पीड़िता ने कार देने से इनकार किया तो पति विभोर सक्सेना, ससुर संतोष सक्सेना, सास पूनम सक्सेना, जेठ अभिनय सक्सेना, नन्द सृष्टि सक्सेना, नंदोई राजन सक्सेना पीड़िता को बुरी तरह से प्रताड़ित करने लगे। बीती 7 जनवरी को सभी ने एक राय होकर पीड़िता को मारपीट कर मासूम के साथ घर से निकाल दिया।

SRMS

आर. आर.कैंसर इंस्टीट्यूट एण्ड रिसर्च सेंटर

100 बेड का समर्पित कैंसर हॉस्पिटल

together we FIGHT
TOGETHER WE WIN...

4TH FEBRUARY 2026
WORLD CANCER DAY
विश्व कैंसर दिवस

कैंसर की जांचों पर 15% की छूट

19 वर्ष

विश्वस्तरीय एवं अत्याधुनिक कैंसर चिकित्सा में समर्पित

कैंसर परीक्षण शिविर
5-7 फरवरी 2026 • समय: प्रातः 9 से 2 बजे

कैंसर के लक्षण
• मुँह में जख्म/सफेद दाग (बहुत समय से) • आवाज में परिवर्तन (कुछ समय से)
• स्तन में सूजन या गाँठ • बच्चेदानी में खून या गन्दा पानी लगातार आना
• पेशाब या मल में खून आना • उल्टी या खाँसी में खून आना
• खाना निगलने में परेशानी • शरीर में कहीं भी लगातार सूजन या गाँठ का बढ़ना

कैंसर विशेषज्ञों की टीम
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी: डॉ. पीयूष अग्रवाल, डॉ. अरविन्द चौहान, डॉ. पवन कुमार, डॉ. हिमांशी खट्टर, डॉ. प्राची उपाध्याय
मेडिकल ऑन्कोलॉजी: डॉ. अदादी श्रीनिवासा नायडू
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी: डॉ. शुभांशु गुप्ता, डॉ. सिद्धांत सिंह, डॉ. रोहित शर्मा
गायनी ऑन्कोलॉजी: डॉ. मनोज कुमार तांगड़ी
ऑन्कोफर्टिलिटी: डॉ. रुचिका गोयल
इंटरवेंशनल ऑन्कोलॉजी: डॉ. नम्रता सिंह

समस्त कैंसर रोगों का विश्वस्तरीय इलाज एक छत के नीचे

रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
▪ रेडियोथैरेपी – 2 लीनियर एक्सीलेरेटर (IMRT, IGRT, SRT, SRS, SBRT, VMAT)
▪ HDR ब्रेकीथैरेपी

मेडिकल ऑन्कोलॉजी
▪ इम्युनोथैरेपी, टारगेटेडथैरेपी
▪ कीमोथैरेपी, हार्मोनलथैरेपी
▪ बोन मैरो ट्रांसप्लांट/प्रोसीजर्स

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
▪ समस्त प्रकार की कैंसर सर्जरी
▪ ऑन्को रिकन्सट्रक्शन/कॉस्मैटिक सर्जरी
▪ गायनी ऑन्कोसर्जरी ▪ रोबोटिक ऑन्कोसर्जरी

इंटरवेंशनल ऑन्कोलॉजी, न्यूक्लियर मेडिसिन एवं एडवांस इमेजिंग
▪ न्यूक्लियर मेडिसिन - PET CT SCAN ▪ 3 टैस्ला 48 चैनल एमआरआई ▪ 256 स्लाइस ड्यूल सोर्स सीटी स्कैन
▪ डिजीटल मैमोग्राफी ▪ DSA कैथ लैब ▪ सीटी/अल्ट्रासाउण्ड गाइडेड FNAC / BIOPSY ▪ डैक्सा स्कैन

अन्य अत्याधुनिक जांचें ▪ एण्डोब्रोन्कियल अल्ट्रासाउण्ड (EBUS) ▪ अपर जीआई एण्डोस्कोपी, कोलोनोस्कोपी
▪ वीडियो लैरोंजोस्कोपी ▪ कोल्पोस्कोपी ▪ अल्ट्रासाउण्ड डिराइव्ड फैटी फ्रैक्शन (UDFF) ▪ इम्युनोहिस्टोकैमेस्ट्री, ट्यूमर मार्कर

श्री राम मूर्ति स्मारक
इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
13 किमी॰, बरेली–नैनीताल रोड, भोजीपुरा, बरेली
9458705555 www.srms.ac.in

न्यूज ब्रीफ

कंटेनर से भिड़ी बस चालक की मौत

हरदोई, एजेंसी : जिले में हरदोई–लखनऊ राजमार्ग पर कटिया मऊ गांव के पास मंगलवार को एक तेज रफ्तार निजी बस ने एक कंटेनर में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिसके कारण बस चालक की मौत हो गयी जबकि नौ यात्री घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक टक्कर इतनी भीषण थी कि बस अनियंत्रित होकर राजमार्ग किनारे खाई में जा गिरी, जिससे घटनास्थल पर अफरा–तफरी मच गई। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को जिले के कोतवाली कछौना क्षेत्र के अंतर्गत हरदोई–लखनऊ राजमार्ग के पास हरदोई से लखनऊ जा रही बस तेज गति में थी।

शोरूम चोरी मामले में पांच लोग गिरफ्तार

सहारनपुर, एजेंसी : जिले में पुलिस ने एक शोरूम में हुई करोड़ों रुपये के आभूषणों की चोरी का मामला सुलझा लिया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने इस मामले में तीन महिलाओं सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है और करीब तीन करोड़ रुपये के गहने बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक यह चोरी टाटा ग्रुप के कैरटलेन ज्वेलरी शोरूम में हुई थी, जो सदर बाजार पुलिस थाना इलाके में स्थित है।

शुद्धि पत्र

सूचित किया जाता है कि दिनांक 02.02.2026 को कार्यालय उपजिलाधिकारी सहसवान बदायूं की विज्ञप्ति प्रकाशित हुई थी। उक्त विज्ञप्ति में **माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेशों के क्रम में उपरोक्त वाद में राज्य सरकार के पक्ष में जब्त 28 कट्टे गेहूँ (12.60 कुंतल) तथा 09 कट्टे चावल (4.05 कुंतल) जो श्री सुबोध कुमार उचित दर विक्रेता नगर क्षेत्र सहसवान की सुपुर्दगी में है।** उक्त प्रकाशित विज्ञप्ति में इस लाइन को पढ़ा जाये।

न्यायालय अपर सिविल जज (जू.डि.)
कोर्ट संख्या- 04, मुजफ्फरनगर

कि मेरे समक्ष परिवाद किया है कि योगेन्द्र नाथ पुत्र धनपाल नाथ निवासी ज्योरा पारवाला जिला बदायूं थाना मुजरिया द्वारा मु.अ.सं. 65/25 बी.एन.एस. की धारा 87BNSS के अधीन अपराध किया है। मा. न्यायालय के द्वारा अभि. योगेन्द्र नाथ पुत्र धनपाल नाथ नि. ग्राम ज्योरा पारवाला थाना मुजरिया बदायूं के विरूद्ध धारा 87BNSS के अन्तर्गत उद्घोषणा नोटिस जारी किया गया है। अभियुक्त की मफसर घोषित किया गया है। जिसका उद्घोषणा नोटिस विवेचक द्वारा अभि. के मसकन पर चस्पा किया गया है। अतएव एतद्द्वारा घोषणा की जाती है कि योगेन्द्र नाथ पुत्र श्री धनपाल नाथ निवासी:– ज्योरा पारवाला जिला बदायूं थाना मुजरिया से अपेक्षा की जाती है कि वह दिनांक एक सप्ताह के अन्दर न्यायालय में मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए उपस्थित हो। जारी दिनांक : 28.01.2026

अपर सिविल जज (जू.डि.)
कोर्ट संख्या- 04, मुजफ्फरनगर

पत्रकार वार्ता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने बजट को विकसित भारत की दिशा में मजबूत नींव बताया

टैक्स और केंद्रीय सहायता से यूपी को मिलेंगे 4.18 लाख करोड़

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कहा-इन्फ्रास्ट्रक्चर, हाई-स्पीड रेल, रक्षा और मैन्युफैक्चरिंग में ऐतिहासिक निवेश

अमृत विचार: भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि आम बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत-2047' और 'आत्मनिर्भर भारत' के दूरदर्शी विजन डॉक्यूमेंट है। उन्होंने कहा कि टैक्स डिवोल्यूशन और केंद्रीय सहायता के माध्यम से उत्तर प्रदेश को लगभग 4.18 लाख करोड़ रुपये का वित्तीय समर्थन मिलेगा। यह बजट 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की भावना को साकार करते हुए देश और प्रदेश को तेज़ी से विकास की राह पर आगे ले जाएगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मंगलवार को लखनऊ स्थित भाजपा प्रदेश मुख्यालय में केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे। पंकज चौधरी ने कहा कि बीते 11 वर्षों में मोदी सरकार ने आमजन की सुविधाओं, नवाचार, आर्थिक वृद्धि, रोजगार सृजन और समावेशी विकास को प्राथमिकता दी है। इसी सोच का स्पष्ट प्रतिबिंब बजट में दिखाई देता है, जिसे किसान, युवा, महिला, उद्यमी और मध्यम वर्ग सभी को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि आधारभूत संरचना को अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानते हुए सरकार ने इसमें निरंतर और मजबूत निवेश किया है। वर्ष 2014-15 में जहां इन्फ्रा बजट 2 लाख करोड़ रुपये था, वहीं अब इसे बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये किया गया है, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, साथ में अन्य पदाधिकारी। अमृत विचार

हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर से यूपी को विशेष लाभ

- वित्त राज्यमंत्री ने कहा कि बजट में सात नए हाई–स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा की गई है। इनमें दिल्ली–वाराणसी और वाराणसी–सिलीगुड़ी कॉरिडोर उत्तर प्रदेश के लिए विशेष रूप से लाभकारी होंगे। इससे नोएडा, आगरा, लखनऊ, प्रयागराज और वाराणसी जैसे प्रमुख शहरों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी, यात्रा समय घटेगा और पर्यटन व व्यापार को गति मिलेगी। इसके साथ ही डांकुनी से सूरत तक प्रस्तावित डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का एक बड़ा हिस्सा उत्तर प्रदेश से होकर गुजरेगा। अगले पांच वर्षों में 20 नए जलमार्ग शुरू किए जाएंगे तथा वाराणसी में गंगा जलमार्ग पर शिप–रिपेयर और मरम्मत केंद्र विकसित किया जाएगा, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन होगा। चौधरी ने बताया कि पांच लाख से अधिक आबादी वाले टियर–2 और टियर–3 शहरों में सिटी इकोनॉमिक रीजन विकसित किए जाएंगे, जिन पर प्रति शहर 5000 करोड़ रुपये तक का निवेश प्रस्तावित है। पर्यटन क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को देखते हुए पांच प्रमुख टूरिस्ट डेस्टिनेशन विकसित किए जाएंगे। उत्तर प्रदेश में सारनाथ और हस्तिनापुर को अनुभवात्मक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है।

पारंपरिक उद्योगों को विशेष समर्थन

- रक्षा क्षेत्र पर उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहला बजट है, जिसमें रक्षा बजट को 15 प्रतिशत बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़ रुपये किया गया है। मैन्युफैक्चरिंग को रोजगार का मुख्य आधार बताते हुए उन्होंने मेक इन इंडिया और पीएलआई योजनाओं के तहत बायोफार्मा शक्ति परियोजना, इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 और इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग में बड़े प्रावधानों की जानकारी दी। एमएसएमई के लिए 10,000 करोड़ रुपये का ग्रोथ फंड और पारंपरिक उद्योगों को विशेष समर्थन दिया गया है। उन्होंने बताया कि कृषि क्षेत्र के लिए 1.62 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, ये किसानों की आय बढ़ाने में सहायक होगा। स्वास्थ्य, शिक्षा, आयुष व स्किल डेवलपमेंट में भी बड़े प्रावधान किए गए हैं।

मतदाता सूची सुधारने को बूथ पर रोज दो घंटे रहेंगे बीएलओ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को प्रभावी बनाने के लिए निर्वाचन आयोग ने अहम निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत आगामी 27 फरवरी तक प्रदेश के सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अफसर (बीएलओ) प्रतिदिन दो घंटे मौजूद रहेंगे। यह व्यवस्था सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लागू रहेगी, ताकि मतदाताओं को फॉर्म भरने और सूची से जुड़ी समस्याओं के समाधान में सहूलियत मिल सके।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मंगलवार को बताया कि इस अवधि में सभी बूथों पर बीएलओ के पास फॉर्म-6 (नया नाम जोड़ने), फॉर्म-7 (नाम हटाने) और फॉर्म-8 (संशोधन) के साथ ड्राफ्ट मतदाता सूची, मतदाता सूची से हटाए गए नामों की सूची और वर्ष 2003 की मतदाता सूची भी उपलब्ध रहेगी।

दबिश देने पहुंची बदायूं पुलिस की कार्रवाई के दौरान ग्रामीण की मौत

संभल/बदायूं, अमृत विचार: कैला देवी थाना क्षेत्र के गांव में दबिश देने पहुंची बदायूं पुलिस की कार्रवाई के दौरान एक ग्रामीण की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों और रिश्तेदारों में आक्रोश फैल गया। परिजनों ने पुलिस पर हाथापाई और धक्का देने से मौत होने का आरोप लगाते हुए स्थानीय पुलिस को सूचना दी। हयातनगर थाना क्षेत्र के हैबतपुर का रहने वाला हरचरण मंगलवार को अपनी पत्नी जयवती के साथ ससुराल कैला देवी के गांव नारंगपुर आया था। हरचरण के बेटे अनिकेत पर आरोप है कि वह करीब 10 दिन पहले बदायूं के बिसौली थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती को बहला-फुसलाकर ले गया था। इस मामले में युवती के परिजनों की तहरीर पर बिसौली थाना पुलिस ने अनिकेत के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। मंगलवार को बिसौली थाना पुलिस ने हयातनगर थाना क्षेत्र के गांव हैबतपुर में अनिकेत के घर पर दबिश दी लेकिन आरोपी घर पर नहीं मिला। इसके बाद पुलिस लोकेशन के आधार पर आरोपी के पिता हरचरण की ससुराल कैला देवी थाना क्षेत्र के गांव नारंगपुर पहुंची थी।

शाहजहांपुर के होटल में सिविल इंजीनियर का शव मिलने से हड़कंप

ऋषिकेश का रहने वाला था गौरव सक्सेना, मोहल्ला मोहम्मद जई में है ससुराल

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : शहर के एक होटल में सिविल इंजीनियर का शव संदिग्ध हालात में मिला। शव मिलने के बाद होटल परिसर में हड़कंप मच गया। सूचना पर एसपी राजेश द्विवेदी, एएसपी देवेंद्र कुमार, पुलिस टीम और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस के अनुसार मृतक उत्तराखंड के ऋषिकेश का रहने वाला गौरव सक्सेना (46) है। होटल के कर्मचारी ने बताया कि गौरव की नाक से खून निकल रहा था।

ऋषिकेश के थाना गंगानगर के मोहल्ला गणेश बिहार निवासी गौरव सक्सेना की ससुराल चौक कोतवाली के मोहल्ला मोहम्मदजई में है। उसकी पत्नी मायके में रह रही है। वह एक कंपनी में प्राइवेट इंजीनियर है। रविवार की दोपहर 12 बजे गौरव अपनी ससुराल न जाकर सीधे सदर बाजार थाना क्षेत्र में बहादुरगंज स्थित स्वागत होटल में पहुंचे और मैनेजर से कमरा मांगा। मैनेजर ने फर्स्ट फ्लोर पर पर कमना नंबर 107 दे दिया। सोमवार की शाम सात बजे उनका एक मित्र मिलने के लिए आया था। मंगलवार की सुबह 8.30 बजे होटल का कर्मचारी कमरे में नाश्ता पूछने के लिए गया। उन्होंने कमरे के बाहर खड़े होकर आवाज दी, लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आयी। कर्मचारी ने दरवाजा खटखटाया तो नहीं खुला। कर्मचारी ने दरवाजे को धक्का दिया तो दरवाजा खुल गया। कर्मचारी ने देखा कि गौरव सक्सेना कुर्सी पर बैठे हुए थे और नाक से मामूली खून निकला हुआ था। कुर्सी के पास उल्टी पड़ी हुई थी। कर्मचारी ने उसका शव कुर्सी पर पड़ा देखा तो घबरा गया और भागकर मैनेजर को जानकारी दी। इस दौरान होटल के अंदर अफरा-तफरी मच गयी।

जांच करते एएसपी देवेंद्र कुमार व पुलिस कर्मी। • अमृत विचार

होटल के मैनेजर ने सदर बाजार थाना को सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश सिंह होटल पर पहुंचे और कर्मचारियों से जानकारी करके शव को कब्जे ले लिया। एएसपी सिटी देवेंद्र कुमार और सीओ सिटी होटल पर पहुंचे और मौका मुआयना किया। उन्होंने कर्मचारी से जानकारी की। इधर मृतक गौरव के ससुराल वाले होटल पर आ गए। एएसपी सिटी ने उनसे भी पूछताछ की। प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश कुमार ने बताया कि उनके परिवार वालों ऋषिकेश सूचना कर दी गयी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

- कुर्सी पर शव मिला, कमरे में दवाइयों मिली

दोस्त से मंगाई थी डिटॉल की शीशी

होटल के कर्मचारियों ने बताया कि सोमवार की शाम उनके हाथ में किसी तरह चोट लग गयी थी। उन्होंने अपने एक दोस्त को फोन करके डिटॉल की शीशी मंगवायी थी। उसका दोस्त डिटोल की शीशी देकर चला गया था। उन्होंने जख्म वाले स्थान पर रुई से डिटॉल लगाया था। उनके मोबाइल की व्हाटसएप पर उसके बेटे की मैसेज पड़ा था। बेटे ने लिखा था कि प्लीज पापा काल उठाइये। पुलिस ने मोबाइल को कब्जे में ले लिया है। जिस कमरे में गौरव रुके थे, उसमें शराब की खाली बोतल और दवाइयों भी रखी हुई धी।

देहरादून में यात्री बस गहरी खाई में गिरी, 3 की गई जान

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

- बस देहरादून होते हुए हिमाचल प्रदेश के पांवटा साहिब गुरुद्वारे जा रही थी
- हिमाचल सड़क परिवहन निगम की है बस, हादसे में 33 लोग घायल, कई की हालत गंभीर

अमृत विचार: उत्तराखंड के विकासनगर में हिमाचल परिवहन की रोडवेज बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ ने बचाव अभियान शुरू किया। घायलों को खाई से निकाला गया। हादसे में तीन लोगों को मौत हो गई है। विकास नगर देहरादून जिले में यमुना नदी के तट पर स्थित शहर है जो क्षेत्र उत्तराखंड-हिमाचल सीमा पर स्थित है।

मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के नेरवा से पांवटा जा रही एचपी रोडवेज बस हरिपुर-कोटी-मीनस राजमार्ग पर क्वानू के पास अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। बस में 36 यात्री सवार थे। दुर्घटना में तीन की मौत हो गई जबकि 13 उप जिला अस्पताल में भर्ती हैं। दस लोगों का इलाज हरबर्टपुर स्थित लेहमन अस्पताल में उपचार चल रहा है। पांवटा साहिब स्थित अस्पताल में तीन भर्ती हैं और ग्राफिक एरा अस्पताल में एक का उपचार चल रहा है।

एसडीआरएफ की टीम देर शाम तक बचाव अभियान में जुटी रही। थाना प्रभारी कालसी दीपक धारीवाल ने बताया घायलों को रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया गया है। मृतकों में यास्मीन बेगम (46) पत्नी नेक मोहम्मद ग्राम - क्यारला नेरवा (हिमाचल), रिचा (30) पत्नी बिरेंद्र ग्राम- विजमल, नेरवा (हिमाचल) और धन बहादुर, ग्राम क्यारला नेरवा (हिमाचल) शामिल हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस दुर्घटना पर गहरा दुख जताते हुए एक्स पर लिखा- हमें कालसी इलाके में हिमाचल ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन की बस हादसे की दुखद खबर मिली है। मैंने डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट से फोन पर बात की और जरूरी निर्देश दिए।

कार्यालय नगर पालिका परिषद पीलीभीत

पत्रांक: 50(i)/तद्दिनांक **निविदा सूचना** दिनांक: 03.02.2026

पालिका के पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2026– 27 में बोर्ड फंड व राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत नगर क्षेत्र पीलीभीत में समय– समय पर त्योहारों / राष्ट्रीय पर्वो एवं अन्य महत्वपूर्ण दिवसों व बी.आई.पी. आगमन पर चूने की आपूर्ति हेतु ई–टेण्डर के माध्यम से निविदा दिनांक 16.02.2026 सायं 05:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो नियमानुसार स्वीकृति उपरान्त दिनांक 17.02.2026 को सायं 04:00 बजे अथवा किसी अन्य कार्य दिवस में को खोली जायेगी, ई–निविदा प्रपत्र अन्य विवरण एवं शर्तें ई–प्रक्योरमेन्ट की वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है, जो देखी जा सकती है। ई–निविदा खोले जाने की तिथि में यदि अवकाश होता है तो ई–निविदा अगले दिन कार्य दिवस में खोली जायेगी।

निविदा प्रकाशन तिथि	03.02.2026 समय दोपहर 02:00 बजे
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ करने की तिथि	03.02.2026 समय सायं 03:00 बजे
निविदा अपलोड की प्रारम्भ तिथि	03.02.2026 समय सायं 03:00 बजे
निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि	16.02.2026 समय सायं 05:00 बजे
निविदा खोले जाने की तिथि	17.02.2026 समय सायं 04:00 बजे

अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, पीलीभीत — **अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, पीलीभीत**

गड्ढे में डूबने से बच्चे की मौत

रायबरेली, एजेंसी: जिले में घर के दरवाजे पर खेलते समय चार वर्ष का एक बच्चा गड्ढे में गिर गया, जिससे वह पानी में डूब गया और बाद में उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह घटना जिले के ऊंचाहार के डिहवा मजरे कंदरावा गांव की है। आस-पास किसी के नहीं होने के कारण बच्चे के गड्ढे में गिरने की जानकारी किसी को नहीं हो सकी। काफी देर तक जब बच्चा नहीं दिखा तो उसकी खोजबीन शुरू हुई। गड्ढे से बच्चे को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी।

पश्चिमी विक्षोभ से यूपी में आंधी–बारिश, 21 जिलों में कोहरे का अलर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हमीरपुर में सर्वाधिक 9 मिमी बारिश, कई जिलों में पड़े ओले

अमृत विचार: मंगलवार को प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश और आंधी चलीं। राजधानी लखनऊ में कुछ देर के लिए दिन में ही अंधेरा छा गया, जिससे रात जैसा दृश्य बन गया। पश्चिमी जिलों से शुरू हुई बारिश का दायरा बुंदेलखंड, मध्यांचल व अवध क्षेत्र तक फैल गया। मौसम विभाग ने बुधवार के लिए प्रदेश के 21 जिलों में घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मंगलवार तड़के बुंदेलखंड के हमीरपुर, महोबा, चित्रकूट, झांसी और ललितपुर में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। इसके बाद कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, अयोध्या और रायबरेली में भी मध्यम बारिश हुई। राजधानी लखनऊ समेत अवध के कई जिलों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चलीं, जिससे ठंडक में इजाफा हुआ। उन्नाव, चित्रकूट, हरदोई और इटावा में कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी सूचना मिली है। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार से पश्चिमी विक्षोभ का असर धीरे-धीरे कमजोर पड़ जाएगा और प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि तराई क्षेत्रों में सुबह के समय कोहरा बना रह सकता है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बारिश की संभावना कम होने के बावजूद कोहरे के कारण दृश्यता प्रभावित हो सकती है, इसलिए सतर्कता जरूरी है।

21 जिलों में घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग ने बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, कानपुर देहात, कानपुर नगर, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी और ललितपुर में अत्यधिक घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में सुबह के समय दृश्यता बेहद कम रहने की संभावना है।

बेमौसम बारिश पर मुख्यमंत्री के निर्देश

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सतर्क रहने और त्वरित राहत–बचाव कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी प्रकार की जनहानि या पशुहानि की स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर वास्तविक स्थिति का आकलन करने और शासन को रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से किसानों के हितों पर जोर देते हुए कहा कि अन्नदाता किसान आश्वस्त रहें, राज्य सरकार उनके साथ खड़ी है। निर्देश दिए कि कृषि और राजस्व विभाग की संयुक्त टीमें खेतों का सर्वे कर नुकसान का आंकलन करें, ताकि प्रभावित किसानों को समय से मुआवजा और राहत दी जा सके।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बीसलपुर जिला पीलीभीत

पत्रांक: 689/न.पा.परि.बी.–2025–26 दिनांक: 02.02.2026

आपत्ति आमन्त्रण व निस्तारण हेतु सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उ.प्र. शासन, नगर विकास अनुभाग–9 द्वारा जारी अधिसूचना संख्या–912/ नौ–9–24–85ज/05 टी.सी.–1 लखनऊ दिनांक 28 जून 2024 द्वारा उत्तर प्रदेश नगर पालिका (भवन या भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य पर कर) नियमवाली–2024 की अधिसूचना जारी/ प्रख्यापित की गयी है। यह नियमावली उत्तर प्रदेश की समस्त नगर पालिका/ नगर पंचायत पर लागू है। नियमावली के नियम–7 के अनुसार नगर पालिका बीसलपुर के निम्नलिखित वार्डो में स्थिति भवनों / भूखण्डों पर सम्पत्ति कर का आरोपण करते हुए कर निर्धारण किया गया है एवं नियम–8 के अनुसार गृहकर निर्धारण सूची तैयार की गयी है। उत्तर प्रदेश नगर पालिका (भवन या भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य पर कर) नियमावली–2024 नियम–9 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके जनसामान्य के अवलोकनार्थ एवं नगर पालिका परिषद बीसलपुर के 25 वार्डो में से 11 वार्डो की वार्डवार कर निर्धारण सूची का प्रकाशन एवं आपत्तियों की प्राप्ति हेतु प्रकाशित किया जाता है। अतः आप सभी अपनी आपत्तियां/सुझाव प्रकाशन की तिथि से एक (01) माह के अन्दर कार्यालय नगर पालिका परिषद बीसलपुर भवन में स्वयं / पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। समयावधि से प्राप्त आपत्तियों / सुझाव का अधिशासी अधिकारी द्वारा नियम–9 (3) के अनुसार निस्तारण किया जायेगा। निर्धारण समयावधि के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर नगर पालिका परिषद बीसलपुर द्वारा कोई विचार नहीं किया जायेगा। वार्डवार गृहकर सूची के प्रकाशन का विवरण निम्नवत् है:–

क्र.	वार्ड का नाम व संख्या	प्रकाशन का दिनांक	प्रकाशन का स्थान	आपत्ति प्रस्तुत/ निस्तारण की अवधि
1	मो. दुर्गाप्रसाद–01	04.02.2026 से 05.02.2026	कार्यालय भवन	प्रकाशन दिनांक से एक माह तक
2	मो. दुबे–04	04.02.2026 से 05.02.2026		
3	मो. दुबे–05	04.02.2026 से 05.02.2026		
4	मो. दुर्गाप्रसाद–07	04.02.2026 से 05.02.2026		
5	मो. ग्यासपुर, बख्तावर लाल–08	04.02.2026 से 05.02.2026		
6	मो. बाजार कटरा, दुर्गाप्रसाद, बख्तावर लाल–12	04.02.2026 से 05.02.2026		
7	मो. ग्यासपुर, हबीबुल्ला खां जनूबी– 16	06.02.2026 से 07.02.2026		
8	मो. ग्यासपुर– 20	06.02.2026 से 07.02.2026		
9	मो. ग्यासपुर–21	06.02.2026 से 07.02.2026		
10	मो. ग्यासपुर–24	06.02.2026 से 07.02.2026		
11	मो. ग्यासपुर, हबीबुल्ला खां जनूबी–25	06.02.2026 से 07.02.2026		

राजस्व निरीक्षक, नगर पालिका परिषद, बीसलपुर — **अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, बीसलपुर**

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना संख्या– या/246/1/15/25–26/ओ०टी०–37

मुख्य कारखाना प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न लिखित कार्य के लिए, निविदा पत्र में अंकित योग्यता मापदण्डों के अनुसार ई–निविदायें आमन्त्रित की जाती हैं। **क्रम सं०: 1, कार्य का संक्षिप्त विवरण:** यांत्रिक कारखाना, इज्जतनगर में RDSO स्पेसिफिकेशन नंबर RDSO/SPN/TC/106/2025, वर्जन 3.1 के अनुसार LHB कोच, ICF कोच और DEMU DPC/TC कोच में IP आधारित वीडियो सर्विलांस सिस्टम (VSS) की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग का कार्य। **अनुमानित मूल्य (रू० में):** रु. 287385524.48 (अट्ठाइस करोड़ तिहत्तर लाख पच्चासी हज़ार पाँच सौ चौबीस रुपये एवं अड़तालीस पैसा मात्र), **जमानत राशि (रू० में):** रु. 1586900.00 (पंद्रह लाख छियासी हज़ार नौ सौ रुपये मात्र), **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू०):** शून्य, **कार्य अवधि:** 12 माह, **निविदा खुलने की तिथि व समय:** दिनांक 06.03.2026 को 15:30 बजे, **नोट:**– 1. उपरोक्त ई–निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित दिनांक 01.02.2026 को समय 17:00 बजे से बेवसाइट **www.ireps.gov.in** पर टेण्डर खुलने की तिथि 06.03.2026 को 15:00 बजे तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदा में ई–बिड के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अर्न्तगत C.C.A. द्वारा जारी क्लास–III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की बेवसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित आनलाइन दर्ज करने पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. ई–निविदा हेतु धरोहर राशि ई–भुगतान नेट बैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी।

उप मुयांइ/उत्पादक, यांत्रिक कारखाना, इज्जतनगर
मुजाधि/यांत्रिक–135

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

जाली पासपोर्ट में थानाध्यक्ष व आठ दारोगा हटाए गए

गाजियाबाद, एजेंसी: पुलिस ने एक फर्जी पासपोर्ट गिरोह का भंडाफोड़ होने के बाद इस मामले में भोजपुर के थानाध्यक्ष और आठ उप निरीक्षकों को हटाकर लाइन हाजिर किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने इस मामले में अब तक एक डाकिये समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मोदीनगर के सहायक पुलिस आयुक्त अमित सक्सेना ने बताया कि पुलिस आयुक्त जे. रविंद्र गौड़ ने भोजपुर के थानाध्यक्ष सचिन कुमार और आठ उप निरीक्षकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई का आदेश दिया था। थानाध्यक्ष को थाने में पुलिस के कामकाज की खराब निगरानी के आरोप में लाइन हाजिर किया गया है। थाने के लिपिक दीपक कुमार को ड्यूटी के दौरान पासपोर्ट के सत्यापन के लिए उप निरीक्षकों की डिजिटल आईडी का गलत इस्तेमाल करने के आरोप में निलंबित किया गया है।

83 हिमालयी चोटियां पर्वतारोहियों के लिए खुलीं

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : उत्तराखंड दुनियाभर के पर्वतारोहियों का रोमांच बढ़ाने जा रहा है। राज्य ने साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए गढ़वाल और कुमाऊं हिमालय क्षेत्र की 83 प्रमुख पर्वत चोटियों को पर्वतारोहण अभियानों के लिए पूरी तरह खोल दिया है।

खोली गई चोटियों की ऊंचाई 5,700 मीटर से 7,756 मीटर तक है, जिनमें कामेट (7,756 मीटर), नंदा देवी ईस्ट, चौखंबा समूह, त्रिशूल समूह, शिवलिंग, सतोपंथ, चंगाबांग, पंचचूली और नीलकंठ जैसी विश्व प्रसिद्ध और चुनौतीपूर्ण चोटियां शामिल हैं। ये शिखर न केवल तकनीकी कठिनाई और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध हैं, बल्कि हिमालय की भव्यता के जीवंत प्रतीक भी माने जाते हैं। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद (यूटीडीबी) ने वन विभाग के समन्वय से यह निर्णय उत्तराखंड को वैश्विक पर्वतारोहण मानचित्र पर एक सशक्त और आकर्षक गंतव्य के रूप में स्थापित करेगा।

इस बाबत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हिमालय हमारी पहचान, हमारी विरासत और हमारी शक्ति है। 83 प्रमुख पर्वत चोटियों को पर्वतारोहण के लिए खोलना राज्य के साहसिक पर्यटन को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। हमारा उद्देश्य है कि देश के युवा पर्वतारोहण जैसे साहसिक क्षेत्रों में आगे आएं, स्थानीय लोगों को रोजगार मिले और पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलित विकास सुनिश्चित हो।

पर्वतारोहण का नया रोमांच

खोली गई चोटियों की ऊंचाई 5,700 मीटर से 7,756 मीटर तक है, जिनमें कामेट (7,756 मीटर), नंदा देवी ईस्ट, चौखंबा समूह, त्रिशूल समूह, शिवलिंग, सतोपंथ, चंगाबांग, पंचचूली और नीलकंठ जैसी विश्व प्रसिद्ध और चुनौतीपूर्ण चोटियां शामिल।

दादा ने डांटा तो पोते ने जान दे दी

हल्द्वानी, अमृत विचार : बीड़ी पीते पकड़े गए पोते को दादा की फटकार इतनी नागवार गुजरी कि उसने अपनी जान दे दी। फटकार के कुछ देर बाद दादा वापस लौटे तो पोते को फंदे से लटके पाया। आनन-फानन में उसे फंदे से उतार कर एसटीएच पहुंचाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

बनभूलपुरा कोतवाल डीएस फर्त्याल ने बताया कि उजालानगर निवासी 15 साल का किशोर सातवीं की छात्र था और यहां अपने दादा के साथ रहता था। उसके दादा का बरेली रोड-गौला बाईपास पर ढाबा है। मंगलवार की सुबह वह दादा के साथ उनके ढाबे पर मौजूद था। किशोर अपने दादा से छिप कर बीड़ी पी रहा था, लेकिन तभी उसे दादा ने देख लिया। इससे वह बेहद नाराज हुए और पोते को फटकार लगा दी। इसके बाद दादा ढाबे से बाहर निकल गए और जब कुछ देर बाद अंदर पहुंचे तो उनके होश फाख्ता हो गए। पोते का शव फंदे से लटक रहा था।

न्यूज ब्रीफ

जदयू विधायक अनंत सिंह ने ली शपथ

पटना। मोकामा विधानसभा क्षेत्र से जनता दल यूनाइटेड(जदयू) के जेल में बंद विधायक अनंत सिंह ने मंगलवार को बिहार विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। सिंह को अदालत से अनुमति मिलने के बाद कड़े सुरक्षा इंतज़ामों के बीच बेउर केंद्रीय कारागार से बिहार विधानसभा लाया गया। जदयू विधायक ने आज सदन की कार्यवाही शुरू होने के बाद निचले सदन के सदस्य के रूप में शपथ ली। शपथ लेने के बाद उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और सदन के अन्य सदस्यों से मुलाकात कर उनका औपचारिक अभिवादन किया। सिंह को शपथ लेने के बाद पुन: बेउर केंद्रीय कारागार ले जाया गया। उल्लेखनीय है कि अनंत सिंह पिछले तीन महीने से दुलारचंद यादव हत्याकांड के सिलसिले में न्यायिक हिरासत में हैं। दुलारचंद यादव की हत्या मोकामा विधानसभा क्षेत्र में विधानसभा चुनाव के दौरान जनसुराज पार्टी के प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार करते समय कर दी गई थी।

शर्मिला पिंपलोलकर ठाणे की नई महापौर

ठाणे। एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना की शर्मिला पिंपलोलकर मंगलवार को ठाणे की 23वीं महापौर निर्विरोध चुनी गईं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कृष्णा पाटिल उप महापौर चुने गए। इन पदों के लिए कोई अन्य नामांकन दाखिल नहीं किया गया, जिससे इनके निर्विरोध चुनाव का मार्ग प्रशस्त हुआ। शिवसेना के एक नेता ने कहा, महायुति गठबंधन के भीतर आंतरिक महत्वाकांक्षाओं को नियंत्रित करने के लिए, शिवसेना और भाजपा ने बारी बारी से पद ग्रहण करने का विचार रखा है। जिसके तहत महापौर और उप महापौर का कार्यकाल 15 महीने निर्धारित किया गया है।" उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था निर्वाचित सदस्यों को संतुष्ट करने के लिए की गई है, जिससे प्रत्येक पद पर चार अलग-अलग पार्षदों को पूरे कार्यकाल के लिए सेवा करने का मौका मिलता है।

कोलकाता,आसपास के इलाकों में भूकंप

कोलकाता। कोलकाता और उसके आसपास के इलाकों में मंगलवार शाम भूकंप के झटके महसूस किए गए। भारत मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इससे पहले म्यांमार में आए 6.1 तीव्रता वाले भूकंप के झटके पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में महसूस किए गए। कोलकाता में ऊंची इमारतों के कुछ निवासियों और कार्यालयों में काम करने वाले कर्मचारियों ने बताया कि उन्होंने भूकंप के कई झटके महसूस किए। यह भूकंप म्यांमार में रात करीब 9.05 बजे आया, जिसे कुछ सेकंड तक महसूस किया गया। भूकंप के कारण किसी नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है।

टीटीडी अधिकारियों के खिलाफ होगी कार्रवाई

अमरावती। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू बनाने के लिए मिलावटी घी से जुड़े विवाद के मामले में निविदा शर्तों में जानबूझकर की गई चूक, विफलताओं के आरोप में तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के पूर्व सदस्यों समेत इसके अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने को आंध्र प्रदेश सरकार से कहा है। सीबीआई के नेतृत्व वाले विशेष जांच दल ने टीटीडी के अधिकारियों ओ बालाजी, एवी धर्म रेड्डी (पूर्व अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी) और अनिल कुमार सिंघल पर बिना सोचे-समझे निविदा की शर्तों को मंजूरी देने का आरोप लगाया है।

अमेरिका से व्यापार समझौते पर चर्चा की मांग को लेकर भारी हंगामा और नारेबाजी

नई दिल्ली, एजेंसी

विपक्षी दलों के सदस्यों ने मंगलवार को जोरदार ढंग से भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का मुद्दा उठाया और संसद को विश्वास में लेने, सदन के पटल पर इनके पूरे मसौदे रखे जाने के साथ इन पर व्यापक चर्चा की मांग करते हुए राज्यसभा से वाकआउट किया। इससे पहले विपक्ष ने सदन में हंगामा व नारेबाजी करते हुए सरकार पर देश के हितों से समझौता करने का भी आरोप लगाया। सत्ता पक्ष ने यह कहकर पलटवार किया कि विपक्ष की हताशा सामने आ रही है।

उच्च सदन में शून्यकाल समाप्त होने के तुरंत बाद जब सभापति सीपी राधाकृष्णन ने प्रश्नकाल शुरू करने को कहा, उसी समय कांग्रेस के नेता जयराम रमेश ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का मुद्दा उठाया और आरोप लगाया कि इस समझौते से जुड़ी जानकारी संसद के बजाय वाशिंगटन से मिल रही है। उन्होंने इस मुद्दे पर संसद को विश्वास में लेने, सदन में पूरे मसौदे रखे जाने और उन पर व्यापक चर्चा की मांग की। विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने उनका समर्थन किया। सदन के नेता जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोमवार देर रात को भारतीय वस्तुओं पर शुल्क कटौती की जानकारी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दी और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सच्चा दोस्त बताया।

विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच नड्डा ने आरोप लगाया कि विपक्ष की हताशा सामने आ रही है और वह अच्छी बातों में भी बुराई देखने लगा है। उन्होंने कहा, मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि सरकार भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर चर्चा के लिए तैयार है और समझौते का हर छोटा-बड़ा विवरण देने को भी तैयार है। सरकार इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेते हुए वक्तव्य देगी। लेकिन यह तरीका लोकतंत्र के लिए घातक है और यह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा इंडी गठबंधन का गैरजिम्मेदाराना व्यवहार है। विपक्षी सदस्यों के हंगामा और नारेबाजी के बीच सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि जब सरकार वक्तव्य दे रही है तो सदस्यों को उसे सुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष हंगामा कर रहा है। इसी बीच, विपक्षी सदस्य सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए अपनी सीटों से उठकर आगे की ओर बढ़ गए। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष का उद्देश्य हर मुद्दे पर राजनीति करना है और सदन में इसका उदाहरण देखा गया।

विपक्ष ने राज्यसभा से किया बहिर्गमन

कहा- वाशिंगटन से क्यों मिल रही जानकारी, सत्ता पक्ष ने लगाया हताशा का आरोप

राज्यसभा में अमेरिका के साथ हुए समझौते पर बात रखते राजद सांसद मनोज झा।

तृणमूल सांसदों ने अलग से किया बहिर्गमन

हंगामे-नारेबाजी के बीच तृणमूल कांग्रेस को छोड़कर सभी विपक्षी दलों के सदस्यों ने विरोध जताते हुए सदन से बहिर्गमन कर दिया। टीएमसी सदस्य साकेत गोखले सदन में बैठे रहे और कुछ देर बाद बाहर चले गए। बाद में टीएमसी के सदस्यों ने कहा कि उन्होंने दिल्ली पुलिस के सोमवार को एसआईआर-प्रभावित परिवारों के साथ किए गए व्यवहार के विरोध में अलग से बहिर्गमन किया। सोमवार कोपश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की दिल्ली के चाणक्यपुरी में स्थित 'बंग भवन' के बाहर तैनात सुरक्षाकर्मियों से बहस हो गई थी। ममता ने गृहमंत्री के इशारे पर अपने राज्य में एसआईआर से प्रभावित परिवारों के उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

भाजपा नेता वाई खेमचंद सिंह होंगे मणिपुर के अगले मुख्यमंत्री

नई दिल्ली/इंफाल, एजेंसी

- कुकी नेता नेमचा किपगेन होंगी राज्य की उपमुख्यमंत्री

मणिपुर में वाई. खेमचंद सिंह को मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल का नेता चुना गया। इसके साथ ही, पूर्वोत्तर राज्य में उनके नेतृत्व में सरकार गठन का मार्ग प्रशस्त हो गया है। सूत्रों के अनुसार, कुकी समुदाय से आने वाली महिला नेता और पूर्व मंत्री नेमचा किपगेन के नई सरकार बनने के बाद उपमुख्यमंत्री बनने की संभावना है।

सूत्रों ने बताया कि पूर्व मंत्री सिंह (62) को यहां पार्टी मुख्यालय में हुई भाजपा विधायकों की बैठक में विधायक दल का नेता चुना गया। इस बैठक में भाजपा के 37 विधायकों में से 35 विधायक के अलावा पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक तरुण चुघ, पूर्वोत्तर प्रभारी संबित पात्रा और भाजपा की प्रदेश अध्यक्ष ए शारदा देवी सहित अन्य उपस्थित थे। किपगेन (60) को नई सरकार में उप मुख्यमंत्री बनाए जाने की संभावना है। इसके बाद, मणिपुर भवन में एक और बैठक हुई, जिसमें मणिपुर में राजग के घटक दलों के विधायक उपस्थित थे। सूत्रों के अनुसार, एक नगा विधायक को दूसरा उपमुख्यमंत्री नियुक्त करने का प्रस्ताव है, लेकिन कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बुधवार को राज्यपाल से मुलाकात करके सरकार बनाने का दावा पेश हो सकता है।

प्रधानमंत्री ने भयंकर दबाव में अमेरिका के साथ किया व्यापार समझौता: राहुल

- कहा- छवि का गुब्बारा फूटने के डर से मोदी ने देश और किसानों को बेच दिया

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भयंकर दबाव में हैं, इसलिए उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार समझौता किया है। उन्होंने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री ने इस समझौते के माध्यम से किसानों और देश को बेच दिया है और इस बात से डरे हुए हैं कि उनकी छवि का गुब्बारा कहीं फूट न जाए।

राहुल गांधी ने कहा, नरेंद्र मोदी घबराए हुए हैं। जो व्यापार समझौता चार महीने से रुका हुआ था, उसमें कुछ बदला नहीं और कल शाम उस पर हस्ताक्षर कर दिया गया। इसके पीछे क्या कारण हैं, वो मैं जानता हूं और मोदी जानते हैं। उन्होंने दावा किया, मोदी जी पर भयंकर दबाव है। उनकी छवि का जो गुब्बारा हजारों करोड़ खर्च कर बनाया गया था, वो फूट सकता है। बड़ी बात यह है कि भारत के प्रधानमंत्री कंप्रोमाइज्ड हो चुके हैं। आरोप लगाया, हिंदुस्तान के किसानों को यह समझना चाहिए कि इस समझौते में आपकी मेहनत और खून-पसीने को मोदी ने बेच दिया है। उन्होंने सिर्फ आपको नहीं, देश को बेच दिया है।

एक तो अदाणी मामला, दूसरे एपस्टीन फाइलों में छिपा सच

राहुल गांधी ने दावा किया, प्रधानमंत्री पर दबाव के पीछे दो बाते हैं। पहला एप्सटीन फाइल हैं जिसमें अभी बहुत सामग्री है, जिसे जारी नहीं किया गया है। इनमें जो है, उसे पूरा देश जानना चाहता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री के दबाव में आने का दूसरा कारण अमेरिका में उद्योगपति गौतम अदाणी के खिलाफ दर्ज मामला है। इस मामले के बावजूद अमेरिका अदाणी को निशाना नहीं बना रहा है। यह निशाना मोदी के वित्तीय ढांचे पर है। जो अदाणी पर मामला है, वो दरअसल नरेंद्र मोदी पर मामला है।

कांग्रेस को बताना चाहिए वह भारत के पक्ष में है या उसके खिलाफ: अनुराग

- पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा- कांग्रेस नेताओं में साफ दिख रही है देश विरोधी भावना

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इस आरोप पर कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने व्यापार सौदे को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिका के दबाव में आकर समझौता किया, भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को पूछा कि कांग्रेस और विपक्ष के दूसरे दल बताएं कि वे भारतीय हित के पक्ष में हैं या उसके खिलाफ हैं।

संसद भवन परिसर में पत्रकारों के साथ बातचीत में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि भारत पर अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाए जाने के बाद विपक्ष के कई लोग जश्न मना रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत की ओर से ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता किए जाने के बाद भी विपक्ष के लोगों ने सवाल उठाए थे। ठाकुर ने कहा, यहां सवाल यह उठता है कि विपक्ष और कांग्रेस भारतीय हित के पक्ष में हैं या उसके खिलाफ। उन्होंने कहा, यह भारत-विरोधी मानसिकता राहुल गांधी, कांग्रेस और दूसरे विपक्षी नेताओं में साफ दिख रही है, क्योंकि वे संसद को काम भी नहीं करने दे रहे हैं।

विकास की चिंता नहीं, देश को गुमराह कर रहे राहुल: गोयल

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस नेता भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर देश को गुमराह कर रहे हैं, उन्हें देश के विकास की कोई चिंता नहीं है। मंत्री ने इस बात पर भी दुख जताया कि कांग्रेस और डीएमके, तृणमूल कांग्रेस और सपा सहित अन्य विपक्षी पार्टियों के हंगामे के कारण उन्हें संसद में बयान देने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा, उन्होंने संसद में बहुत अभद्र व्यवहार किया, माननीय स्पीकर की सीट तक पहुंच गए।

सीईसी के खिलाफ लाया जा सकता है महाभियोग प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

- ममता बनर्जी ने कहा- हमारे पास संसद में बहुमत नहीं, पर रिकॉर्ड में दर्ज होगा प्रस्ताव

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त(सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर धमकी देने और दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाने के एक दिन बाद मंगलवार को सीईसी के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की संभावना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने यहां कहा, सोमवार को जो कुछ हुआ उसके बाद हम इस चुनाव आयुक्त से किसी भी चीज की उम्मीद नहीं कर सकते हैं।

सीईसी के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर विचार करने के सवाल पर ममता बनर्जी ने कहा, हालांकि हमारे पास बहुमत नहीं है फिर भी प्रस्ताव पेश किया जा सकता है। जनता के हित में हम पार्टी में इस विषय पर चर्चा करेंगे और इसका समर्थन करेंगे। यह रिकॉर्ड में तो दर्ज हो जाएगा। मुख्यमंत्री यहां चुनाव आयोग के मुख्यालय में ज्ञानेश कुमार के साथ हुई मुलाकात का उल्लेख कर रही थीं, जहां उन्होंने पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर सीईसी पर तीखा हमला किया। आयोग पर पक्षपातपूर्ण काम करने का आरोप लगाया, कहा कि प्रक्रिया राजनीतिक उद्देश्य से चलाई जा रही है।

शिमला में हुई बारिश...

हिमाचल प्रदेश के शिमला में मजेदार ठंड पड़ रही है। कभी बर्फबारी तो कभी बारिश के दीदार हो रहे हैं। इस मंगलवार को अच्छी बारिश हुई, इस दौरान भीगने से बचने के लिए स्थानीय लोग और पर्यटक छाता लेकर बाहर निकले।

महाराष्ट्र : पंकजा मुंडे के उड़ान भरने से पहले हेलीकॉप्टर में खराबी

छत्रपति संभाजीनगर। जिला परिषद चुनाव के लिए प्रचार करने जा रही महाराष्ट्र की मंत्री पंकजा मुंडे को ले जाने वाले हेलीकॉप्टर में उनके प्रस्थान से कुछ घंटे पहले तकनीकी खराबी का पता चला तो खलबली मच गई। खराबी को ठीक करने के बाद वह दो घंटे की देरी से रवाना हो पाईं।

मुंडे सोमवार को एक विशेष विमान से छत्रपति संभाजीनगर पहुंचीं और चुनाव प्रचार के लिए हेलीकॉप्टर से रवाना हुईं। हवाई अड्डे के एक अधिकारी के मुताबिक विमानन कंपनी ने जब नियमित निरीक्षण किया तो हेलीकॉप्टर में कुछ तकनीकी खामियां मिलीं। चिकलठाणा हवाई अड्डे के प्राधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। मुंडे ने कहा कि हेलीकॉप्टर पुराना था, लेकिन उन्होंने इस मुद्दे को नहीं उठाया और अपनी यात्रा जारी रखी। 28 जनवरी को बारामती में हुए विमान हादसे में राकांपा नेता अजित पवार की दुखद मौत के बाद से हवाई यात्रा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

भारत-अमेरिका समझौता बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में संसदीय दलों की बैठक में शिरकत करने जाते प्रधानमंत्री मोदी।

- मोदी ने राजग की संसदीय दल की बैठक में कहा- हर देशवासी के लिए व्यापार समझौता लाभदायक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को राजग संसदीय दल की बैठक में कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता एक बड़ा फैसला है जो हर देशवासी के लिए लाभदायक होगा। बैठक में शामिल सांसदों ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने राजग के संसदीय दल की बैठक में सदस्यों को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि उनकी सरकार हमेशा राष्ट्र के हित में काम करती है।

राजग के घटक दलों के सदस्यों ने यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों के लिए प्रधानमंत्री को बधाई भी दी और कहा कि इससे भारतीय विनिर्माताओं, निर्यातकों और उद्यमियों को मजबूती मिलेगी। बैठक में शामिल सांसदों के अनुसार प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता एक बड़ा फैसला है और देश में सभी को इससे लाभ मिलेगा। भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते पर सहमत हुए हैं जिसके तहत वाशिंगटन भारतीय उत्पादों पर शुल्क को कुल 50 प्रतिशत से कम करके 18 प्रतिशत करेगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि पूरे देश में इस समझौते को लेकर उत्साह है। उन्होंने कहा, सांसदों में इस बात को लेकर उत्साह है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नौ व्यापार समझौते पूरे हुए हैं। कुल 39 देशों के साथ व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह ऐतिहासिक है। ये सभी 39 देश विकसित देश हैं जो ऐतिहासिक है। देश में बहुत अच्छा माहौल है। मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, 'राजग संसदीय दल की बैठक में हिस्सा लिया, जहां हमने अनेक मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में सदस्यों ने भाजपा के नए अध्यक्ष नितिन नवीन का स्वागत किया और उन्हें बधाई दी।

उधमपुर के ऊपरी इलाकों में मुठभेड़, जैश के आतंकवादियों के फंसे होने की आशंका

- सुरक्षाबलों-आतंकियों में एक घंटे तक भीषण गोलीबारी, गोली लगने से एक आतंकी घायल

जम्मू, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में उधमपुर जिले के एक दूरस्थ वन क्षेत्र में मंगलवार को सुरक्षाबलों द्वारा जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के दो से तीन संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादियों को एक प्राकृतिक गुफा के अंदर घेर लिए जाने के बाद लगभग एक घंटे तक चली भीषण गोलीबारी ने इलाके को दहला दिया।

अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान एक आतंकवादी घायल हो गया, लेकिन वह गुफा में वापस जाने में कामयाब रहा, जबकि सेना ने छिपे हुए आतंकवादियों को मार गिराने के लिए पैराट्रूपर्स और खोजी कुत्तों की एक टीम को तैनात किया। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि विद्रोह रोधी बल डेल्टा, पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों का किया नामक ऑपरेशन के दौरान बसंतगढ़ के सामान्य क्षेत्र में शाम लगभग चार बजे आतंकवादियों से सामना हुआ। सेना ने कहा, घेराबंदी कर दी गई है। गोलीबारी जारी है और अभियान आगे बढ़ रहा है। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि पहाड़ी जिले के रामनगर क्षेत्र में स्थित जाफ्फेर, गुजराड़ा और चिगला बलोथा के जंगलों में एक प्राकृतिक गुफा के पास कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी का पता चलने के बाद लगभग एक घंटे तक भारी गोलीबारी और विस्फोटों की आवाजें सुनाई दीं।

उन्होंने बताया कि पाकिस्तान आधारित जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े संदिग्ध आतंकवादियों की गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सोमवार तड़के विशाल वन क्षेत्र में अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने कहा कि अंधेरे और घने जंगल का फायदा उठाकर आतंकवादी इलाके से भाग न सकें, इसके लिए घटनास्थल के चारों ओर घेरा और मजबूत कर दिया गया है। यह 15 दिसंबर के बाद उधमपुर में दूसरी मुठभेड़ थी, जब सौन गांव में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई थी।

दिल्ली दंगा मामले में कोर्ट ने छह आरोपियों को किया बरी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2020 में हुए दंगों के मामले में छह आरोपियों को यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष आरोपों को साबित करने में बुरी तरह विफल रहा। अदालत ने पुलिस पर रिकॉर्ड में हेरफेर करने और मनगढ़ंत आरोप-पत्र दाखिल करने का आरोप लगाया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश परवीन सिंह ने प्रेम प्रकाश उर्फ काके, इशू गुप्ता, राजकुमार उर्फ शिवान्या, अमित उर्फ अन्नू, राहुल उर्फ गोलू और हरिओम शर्मा को बरी करने का आदेश दिया।

अदालत, दंगों के दौरान इन सभी के हिंसक भीड़ का हिस्सा होने के आरोप से संबंधित मामले की सुनवाई कर रही थी। न्यायाधीश ने 31 जनवरी को दिये आदेश में कहा, अदालत ने पाया कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ अपना मामला साबित करने में बुरी तरह विफल रहा और सभी आरोपियों को उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों से बरी किया जाता है।

अर्थव्यवस्था | राज्यसभा में सरकार ने दी दिसंबर 2025-26 तक के आंकड़ों की जानकारी

रिकॉर्ड 230 लाख करोड़ पर पहुंचा यूपीआई लेनदेन

नई दिल्ली, एजेंसी

- आठ अन्य देशों में किया जा रहा यूपीआई का इस्तेमाल

सरकार ने मंगलवार को राज्यसभा को बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में दिसंबर तक लोकप्रिय यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से रिकॉर्ड 230 लाख करोड़ रुपये तक का लेनदेन हुआ है। उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि यूपीआई के जरिए लेनदेन तेज गति से बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा, घरेलू लेनदेन की बात करें तो वर्ष 2025-26 में दिसंबर तक कुल 230 लाख करोड़ रुपये का लेनदेन किया गया है, जबकि वर्ष 2022-23 में कुल लेनदेन 139 लाख करोड़ रुपये था। चौधरी ने बताया कि यूपीआई का विस्तार अब भारत के बाहर भी हो रहा है और मुद्रा रूपांतरण के बाद, संबंधित देशों के घरेलू कानूनों का पालन करते हुए, इसका उपयोग आठ देशों में किया जा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक लिखित उत्तर में बताया कि वर्तमान में यूपीआई के तहत आठ देशों भूटान, फ्रांस, मॉरीशस, नेपाल, कतर, सिंगापुर, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात में लेनदेन हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) यूपीआई के अंतरराष्ट्रीय विस्तार के लिए विभिन्न कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इनमें साझेदार देशों की समान त्वरित भुगतान प्रणालियों के साथ यूपीआई लिंकेज को परिचालन में लाना शामिल है, ताकि सीमा-पार व्यक्ति-से-व्यक्ति (पी2पी) धन प्रेषण को सुगम बनाया जा सके।

बनाए जा रहे यात्रा आधारित पेमेंट कॉरिडोर

इसके अलावा यात्रा-आधारित कॉरिडोर बनाए जा रहे हैं, जिससे सीमा-पार व्यक्ति-से-व्यापारी (पी2एम) भुगतान संभव हो सके। वित्त मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की जून 2025 की रिपोर्ट ''ग्रोनिंग रिटेल डिजिटल पेमेंट्स (द वैल्यू ऑफ इंटरऑपरेबिलिटी)'' में यूपीआई को लेनदेन के अनुपात के आधार पर दुनिया की सबसे बड़ी रिटेल फास्ट-पेमेंट प्रणाली बताया गया है। सीतारमण ने यह भी कहा कि एसीआई वर्ल्डवाइड की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक रियल-टाइम रिटेल भुगतान के कुल लेनदेन में यूपीआई की हिस्सेदारी लगभग 49 प्रतिशत है।

सात वर्ष में 7,400 से अधिक नक्सली गिरफ्तार

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि 2019 से अब तक 7,400 से अधिक नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 5,880 ने आत्मसमर्पण किया है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि 2025 में, सुरक्षा बलों ने 364 नक्सलियों को मार गिराया, 1,022 को गिरफ्तार किया और 2,337 का आत्मसमर्पण कराया। कहा कि वामपंथी उग्रवाद से होने वाली हिंसा की घटनाओं में 2010 से 2025 तक 88 प्रतिशत की कमी आई है। राय ने लिखित उत्तर में कहा कि वामपंथी उग्रवाद, जो आंतरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती रहा है, हाल के दिनों में इस पर काफी काबू पाया गया है, यह सिर्फ कुछ इलाकों तक सीमित रह गया है।

व्यापार समझौता

भारत–अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा से उत्साह लाजिमी है तो सवाल भी। इस डील को कुछ हलकों में 'भारत की कूटनीतिक जीत' और 'अमेरिका के झुकने' के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, परंतु अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में हर निर्णय ठोस सामरिक और आर्थिक गणनाओं का परिणाम होता है, न कि भावनात्मक। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर टैरिफ घटाने के पीछे कई कारक हैं। भारत–यूरोपीय संघ के हालिया समझौते और उससे पहले ब्रिटेन के साथ एफटीए ने यह संकेत दिया कि भारत वैश्विक व्यापारिक मानचित्र पर सक्रिय है। हमारी सक्रिय कूटनीति ने वाशिंगटन को संदेश दिया कि नई दिल्ली बहुध्रुवीय संतुलन साधने में सक्षम है, तो अमेरिका के लिए चीन के विकल्प के रूप में उभरते विनिर्माण केंद्र के संदर्भ में भारत को साथ रखना रणनीतिक आवश्यकता बनी।

18 फीसदी टैरिफ से बाजार में अल्पकालिक उत्साह संभव है, पर दीर्घकालिक लाभ इस पर निर्भर करेगा कि गैर-टैरिफ बाधाएं कितनी कम होती हैं और सप्लाई चेन कितनी स्थिर रहती है। टेक्सटाइल, लेदर और मरीन उत्पाद जैसे श्रमप्रधान क्षेत्रों को कुछ प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिल सकता है, जीडीपी वृद्धि दर में बढ़ोतरी संभावित है पर वह तभी साकार होगा, जब निवेश, निर्यात और विनिर्माण क्षमता समानांतर रूप से बढ़ें। रूस से तेल आयात भारत की ऊर्जा सुरक्षा का प्रश्न है। भारत ने अब तक 'रणनीतिक स्वायत्तता' की नीति अपनाई है- न तो पूर्ण निर्भरता, न पूर्ण परहेज़। इसे शून्य पर लाना न आर्थिक रूप से सरल है, न कूटनीतिक रूप से व्यावहारिक। इसी प्रकार अमेरिकी कृषि निर्यात के लिए भारतीय बाजार खोलना एक संवेदनशील विषय है। भारत का कृषि क्षेत्र आजीविका से जुड़ा प्रश्न है; अतः किसी भी रियायत का घरेलू राजनीतिक और सामाजिक प्रभाव गंभीर होगा। 500 अरब डॉलर की अमेरिकी खरीद का दावा वर्तमान व्यापार आंकड़ों 2024 में मात्र 212 अरब डॉलर द्विपक्षीय व्यापार के संदर्भ में अतिशयोक्तिपूर्ण प्रतीत होता है। अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं में अक्सर नेतृत्व घरेलू दर्शकों को ध्यान में रखकर बड़े आंकड़े प्रस्तुत करता है। इस समझौते के इर्द-गिर्द सबसे अधिक अस्पष्टता दोनों पक्षों यानी ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बयानों में अंतर को लेकर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि भारत रूस से तेल खरीद बंद करेगा और अमेरिकी उत्पादों पर अपने टैरिफ शून्य करेगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसी कोई सार्वजनिक प्रतिबद्धता व्यक्त नहीं की। यह अंतर बताता है कि राजनीतिक बयान और औपचारिक समझौते में भेद होता है।

जब तक संयुक्त बयान और विस्तृत मसौदा सार्वजनिक न हो, तब तक इन दावों को अंतिम सत्य मानना जल्दबाजी होगी। हम अपने दीर्घकालिक हितों- रणनीतिक स्वायत्तता, ऊर्जा सुरक्षा और घरेलू उद्योग संरक्षण को सुरक्षित रखना चाहते हैं, जबकि अमेरिका के लिए यह उस रणनीति का हिस्सा है, जिसमें वह चीन के प्रभाव को संतुलित करने के लिए भारत को सशक्त साझेदार बनाना चाहेगा। जब तक विस्तृत समझौता सार्वजनिक न हो, तब तक विवेकपूर्ण प्रतीक्षा ही सर्वोत्तम नीति है। राजनीतिक बयान सुर्खियां बना सकते हैं, पर राष्ट्रहित का मूल्यांकन तथ्यों और दस्तावेजों के आधार पर ही किया जाना चाहिए।

प्रसंगवश

भारत में बढ़ रहा है कैंसर का दायरा

पिछले 20 सालों में दुनिया भर में कैंसर के मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। लैंसेट की नवीनतम ग्लोबल बर्डन ऑफ डिज़ीज़ रिपोर्ट के अनुसार, जहां वैश्विक स्तर पर कैंसर की घटनाएं और मृत्यु दर में कमी आ रही है, वहीं भारत में इन मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2023 में भारत में अनुमानित 15 लाख नए कैंसर मामले और 12 लाख से अधिक मौतें दर्ज की गईं।

वैश्विक स्तर पर कैंसर की घटनाओं की दर 1990 में प्रति एक लाख जनसंख्या पर 220.6 से घटकर वर्ष 2023 में 205.1 हो गई और वर्ष 2025 तक यह आंकड़ा 192.9 तक पहुंचने का अनुमान है, हालांकि जनसंख्या वृद्धि और उम्र बढ़ने के कारण वर्ष 2050 तक कैंसर के कुल मामलों और मृत्यु की संख्या में तीव्र वृद्धि की संभावना है। भारत में कैंसर की घटनाओं की दर वर्ष 1990 में प्रति एक लाख जनसंख्या पर 84.8 से बढ़कर वर्ष 2023 में 107.2 हो गई, जबकि इसी अवधि में मृत्यु दर 71.7 से बढ़कर 86.9 प्रति एक लाख तक पहुंच गई।

निरंकार सिंह

वरिष्ठ पत्रकार

निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों पर असमान रोग भारः अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि भारत जैसे निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में कैंसर के नए मामलों में से आधे से अधिक और दो तिहाई मृत्यु होने का अनुमान है। वैश्विक स्तर पर लगभग 42% कैंसर मृत्यु तंबाकू, शराब, अस्वस्थ आहार और संक्रमण जैसे परिवर्तनीय जोखिम कारकों से जुड़ी हैं। भारत में इन कारकों से संबंधित मृत्यु की हिस्सेदारी लगभग 70% तक हो सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2050 तक विश्वभर में लगभग 3.05 करोड़ नए कैंसर मामले सामने आ सकते हैं, जबकि कैंसर से होने वाली मृत्यु में 75% की वृद्धि होकर यह संख्या 1.86 करोड़ तक पहुंच सकती है। भारत में कैंसर से मृत्यु के प्रमुख कारण स्तन, फेफड़े, ग्रासनली/अन्ननली है। आईएआरसी के आंकड़े बताते हैं कि 2022 में लगभग दो करोड़ कैंसर के नए मामले सामने आए और कैंसर की वजह से 97 लाख लोगों की मौत हुई। अकेले भारत में 1,413,316 नए मामले दर्ज किए गए, जिनमें महिला रोगियों का अनुपात अधिक है।

एक अनुमान के अनुसार साल 2025 तक दुनिया भर में किसी न किसी प्रकार के कैंसर से पीड़ित लोगों की संख्या दो करोड़ तक पहुंच सकती है। भारत में कैंसर के मामले चिंताजनक रूप से बढ़ रहे हैं तथा आनुवंशिक, जीवनशैली, आहार, पर्यावरण और स्वास्थ्य देखभाल कारकों के जटिल अंतर्संबंध के कारण कुछ प्रकार के कैंसर अधिक प्रचलित हो रहे हैं। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि युवा भारतीय भी उन कैंसरों से तेजी से प्रभावित हो रहे हैं, जो पारंपरिक रूप से वृद्ध आबादी को प्रभावित करते रहे हैं।

जागरूकता की कमी, देर से निदान और सामाजिक कलंक के कारण परिणाम और भी बदतर होते जा रहे हैं। जैसे-जैसे औषधि विज्ञान ने वैक्सीन के ज़रिए कई बीमारियों को रोकने में सफलता पाई है, वैसे ही यह आशा भी जगी है कि इनके ज़रिए कैंसर का इलाज भी संभव हो पाएगा। इस दिशा में तरक्की की ख़बरें भी आ रही हैं। अप्रैल 2024 में ब्रिटेन में पहली बार ट्रायल के तौर पर मेलानोमा कैंसर वैक्सीन मरीज़ों को दी गई। फेफड़ों के कैंसर से लड़ने के लिए बनाई गई एक वैक्सीन का सात देशों में प्रयोग या ट्रायल के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। वहीं फ़्लोरिडा यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी वैक्सीन बनाई है, जिससे सबसे सामान्य किस्म के ब्रेन कैंसर की रोकथाम हो सकती है।

मैं उस समाज में रहता हूं, जहां बड़े घरों में छोटे लोग रहते हैं और छोटे घरों में बड़े लोग।

–सआदत हसन मंटो, उर्दू साहित्यकार

भारत-अमेरिका टैरिफ डील और कुछ जरूरी सवाल

राजेश जैन

वरिष्ठ पत्रकार

सोमवार रात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने भारत–अमेरिका रिश्तों में नई हलचल पैदा कर दी। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका ने भारत पर लगाया टैरिफ घटाकर 18% कर दिया है और बदले में भारत रूस से तेल खरीद बंद करने, अमेरिका से ज़्यादा तेल खरीदने और 500 अरब डॉलर तक की 'बाय अमेरिकन' खरीद के लिए राज़ी हो गया है। कुछ ही देर बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर धन्यवाद संदेश लिखा।

पहली नज़र में यह बड़ी कूटनीतिक और आर्थिक जीत जैसी लगी। शेयर बाज़ारों ने राहत की सांस ली, रुपया संभला और उद्योग जगत में उम्मीद जगी, लेकिन जैसे-जैसे विवरण सामने आए, साफ़ होने लगा कि तस्वीर उतनी सरल नहीं है। यह समझौता कम, राजनीतिक संकेत ज़्यादा लगता है और शायद यही वजह है कि इस वक्त भारत को उत्सव से ज़्यादा सतर्कता की ज़रूरत है।

अप्रैल में ट्रंप प्रशासन ने भारत पर 25% रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया था। अगस्त में रूस से तेल खरीदने के कारण अतिरिक्त 25% 'पेनल्टी टैरिफ' जोड़ दिया गया- यानी कुल 50%। अब रूस वाला 25% हटाया जाएगा और कुल टैरिफ 18% रह जाएगा। सुनने में यह बड़ी राहत है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाज़ार है। कपड़ा, चमड़ा, जूते और आभूषण जैसे श्रम-प्रधान सेक्टर इस टैरिफ से बुरी तरह प्रभावित हो रहे थे। अक्टूबर में निर्यात करीब 12% गिर चुका था और व्यापार घाटा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। इस लिहाज़ से 18% टैरिफ भारतीय निर्यातकों के लिए ऑक्सीजन जैसा है। कुछ अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि इससे 2026 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 0.2–0.3 प्रतिशत अंक बढ़ सकती है।

सवाल यह भी है कि इसके बदले भारत ने वास्तव में क्या-क्या मान लिया? ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर तीन बड़े दावे किए- भारत रूस से तेल खरीद बंद करेगा, भारत अमेरिकी उत्पादों पर अपने टैरिफ शून्य तक ले जाएगा और भारत अमेरिका से 500 अरब डॉलर से ज़्यादा का सामान खरीदेगा, जिसमें ऊर्जा, टेक, कृषि और कोयला शामिल है।

प्रधानमंत्री मोदी के संदेश में इन तीनों में से किसी बात की पुष्टि नहीं है। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि 'मेड इन इंडिया' उत्पादों पर टैरिफ घटा है और साझेदारी नई ऊंचाइयों तक जाएगी। भारत द्वारा रूसी तेल पूरी तरह बंद करने के दावे पर संदेह है। दरअसल 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत सस्ते रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया था। हाल के महीनों में आयात कुछ घटा ज़रूर है, लेकिन भारत–रूस रणनीतिक रिश्तों को देखते हुए इसे पूरी तरह खत्म करना बेहद मुश्किल है।

ट्रंप का दूसरा बड़ा दावा है- 500 अरब डॉलर की अमेरिकी खरीद। ज़रा आंकड़े देखिए। 2024 में भारत–अमेरिका कुल द्विपक्षीय व्यापार लगभग 212 अरब डॉलर था। उसी साल भारत ने अमेरिका से सिर्फ 41.5 अरब डॉलर का सामान खरीदा और सेवाओं का आयात करीब 41.8 अरब डॉलर रहा- यानी कुल मिलाकर लगभग 83 अरब डॉलर। अब सोचिए- 83 अरब से सीधे 500 अरब डॉलर। लगभग 500% की छलांग।

जानकारों का कहना है कि भारत द्वारा सभी टैरिफ शून्य करना असंभव सा लगता है, खासकर कृषि जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में। भारत का इतिहास बताता है कि वह दोहा दौर से लेकर अब तक कृषि बाज़ार खोलने में हमेशा बेहद सतर्क रहा है। संभावना यही है कि भारत कुछ चुनिंदा अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ घटाएगा, जिसे ट्रंप घरेलू राजनीति में 'जीरो टैरिफ' की बड़ी जीत की तरह पेश करेंगे।

यह समझौता सिर्फ व्यापार नहीं, भू-राजनीति से भी जुड़ा है। अगर भारत सचमुच रूसी तेल से दूरी बनाता है और अमेरिकी ऊर्जा पर निर्भरता बढ़ाता है, तो इसका सीधा असर उसकी रणनीतिक स्वायत्तता- वह नीति, जिसके तहत भारत किसी एक गुट में पूरी तरह नहीं बंधता, पर पड़ेगा। कांग्रेस ने भी इसी बिंदु पर सवाल उठाया है- क्या भारत धीरे-धीरे अमेरिकी खेमे की ओर झुक रहा है? यह भी याद रखना चाहिए कि हाल ही में भारत ने यूरोपीय संघ से ट्रेड डील की और उससे पहले ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौता किया। माना जा रहा है कि इन्हीं समझौतों ने ट्रंप पर भारत के साथ जल्दी सौदा करने का दबाव बनाया।

इस घोषणा से रुपये, शेयर बाज़ार और बॉन्ड मार्केट पर लटकी अनिश्चितता की तलवार ज़रूर हटी है। निवेशकों को संकेत मिला है कि अमेरिका–भारत रिश्तों में ठंडापन कम होगा, लेकिन ज़मीनी स्तर पर सवाल बने हुए हैं। अगर भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए दरवाज़े खोलता है, तो इसका असर घरेलू किसानों पर पड़ेगा। सस्ती अमेरिकी दालें, मक्का या डेयरी उत्पाद भारतीय कृषि बाज़ार को झटका दे सकते हैं। अगर 'बाय अमेरिकन' नीति के तहत बड़े पैमाने पर आयात बढ़ता है, तो भारतीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सेक्टर पर दबाव आ सकता है।

अमेरिकी राजदूत ने कहा कि यह डील ट्रंप और मोदी की 'मज़बूत दोस्ती' का नतीजा है और कुछ तकनीकी दस्तावेज़ों पर जल्द दस्तखत होंगे। यही सबसे अहम बात है। अभी तक कोई संयुक्त लिखित समझौता सार्वजनिक नहीं हुआ है, इसलिए जब तक यह साफ़ न हो जाए कि किन उत्पादों पर टैरिफ घटेगा, समय-सीमा क्या होगी, कृषि जैसे संवेदनशील सेक्टर शामिल होंगे या नहीं और रूस से तेल पर भारत की वास्तविक प्रतिबद्धता क्या है, तब तक इसे अंतिम समझौता नहीं, बल्कि एक राजनीतिक घोषणा ही माना जाना चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम को अगर एक वाक्य में समेटें, तो यही कहा जा सकता है- भारत को जश्न मनाने में जल्दबाज़ी नहीं करनी चाहिए। 18% टैरिफ निश्चित रूप से राहत है। इससे निर्यात को सहारा मिलेगा और निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा, लेकिन 500 अरब डॉलर की खरीद, शून्य टैरिफ और रूसी तेल पर कथित प्रतिबद्धता- ये सब अभी दावों के स्तर पर हैं। असली पेंच डिटेल में छिपा है।

> भारत–अमेरिका टैरिफ डील के विवरण जैसे–जैसे सामने आए, साफ़ होने लगा कि तस्वीर उतनी सरल नहीं है। भारत के लिए उत्सव से ज्यादा सतर्कता की ज़रूरत है।

आमने सामने

माता–पिता अक्सर वही कफ सिरप बच्चों को दे देते हैं, जो वे खुद के लिए लाते हैं। इनमें कोडीन जैसे केमिकल होते हैं, जिनका ओवरडोज जानलेवा साबित हुआ। दवाई खराब होने से कोई डेथ नहीं हुई है। इस मामले में कोई बड़ी संख्या में मौतें नहीं हुई हैं।

–गजेंद्र सिंह खिमसर
स्वास्थ्य मंत्री, राजस्थान सरकार

जब मंत्री खुद मान रहे हैं कि मौतें हुई हैं, तो इसकी गंभीरता को समझना चाहिए। जिस कंपनी की दवा पर सवाल उठ रहे हैं, वह कई जगह ब्लैकलिस्ट भी हुई है। मुमकिन है कि दवा पहले ठीक हो और बाद में उसकी गुणवत्ता खराब हो गई हो।

–टीकाराम जूली
नेता प्रतिपक्ष
राजस्थान सरकार

टूरिज्म कंट्री का सरताज बनने की तरफ भारत

अजय दयाल

हल्द्वानी

जब हम टूरिस्ट की बात करते हैं, तो जेहन में उनका घूमना-फिरना और मौज-मस्ती ही आती है, जबकि पर्यटन या पर्यटक का अर्थ व्यापक है। इनमें देशी-विदेशी ऐसे लोग भी आ जाते हैं, जो अपने व्यवसाय को किसी अन्य देश या राज्य में स्थापित करने अथवा विकसित करने की मंशा से यात्रा करते हैं। स्वाभाविक है, यात्रा करेंगे तो होटल, खानपान, घूमना-फिरना उनकी दिनचर्या का हिस्सा बनेंगे। जहां हम पर्यटन को चिकित्सा और धार्मिक पर्यटन की भी संज्ञा देने लगे हैं, वहीं बिजनेस टूरिज्म भी इसमें जोड़ लेना चाहिए। संभवतः टूरिस्ट शब्द की इसी व्यापकता को ध्यान में रखते हुए हुए ही केंद्रीय बजट में टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए कई घोषणाएं की गईं।

ताजा घोषणाओं के अनुसार, देश के 50 शहरों का इंफ्रास्ट्रक्चर वर्ल्ड क्लास लेवल की तर्ज पर अंतर्राष्ट्रीय टूरिस्ट के लिए तैयार किया जाना है। साफ है कि इसके पीछे सरकार की मंशा इंडिया को ऑल-सीजन डेस्टिनेशन और ग्लोबल टूरिस्ट-हब बनाना है। बजट में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बजट में 2,438.40 करोड़ रुपये दिए गए हैं। लक्ष्य है कि 2047 तक 10 करोड़ विदेशी पर्यटक भारत आएं। 2034 तक भारत की जीडीपी में पर्यटन का योगदान 43.25 लाख करोड़ रुपये तक हो सकता है। ऐसा हुआ तो हमारा देश 6.3 करोड़ लोगों को रोजगार देने में सक्षम बनेगा। पर्यटन मंत्रालय की इंडिया टूरिज्म स्टैटिक्स रिपोर्ट देखें, तो पाएंगे कि इंडिया में हर साल करीब एक करोड़ विदेशी पर्यटक आते हैं, जिनमें से 6–7 फीसद बौद्ध पर्यटक होते हैं, इसीलिए बजट का फोकस अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बौद्ध सर्किट के विकास पर है।

वहीं धार्मिक पर्यटन को और गति देने के मद्देनजर टेंपल सिटी के तौर पर पहचाने जाने वाले शहरों में बुनियादी सुविधाएं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की आवश्यकताओं के अनुसार विकसित की जानी है। इसमें उत्तर प्रदेश के वाराणसी और मथुरा, जम्मू-कश्मीर का जम्मू, उत्तराखंड के ऋषिकेश और हरिद्वार जैसे शहरों पर फोकस होगा। वहीं दक्षिण में तमिलनाडु के मदुरै और कांचीपुरम, कर्नाटक का हम्पी, आंध्र प्रदेश का तिरुपति, ओडिशा का भुवनेश्वर और पुरी को विकसित किया जाना है। इसी तरह पश्चिम बंगाल का बिश्नुपुर, मध्य प्रदेश का उज्जैन और खजुराहो, गुजरात का द्वारका और महाराष्ट्र का पंढरपुर शामिल रहेगा।

दिलचस्प तो यह है कि सरकार के थिंक टैंक ने पर्यटन उद्योग को इस बार गति देने को फुलप्रूफ योजना तैयार की है। बकायदा भारतीय पर्यटन स्थलों का डिजिटल डेटा तैयार होगा। इससे ऑनलाइन रिसर्च करने वाले विदेशी पर्यटक आकर्षित होंगे। उन पर्यटकों का भी योजना में ध्यान रखा जाएगा, जिनकी दिलचस्पी इतिहास जानने-समझने में होती है। ऐसे में पुरातात्विक स्थलों को भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर का पर्यटन स्थल बनाया जाएगा। इनमें लोथल, धोलावीरा, राखीगढ़ी, सारनाथ, लेह पैलेस, आदिचनल्लूर, हस्तिनापुर जैसे देश के 15 पुरातात्विक स्थल एक्स्पीरियंशियल कल्चरल डेस्टिनेशन्स के रूप में विकसित होंगे।

स्पष्ट है कि टूरिज्म को लेकर ऐसी योजनाओं, व्यवस्थाओं से स्थानीय स्तर पर भी शोधार्थियों, इतिहासकारों, कंटेंट क्रिएटर्स, होटल, गाइड, ट्रांसपोर्ट, स्थानीय हस्तशिल्प, होम-स्टे और तकनीकी क्षेत्र में रोजगार के मौके बढ़ेंगे। टूरिज्म का एक और भाग महत्वपूर्ण है। वह है एडवेंचर टूरिज्म। केवल एडवेंचर के लिए ही दुनिया भर में अपना पसंदीदा स्थान तलाशने वाले भी कम नहीं। सरकार की सोच इसी को ध्यान में रखते हुए हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर में माउंटेन ट्रेल्स (ट्रैकिंग के रास्ते) विकसित किए जाने की है। स्वाभाविक है इसे एडवेंचर टूरिज्म के तौर पर प्रचारित किया जाएगा। पूर्वी घाट के अरकू वैली और पश्चिमी घाट के पोधीगई मलई जैसे दुर्गम क्षेत्र भी माउंटेन ट्रेल्स बनेंगे। वहीं, ओडिशा, कर्नाटक और केरल में टर्टल ट्रेल्स बनेंगे। इन दूरगामी विकास योजनाओं से पर्यावरण संरक्षण भी होता रहेगा।

बजट में विदेशी सैलानियों के लिए भी जिस तरह उनके टूअर पैकेज टैक्सेज में सुविधा दी गई है, उससे भी सरकार की दूरगामी टूरिज्म मॉडल की गंभीरता समझ में आती है। ट्रैकिंग पर्यटन की अपार संभावनाओं को विकसित कर विदेशी सैलानियों को आकर्षित किया जाना है। खासकर जो पर्यटको की पहुंच से बहुत दूर हैं, उन्हें विकसित करने की योजना बजट में है। इस तरह दूरस्थ ग्रामीण स्थान जो लोकल लोगों के लिए महज एक पिछड़ा गांव हैं, पर्यटक स्थल बन जाएंगे।

अगर यह योजना पूरी तरह से मूर्त रूप ले लेगी, तो इससे एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार होगा, जिससे तमाम शहरों और गांवों की भी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। फिर ग्रामीणों को भी घर बैठे रोजगार मिलेगा। अब सरकार की मंशा और बजट के उद्देश्यों को कितना जमीन पर उतारा जाएगा, यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

> देश के 50 शहरों का इंफ्रास्ट्रक्चर वर्ल्ड क्लास लेवल की तर्ज पर अंतर्राष्ट्रीय टूरिस्ट के लिए तैयार किया जाना है।

सोशल फोरम

नन्हें मेहमान के लिए थम गया ट्रैफिक

थाईलैंड में सामने आया एक दृश्य केवल एक खबर नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया के दिलों को जोड़ देने वाला ऐसा पल बन गया, जिसने यह याद दिला दिया कि इंसानियत आज भी ज़िंदा है। हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही, तेज़ ट्रैफिक के बीच एक चलती गाड़ी में जीवन ने जन्म ले लिया और कुछ ही सेकंड में वह सड़क एक साधारण रास्ता नहीं, बल्कि उम्मीद और संवेदना का मंच बन गई।

अंकित भारद्वाज

ब्लॉगर

जैसे ही गाड़ी में डिलीवरी होने की खबर फैली, ट्रैफिक थम सा गया, हॉर्न की आवाज़ें ख़ामोश हो गईं और हर दिशा से लोग मदद के लिए दौड़ पड़े, मानो सभी एक ही परिवार का हिस्सा हों। मां पहले घबराई हुई थीं, दर्द, डर और अनिश्चितता उनके चेहरे पर साफ़ झलक रही थी, लेकिन उसी पल जब उन्होंने अपने बच्चे की पहली आवाज़ सुनी, तो वही चेहरा खुशी के आंसुओं से भर उठा।

वह पल ऐसा था, जहां डर ने हार मान ली और ममता ने जीत हासिल कर ली, जहां आंसू तकलीफ के नहीं बल्कि जीवन की जीत के थे। सड़क पर खड़े अजनबी लोग अचानक अपने नहीं रहे, वे सब उस नवजीवन के स्वागत में शामिल हो गए, किसी ने पानी दिया, किसी ने कपड़ा, तो किसी ने बस दुआएं। ट्रैफिक जाम उस दिन बाधा नहीं बना, बल्कि वह एक ऐसी व्यवस्था बन गया, जिसने एक मां और बच्चे को सुरक्षा की चादर में लपेट लिया।

जब बच्चे की रोने की आवाज़ गूंजी, तो वह केवल एक शिशु की पुकार नहीं थी, वह इंसानियत की जीत की घोषणा थी। उस मां की घबराहट पल भर में गर्व और खुशी में बदल गई और उसकी मुस्कान ने वहां मौजूद हर आंख को नम कर दिया। आगे जो हुआ, वह दृश्य कैमरे में कैद ज़रूर हुआ, लेकिन उसका असर सीधे दिलों में उतरा, क्योंकि कुछ पल ऐसे होते हैं जिन्हें शब्द नहीं, सिर्फ़ महसूस किया जा सकता है।

यह घटना हमें सिखाती है कि जीवन कभी भी, कहीं भी, किसी भी हालात में जन्म ले सकता है और इंसानियत अगर साथ हो तो हर रास्ता अस्पताल बन सकता है। दुनिया चाहे कितनी भी तेज़ क्यों न भाग रही हो, कुछ पल ऐसे होते हैं, जहां समय खुद रुककर जीवन को सलाम करता है।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

समानता व आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेंगी महिलाएं

किसी भी देश के समग्र विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। महिलाएं न केवल परिवार की आधारशिला होती हैं, बल्कि वे समाज, अर्थव्यवस्था और राष्ट्र निर्माण में भी सक्रिय योगदान देती हैं। इसके बावजूद लंबे समय तक महिलाओं को आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक अवसरों में समानता नहीं मिल पाई। इसी असमानता को दूर करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा बनाए जाने वाले बजट में महिलाओं की विशेष आवश्यकताओं और सशक्तिकरण पर ध्यान देना आवश्यक हो गया है। वित्त मंत्री, निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत 2026-27 का यूनियन बजट इसी दिशा में एक सकारात्मक पहल है।

भारतीय समाज में आज भी महिलाओं को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। शिक्षा में असमानता, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, रोजगार के सीमित अवसर, वेतन में भेदभाव, घरेलू हिंसा और सुरक्षा की समस्याएं आज भी गंभीर मुद्दे हैं। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में महिलाओं की स्थिति और भी दयनीय है। ऐसे में महिला-अनुकूल बजट की आवश्यकता इसलिए महसूस होती है, ताकि महिलाओं को समान अवसर प्रदान किए जा सकें, उनके स्वास्थ्य और पोषण स्तर में सुधार हो, शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा मिले, आर्थिक आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहन मिले तथा महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया जा सके। भारत सरकार ने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ', 'उज्ज्वला योजना', 'मुद्रा योजना', 'मिशन शक्ति' जैसी अनेक योजनाएं शुरू कीं, जिनका सीधा लाभ महिलाओं को मिलता है। ये योजनाएं महिला-अनुकूल बजट की भावना को मजबूत करती हैं।

प्रो. नीलिमा गुप्ता

पूर्व कुलपति

महिलाओं को स्थाई उद्यम, बेहतर फाइनेंसिंग और सीधे बाजार से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए शी (सेल्फ हेल्प एंटरप्रेन्योर) मार्ट स्थापित करने का प्रस्ताव है, जिससे महिलाऐं टिकाऊ उद्यमिता की और अग्रसर हो सकेंगी और नारी सशक्तिकरण को बल मिलेगा। 'लखपति दीदी योजना' का विस्तार, महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिया के लिए प्रोत्साहन एक सार्थक पहल है। यह घोषणाएं समाज में अवश्य ही बदलाव लाएंगी। इससे ग्रामीण और शहरी दोनों वर्गों की महिलाओं को सामान अवसर मिलेगा।

दूर-दराज से पढ़ने की लिए आने वाली छात्राओं और कामकाजी महिलाओं की लिए हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल खुलने से बहुत रहत मिलेगी। छात्राओं को उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए नए शहर में रुकने की बहुत बड़ी समस्या होती है, इस समस्या के निदान के लिए यूनियन बजट द्वारा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में उच्च शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए हर जिले में (८००) गर्ल्स हॉस्टल खुलने से छात्रों के सपनों को पंख लगेंगे।

आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) को बढ़ावा दिया गया है, जिसमें महिला-अनुकूल बजट की महत्वपूर्ण भूमिका है। स्वयं सहायता समूहों, मुद्रा ऋण, स्टार्ट-अप योजनाओं और महिला उद्यमिता कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाएं घरेलू उद्योग, हस्तशिल्प, कृषि-आधारित व्यवसाय और सेवा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रही हैं। इससे स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और 'लोकल से ग्लोबल' की अवधारणा साकार होगी।

यह स्पष्ट है कि महिला-अनुकूल बजट आत्मनिर्भर भारत का सहायक नहीं, बल्कि उसका मूल स्तंभ है। महिलाओं के बिना आत्मनिर्भर भारत की कल्पना अधूरी है। सशक्त महिला ही सशक्त राष्ट्र की नींव रखती है। महिला-अनुकूल बजट केवल एक आर्थिक दस्तावेज नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

आदिवासी लोक चित्रकला को देखने का बदलना होगा नजरिया

यह भी एक रोचक तथ्य है कि जिस प्रकार नगर कला पिछली सदियों में अनेक कला आंदोलनों एवं वैचारिक द्वंद्वों से गुजरती हुई अपने समकालीन रूप तक पहुंची है, इसी प्रकार लोक-आदिवासी कला भी अनेक धार्मिक-सामाजिक परिस्थितियों से गुजरती हुई अपने वर्तमान रूप तक पहुंची है। डब्ल्यूजी आर्चर, वेरीयर एल्विन एवं अन्य विद्वानों द्वारा प्रस्तुत किए गए पश्चिम बंगाल के पटुआ पटचित्र, ओडिशा के जात्री पटचित्र, महाराष्ट्र के चित्रकथी पोथी चित्र, सौंरा आदिवासियों के इडीतल भित्ति चित्र एवं बिहार के मधुबनी के भित्तिचित्र आदि के जो पुराने नमूने हैं, वे उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध अथवा बीसवीं सदी के आरंभिक वर्षों के हैं। इनका स्वरूप वर्तमान में इन्हीं शैलियों के प्रचलित लोक चित्रों से बहुत भिन्न है।

मुश्ताक खान
लेखक, नई दिल्ली

आदिवासी लोक चित्रकला का व्यवसायीकरण- आदिवासी लोक चित्रों का एक रूप सन् 1960 के दशक में तब सामने आया, जब पारंपरिक लोक-आदिवासी चित्रकला के व्यवसायीकरण के प्रयास आरंभ हुए। उस समय पहली बार आदिवासी लोक चित्रकला में बाहरी विद्वानों द्वारा वैचारिक हस्तक्षेप आरंभ हुआ। पारंपरिक लोक चित्रकारों को यह समझाया गया कि उन्हें दीवार के बजाय कागज पर चित्रकारी करनी है तथा नए विषयों को सीमित आकार में चित्रित करने का प्रयास करना है। कुछ ही समय में सामग्री और तकनीक भी बदलवाई गई। इन प्रयासों के साथ ही पारंपरिक आदिवासी लोक चित्रकला के स्वरूप में बड़ी तेजी से परिवर्तन हुए। इससे पहले तक इसमें सामूहिकता एवं परंपरा के निर्वाह और उसकी पवित्रता तथा परिशुद्धता का महत्व सर्वोपरि था। लोक चित्रकार की व्यक्तिगत प्रतिभा और कल्पनाशीलता का स्थान गौण था। लोक चित्रकार की हेसियत पिंजरे में बंद पक्षी जैसी थी, परंतु अब उसे अपने पर खोलने के लिए प्रेरित किया जा रहा था।

सन 1960 के दशक तक की आदिवासी लोक चित्रकला को मैंने कुछ इस तरह समझा-अपने परंपरागत स्वरूप में आदिवासी लोक चित्रकला क्षेत्र विशेष या समुदाय विशेष के जन-सामान्य द्वारा किया गया वह कलाकर्म है, जिसके मूल में शुभ का विचार होता है और जो अवसर विशेष से जुड़े अनुष्ठान एवं मान्यताओं को संपन्न करने हेतु किया जाता है। मूलतः यह कलाकर्म आजीविका कमाने हेतु नहीं, बल्कि अपने जीवन को प्रचलित विश्वासों और मान्यताओं के अनुरूप सुख एवं शांतिमय बनाने हेतु पारलौकिक शक्तियों से आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए किया जाता है। यह चित्र मानव का देवी-देवताओं को संबोधन है। यह चित्रित प्रार्थनाएं हैं, जिनके माध्यम से वे इस लोक एवं परलोक के मध्य संवाद स्थापित करते हैं। अपने इष्ट देवी-देवताओं का आह्वान करते हैं, उन्हें जाग्रत करते हैं, उन्हें शांत करते हैं, उनका धन्यवाद ज्ञापन करते हैं और उनकी आराधना करते हैं। यह चित्र मात्र प्रदर्शन की वस्तु नहीं, बल्कि आदिवासी-लोक जीवन का महत्वपूर्ण अंग हैं।

पारंपरिक परिभाषा पर उठते प्रश्न

वर्तमान में, इक्कीसवीं सदी के परिवेश में प्रचलित आदिवासी लोक चित्रकला को क्या उसकी इस परिभाषा अथवा उसके प्रति इस पारंपरिक सोच से व्याख्यायित किया जा सकता है? मेरे लिए यह एक विचारणीय प्रश्न है। क्या हमें अब प्रचलित आदिवासी लोक चित्रकला के समकालीन रूप को नए सिरे से समझने और परिभाषित करने की आवश्यकता नहीं है? आदिवासी लोक चित्रकला का एक बड़ा भाग जो वर्तमान में शहरी कला बाजारों अथवा प्रदर्शनियों तथा इंटरनेट पर दिखाई देता है, वह उपरोक्त पारंपरिक परिभाषा से बहुत आगे जा चुका है। अब इन्हें बनाने के लिए न तो किसी विशेष अवसर की आवश्यकता है, न अनुष्ठान, त्योहार की और न ही इनके द्वारा किसी देव का आह्वान किया जाता है और न ही शमन। यह चित्र अपने पारंपरिक सामाजिक संदर्भ अथवा उत्तरदायित्व से मुक्त होकर केवल सौंदर्य सृजन एवं अर्थोपार्जन का माध्यम बन चुके हैं। ऐसा भी नहीं है कि समूचा परिदृश्य बदल गया हो, आज भी आंतरिक ग्रामीण अंचलों में कहीं-न-कहीं यह चित्र अपनी पारंपरिक पहचान और कलेवर बनाए हुए हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि लोककला की स्थिति अब बदल चुकी है।

शहरी कला बाजार और चित्रों का नया स्वरूप

आदिवासी लोक चित्रों के इस समकालीन समूह में वे सभी चित्र सम्मिलित हैं, जिनका प्रचलन पारंपरिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु नहीं, बल्कि शहरी बाजारों में विक्रय हेतु बनाए जाने के साथ विकसित हुआ है। यह चित्र आदिवासी-लोक कलाकारों के परंपरा-सिंचित सौंदर्यबोध एवं उनकी व्यक्तिगत कला प्रतिभा की अभिव्यक्तियां हैं। इन चित्रों ने आदिवासी-लोक कलाकारों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं एवं आदिवासी-लोक कला को एक भिन्न धरातल पर प्रतिष्ठित कर दिया है। सामान्यतः आदिवासी-लोक चित्रकला को हम इनकी परंपरा के परिप्रेक्ष्य में ही देखते रहे हैं। रूपंकर कलाओं के संदर्भ में परंपरा का आशय केवल प्रचलित चित्रभाषा, अभिप्राय, प्रतीक, छवियां, रूपाकार, शैली आदि की पुनरावृत्ति तक सीमित नहीं रहता बल्कि इनमें सतत प्रवाहित जनचेतना का भी अपना महत्व है, जो इन्हें बदलते परिवेश में भी अपने मूल से जोड़े रखती है। इस समूचे परिदृश्य के आधार पर यह कहा जा सकता है कि आदिवासी-लोक समाजों में कलाकारों का योगदान यही है कि वे इन परंपरागत कलाकृतियों को अपनी कलात्मक प्रतिभा से समकालीन रूप तथा महत्व प्रदान करते हैं।

मौलिक कला प्रतिभा और शिल्प कौशल

आदिवासी लोक कला के व्यवसायीकरण की प्रक्रिया का एक परिणाम यह हुआ कि अब तक सामुदायिक अथवा सामूहिक समझी जाने वाली आदिवासी लोक कलाओं में कलाकारों के काम को व्यक्तिगत पहचान मिलना आरंभ हुआ। कलाकारों को अपनी सामुदायिक कला परंपरा के प्रतिनिधि के साथ-साथ एक निजी पहचान भी मिली। सामूहिक कलाकर्म में व्यक्ति का उदय हुआ। पारंपरिक ढर्रे पर कलाकर्म करते हुए कलाकार की व्यक्तिगत कला प्रतिभा को पहचान मिली, लेकिन आदिवासी लोक कलाकारों की यह यात्रा इतनी आसान नहीं रही। बदलते परिवेश में उनके कलाकर्म का उद्देश्य ही बदल रहा था। अब उन्हें अपने पारंपरिक चित्रों में धार्मिक-सामाजिक विश्वासों के अनुरूप पवित्रता नहीं बनाए रखनी थी, बल्कि उन्हें अपनी पारंपरिक शैलीगत पहचान बनाए रखते हुए निजी मौलिक कला प्रतिभा और शिल्प कौशल को व्यक्त करना था। अब वे समुदाय से निकलकर कला के बाज़ार में प्रवेश कर गए थे। उन्हें अब अपनी कल्पना को विस्तार देना था और नए-नए विषयों पर चित्रों का सृजन करना था। आदिवासी लोक कला को देखने का एक अलग नजरिया मिला सन् 1980 में, जब मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भारत भवन की स्थापना के साथ एक नए कला आंदोलन ने जन्म लिया। प्रसिद्ध चित्रकार एवं कलाचिंतक जगदीश स्वामीनाथन के मार्गदर्शन में यह एक ऐसा कला आंदोलन था, जो शहरी समकालीन और ग्रामीण आदिवासी लोक कला को एक साथ भारतीय समकालीन कला के दो अभिन्न अंग मानता था। यहां आदिवासी लोककला भी उतनी ही महत्वपूर्ण थी, जितनी शहरी आधुनिक कला। यहां परंपरा का अर्थ केवल पुनरावृत्ति नहीं, बल्कि उसमें निजता और नवीनता का सहज स्वीकार था।

असीम संभावनाएं

परिणामस्वरूप पारंपरिक आदिवासी लोक कला पर पारंपरिक पवित्रता के आग्रह की जकड़ कम होने से आदिवासी लोक कलाकारों को चित्र सृजन में उसका कथ्य और रूप कल्पित करने में अपेक्षाकृत स्वतंत्रता मिलने लगी। परंतु उन पर यह जिम्मेदारी भी आ पड़ी कि वे अभिव्यक्ति की इस स्वतंत्रता को उसी सीमा तक ले जाएं, जहां तक उनकी पारंपरिक शैलीगत पहचान विलुप्त न होने पाए। भले ही आदिवासी लोक कलाकारों को अपनी-अपनी समुदायगत विरासत में मिली परंपरा ने उन्हें कृति सृजन के लिए समान विषयवस्तु प्रदान की है या उनका सौंदर्यबोध एक ही परंपरा द्वारा सिंचित है। परंतु उनकी व्यक्तिगत कल्पनाशीलता, रंग और रूप के प्रति सहज प्रतिक्रिया, कलाकार की निजी संवेदना आदि अनेक तत्व हैं, जो उनके कलाकर्म को न केवल प्रभावित करते हैं, बल्कि उसे विशिष्टता भी प्रदान करते हैं। तब एक पारंपरिक निश्चित दायरे में काम करते हुए भी असीम संभावनाएं उभरकर सामने आती हैं, जो इन कलाकृतियों में आदिवासी लोक कलाकारों की व्यक्तिगत अभिव्यक्ति को रेखांकित करती हैं। आज अनेक आदिवासी लोक चित्रकारों ने अपनी चित्रकला की परंपरागत पहचान बनाए रखते हुए भी, अपनी व्यक्तिगत सृजनशीलता से इस पारंपरिक कला में नए आयाम जोड़े हैं, अपनी पहचान बनाई है। अतः हमें भी समकालीन आदिवासी लोक कला को देखने और समझने के नजरिये में वांछित बदलाव की जरूरत है।

अनोखी परंपरा

नमक मांगना भी बन सकता है मुसीबत

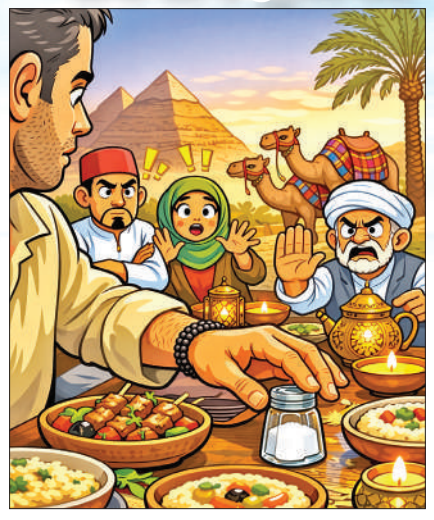

दुनिया के हर देश की अपनी अलग सांस्कृतिक पहचान होती है, जो वहां के रीति-रिवाजों और सामाजिक व्यवहार में साफ झलकती है। ये परंपराएं पीढ़ी दर पीढ़ी चली आती हैं और स्थानीय लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन जाती हैं। कई बार बाहरी लोग अनजाने में इन परंपराओं का उल्लंघन कर बैठते हैं, जिससे वे असहज या मुश्किल स्थिति में फंस सकते हैं। ऐसा ही एक अनोखा सामाजिक नियम मिस्र में देखने को मिलता है, जहां भोजन करते समय अलग से नमक मांगना अपमान माना जाता है।

मिस्र की संस्कृति में भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि सम्मान, आतिथ्य और आपसी संबंधों का प्रतीक है। जब कोई मेजबान अपने अतिथि के लिए भोजन तैयार करता है, तो वह उसे पूरे मन और मेहनत से बनाता है। ऐसे में अगर अतिथि खाने के दौरान नमक मांग ले या पकवान में अतिरिक्त नमक डाल दे, तो इसे यह संकेत माना जाता है कि भोजन स्वादहीन है या मेजबान ने उसे ठीक से नहीं बनाया। यही कारण है कि नमक मांगना वहां मेजबान और भोजन—दोनों का अपमान समझा जाता है। अगर आप मिस्र में किसी के घर दावत पर जाते हैं, तो बेहतर यही होता है कि जो भोजन परोसा गया है, उसे उसी रूप में स्वीकार करें। चाहे स्वाद आपकी आदतों के अनुरूप न भी हो, फिर भी उसमें किसी तरह का बदलाव करना सामाजिक शिष्टाचार के विरुद्ध माना जाता है। वहां यह माना जाता है कि अतिथि का सम्मान इसी में है कि वह मेजबान के प्रयासों को बिना किसी टिप्पणी के स्वीकार करे।

यह परंपरा केवल घरों तक सीमित नहीं है। मिस्र के होटल और रेस्तरां में भी नमक मांगना लोगों को अटपटा लग सकता है। हालांकि कुछ जगहों पर टेबल पर सॉल्ट-स्प्रिंकलर रखा मिल जाता है, लेकिन स्थानीय लोग इसे शायद ही इस्तेमाल करते हैं। कई बार अगर कोई पर्यटक इसका उपयोग करता है, तो आसपास बैठे लोग हैरानी से उसे देखने लगते हैं। इसलिए मिस्र की यात्रा पर जाते समय वहां की इस सांस्कृतिक बारीकी को समझना बेहद ज़रूरी है। वहां भोजन के स्वाद से अधिक सम्मान, परंपरा और भावनाओं को महत्व दिया जाता है।

आर्ट गैलरी

रेम्ब्रांट वैन रिजन की 'द नाइट वाच'

द नाइट वॉच रेम्ब्रांट वैन रिजन की सबसे मशहूर पेंटिंग्स में से एक है। इसे 1642 में डच गोल्डन एज के दौरान बनाया गया था। यह पेंटिंग कैप्टन फ्रांज बैनिंग कोक के नेतृत्व वाली एक कंपनी का ग्रुप पोर्ट्रेट है। यह पेंटिंग रोशनी और परछाई (टेनेब्रिज़्म) के नाटकीय इस्तेमाल और एक स्थिर सैन्य ग्रुप पोर्ट्रेट में गति के भ्रम के लिए जाना जाता है। 1808 में इस पेंटिंग को रिज्क्सम्यूजियम में ट्रांसफर कर दिया गया। वहां यह आज भी मौजूद है। इस पेंटिंग में 34 आकृतियां हैं, जिनमें वॉलंटियर गार्ड के सदस्य, एक झंडाबरदार, एक ड्रमर और एक छोटी लड़की शामिल हैं। चित्रित लोगों का मुख्य काम अपने शहरों में रक्षक के रूप में सेवा करना था। यह सत्रहवीं सदी की डच पेंटिंग का एक प्रतीक और खास उदाहरण बनी हुई है।

रिजन के बारे में

रेम्ब्रांट वैन रिजन एक डच चित्रकार थे। वह बारोक शैली में अपनी असाधारण कला के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने पूरे करियर में धार्मिक और पौराणिक विषयों पर ध्यान केंद्रित किया और ऐसी उत्कृष्ट कृतियां बनाईं जिन्हें आज भी सराहा जाता है। उनका जन्म 1606 में हुआ और निधन 1669 में। रेम्ब्रांट की सबसे प्रसिद्ध कलाकृतियों में से एक 'द नाइट वॉच' है, जो प्रकाश और छाया पर उनकी महारत को दिखाती है। बारोक काल के चित्रकार रेम्ब्रांट ने कैरावैगियो जैसे इतालवी मास्टर्स से प्रेरणा ली। चियारोस्क्यूरो का उपयोग नाटकीय दृश्य बनाने के लिए प्रकाश और अंधेरे का कंट्रास्ट उनके काम की एक खास विशेषता बन गई। यह तकनीक न केवल 'द नाइट वॉच' में, बल्कि 'द एनाटॉमी लेसन ऑफ डॉ. निकोलेस टल्प' जैसी अन्य उल्लेखनीय पेंटिंग्स में भी देखी जा सकती है। अपनी कलात्मक प्रतिभा के लिए सराहे जाने के अलावा, रेम्ब्रांट का डच सांस्कृतिक विरासत में भी एक महत्वपूर्ण स्थान है।

लोकायन

तमाशा : जीवंत लोक-नाट्य परंपरा

तमाशा लोक नृत्य और नाट्य प्रस्तुति का एक विशिष्ट रूप है, जिसकी उत्पत्ति 16वीं शताब्दी के आरंभ में महाराष्ट्र में मानी जाती है। अपने आरंभिक दौर से लेकर आज तक तमाशा न केवल महाराष्ट्र, बल्कि भारत के सबसे लोकप्रिय और जीवंत लोक कला रूपों में गिना जाता है। यह लोकनाट्य संगीत, नृत्य, अभिनय और कविता का ऐसा संगम है, जो जनसाधारण की भावनाओं को सीधे अभिव्यक्त करता है।

तमाशा की प्रस्तुति में गायन और नृत्य के साथ कई पारंपरिक वाद्ययंत्रों का प्रयोग किया जाता है। इनमें ढोलकी, तुनतुनी (एक तार वाला वाद्ययंत्र), मंजीरा, डफ, हल्गी, कड़े नामक धातु का त्रिकोण, लेजिम, हारमोनियम और गुंघरू प्रमुख हैं। ढोलकी और हल्गी की सशक्त ताल तमाशा की पहचान मानी जाती है, जो पूरी प्रस्तुति को ऊर्जा और लय प्रदान करती है।

तमाशा का गहरा संबंध महाराष्ट्र के कोल्हाटी और महार समुदायों से रहा है। इन समुदायों द्वारा पीढ़ी-दर-पीढ़ी इस कला को जीवित रखा गया। तमाशा का इतिहास अन्य मराठी लोक कलाओं से भिन्न है, क्योंकि इसमें लोककथाओं, कविता और नाट्य का अनूठा मिश्रण देखने को मिलता है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों में नृत्य और संगीत की परंपरा का प्रभाव तमाशा में स्पष्ट रूप से झलकता है।

मराठी लोक साहित्य पर संस्कृत साहित्य का गहरा प्रभाव भी इसकी रचनात्मकता को समृद्ध करता है।

राम जोशी (1762-1812) को तमाशा का जनक माना जाता है। वे संस्कृत पुराणों, कीर्तन और नाट्य गायन के लिए प्रसिद्ध थे। बाद में मराठी साहित्यकार मोरोपंत के साथ उनके जुड़ाव ने तमाशा को नई दिशा दी। 'शाहिर' कहलाने वाले कवि-गायक रवानी ने तमाशा के लिए अनेक प्रेम और लोकगीतों की रचना की, जिससे यह कला और अधिक लोकप्रिय हुई। तमाशा के दो अन्य रूपों-पारंपरिक पड़ा गायन और दशावतार नाट्य रूप का भी उल्लेख मिलता है। यह कला महाराष्ट्र के साथ-साथ कर्नाटक, गोवा और कोंकण क्षेत्रों में भी प्रचलित है। तमाशा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके लिए किसी विशेष मंच की आवश्यकता नहीं होती। गांव का चौक, घर का आंगन या खुला मैदान-हर स्थान इसका रंगमंच बन सकता है। संगीतकारों के प्रवेश से आरंभ होने वाला तमाशा आज भी लोक-संस्कृति की जीवंत धड़कन बना हुआ है।

भारतीय कला शिक्षा, लोक परंपरा और समकालीन कला

यह लगभग निर्विवाद तथ्य है कि भारत में आज भी जिस औपचारिक कला शिक्षा पद्धति का अनुसरण किया जा रहा है, उसकी जड़ें औपनिवेशिक काल में स्थापित ब्रिटिश मॉडल में निहित हैं। जबकि आज यह स्पष्ट हो चला है कि मद्रास, कलकत्ता, बॉम्बे और लाहौर जैसे कला विद्यालयों की स्थापना का मूल उद्देश्य भारतीय कलाकार तैयार करना नहीं, बल्कि यूरोपीय बाजारों के लिए डिजाइन, कारीगरी और दृश्य सामग्री का उत्पादन था। परिणामतः इस शिक्षा प्रणाली में भारतीय कला परंपराओं को या तो 'क्राफ्ट' कहकर हाशिये पर रखा गया या फिर उन्हें आधुनिकता-विरोधी मानते हुए पाठ्यक्रम से बाहर कर दिया गया।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

आश्चर्य की बात यह है कि स्वतंत्रता के सात दशक बाद भी कला शिक्षा के इस ढांचे में कोई बुनियादी वैचारिक पुनर्गठन नहीं हुआ। भारतीय कला इतिहास, जो सिंधु घाटी, मौर्य, गुप्त, मध्यकालीन, लोक, जनजातीय और शिल्प परंपराओं के माध्यम से हजारों वर्षों में विकसित हुआ। आज भी कला महाविद्यालयों के पाठ्यक्रम में केंद्रीय ज्ञान-स्रोत के रूप में स्थापित नहीं हो पाया है। लोक और पारंपरिक कलाएं अधिकतर वैकल्पिक, गौण या "फोक स्टडी" तक सीमित हैं, न कि समकालीन अभ्यास के सक्रिय स्रोत के रूप में।

इसी पृष्ठभूमि में समकालीन भारतीय कला जगत में एक विरोधाभासी स्थिति उभरती है। हाल के वर्षों में अनेक ख्यात और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय कलाकार अपनी कृतियों में भारतीय शिल्प, लोक कला, आदिवासी प्रतीकों और पारंपरिक तकनीकों का खुलकर उपयोग कर रहे हैं। विशेष रूप से विदेशी प्रदर्शनियों और बिएनाले संदर्भों में यह रुझान अधिक दिखाई देता है, जहां तथाकथित "इंडियननेस" (भारतीयता) एक सांस्कृतिक पूंजी के रूप में काम करती है। यहां भारतीय शैली के वस्त्र, कढ़ाई, गोंड, मिथिला, वारली या टेराकोटा जैसे दृश्य संकेत वैश्विक कला बाज़ार में विशेष पहचान और विशिष्टता प्रदान करते हैं।

ऐसे में एक सवाल यह भी आता है कि क्या इसे चोरी कहा जा सकता है? स्पष्ट है कि यदि चोरी से आशय शैली, प्रतीक और रूपों के उपयोग मात्र से है, तो कला इतिहास बताता है कि कोई भी कला परंपरा कभी भी पूर्णतः स्वायत्त नहीं होती। ऐसे में आधुनिक कला भी उधार, रूपांतरण और पुनर्संयोजन की प्रक्रिया से उत्पन्न अवधारणा या व्याख्या है। इस अर्थ में, केवल लोक रूपों के उपयोग को चोरी नहीं कहा जा सकता, लेकिन समस्या तब शुरू होती है, जब यह उपयोग समान शक्ति-संबंधों के भीतर नहीं होता, बल्कि एक अभिजात्य, शहरी और संस्थागत कलाकार लोक या आदिवासी कला के दृश्य संसार को अपनाता है, लेकिन उन समुदायों को श्रेय नहीं देता, उनकी ऐतिहासिक, सामाजिक या आर्थिक स्थितियों से कोई संवाद नहीं करता और न ही उनके ज्ञान को समकालीन कला

शिक्षा में स्थान दिलाने की कोशिश करता है, तो ऐसे में यह प्रक्रिया सांस्कृतिक उपभोग का रूप ले लेती है। इस हालात में लोक कला या प्रतीक प्रेरणा नहीं, बल्कि कच्चा माल बन जाती है।

इस संदर्भ में इस धारणा को आंशिक रूप से सही कहा जा सकता है, कि अभिजात्य कला समाज लोक कलाओं से चोरी कर रहा है, क्योंकि समस्या "उधार लेने" या प्रभावित होने में नहीं, बल्कि उस संस्थागत पाखंड में है। जहां एक ओर कला महाविद्यालयों और कला संकायों में लोक कलाओं को अकादमिक ज्ञान नहीं माना जाता, वहीं दूसरी ओर समाज में सदियों से प्रचलित लोक दृश्यता समकालीन कला की प्रतिष्ठा और कला बाजार का आधार बन जाती है। जाहिर है, ऐसे में यह असंतुलन लोक परंपराओं के प्रति एक संरचनात्मक अन्याय को उजागर करता है, जिसकी जड़ों में रचा बसा होता है अभिजात्य समाज का पाखंड।

वैसे यह कहना कि सभी अभिजात्य कलाकार "चोरी" कर रहे हैं या करते हैं, महज सरलीकरण होगा, किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि जब तक भारतीय कला शिक्षा अपने केंद्र में भारतीय कला परंपरा को पुनः स्थापित नहीं करती, तब तक लोक और शिल्प कलाओं का यह उपयोग नैतिक और वैचारिक सवालों से घिरा रहेगा। आवश्यकता है संरचनात्मक सुधार, न कि केवल शैलीगत समावेशन की। इस पूरे विमर्श का निष्पक्ष आकलन करते हुए यह स्वीकार करना आवश्यक है कि समकालीन भारतीय कला में लोक और पारंपरिक कलाओं का उपयोग न तो स्वभावतः गलत है और न ही स्वतः शोषणकारी। कला का इतिहास परस्पर ग्रहण, रूपांतरण और संवाद से ही निर्मित हुआ है। समस्या वहां उत्पन्न होती है, जहां यह ग्रहण असमान शक्ति-संरचना के भीतर होता है और संस्थागत स्तर पर लोक कलाओं को समान वैचारिक दर्जा नहीं मिलता। यदि कोई समकालीन कलाकार लोक या शिल्प परंपराओं से प्रेरणा लेते हुए उनके ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों के साथ ईमानदार संवाद करता है, श्रेय और सहभागिता सुनिश्चित करता है, तो यह प्रक्रिया रचनात्मक और नैतिक कही जा सकती है। किंतु जब वही तत्व केवल वैश्विक दृश्यता या बाजार की मांग के लिए अपनाए जाते हैं, तब यह सांस्कृतिक उपभोग का रूप ले लेती है। ऐसे में आज सबसे आवश्यक कदम कला शिक्षा के पाठ्यक्रम मं संरचनात्मक सुधार होना चाहिए। साथ ही भारतीय लोक, जनजातीय और शिल्प परंपराओं को केवल सैद्धांतिक अध्ययन का विषय भर नहीं, बल्कि समकालीन अभ्यास के सक्रिय स्रोत के रूप में अपनाया जाना चाहिए। साथ ही कलाकारों और कला संस्थानों को भी लोक समुदायों के साथ दीर्घकालिक, समानतापूर्ण सहयोग की दिशा में बढ़ना होगा। तभी सदियों से जारी यह अंतर्विरोध रचनात्मक संवाद में बदल पाएगा।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	83,739.13	25,727.55
बढ़त	2,072.67	639.15
प्रतिशत में	2.54	2.55

सोना 1,57,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,84,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 4 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2610, राज श्री 1940, फ़ॉर्चून कि. 2425, रविन्द्रा 2530, फॉर्चुन 13 किग्रा 2145, जय जवान 2140, सचिन 2130, सूरज 2140, अवसर 1945, उजाला 2125, गृहणी 13 किग्रा 1985, क्लासिक (किग्रा) 2325, मोर 2335, चक्र टिन 2375, ब्लू 2215, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2560

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 18000-23000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, **प्रति किग्रा :** लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किशमिश पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल प्रति कुंटल : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4150,लाडली 4100

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10600, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा हीरा 8900, मोटा हीरा 10000, अरहर गोला मोटा 9000, अरहर पटका मोटा 9700, अरहर कोरा मोटा 10000, अरहर पटका छोटा 11500-12200, अरहर कोरी छोटी 13400

चीनी : पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4200

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4600, मसूरी- 1400, बासमती- 8300-9000, परमल- 3000-3500

दाल दलहन : काला चना- 3600-4200, साबुत चना दाल- 1200, मूंग साबुत- 5400, राजमा- 9500-11000, दाल उड़द- 7500, साबुत मसूर दाल- 4300, मसूर दाल- 1020, उड़द साबुत- 10200, काबुली चना- 8200-10400, अरहर दाल- 10200 -11000, लोबिया/करमानी- 3400-4400

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते से उद्योगों को तेज वृद्धि की उम्मीद

उद्योग जगत ने कहा- समझौता दोनों देशों के लिए बहुप्रतीक्षित महत्वपूर्ण उपलब्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय उद्योग जगत के शीर्ष प्रतिनिधियों ने मंगलवार को कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भारत की वृद्धि महत्वाकांक्षाओं को गति प्रदान देगा। उन्होंने साथ ही कहा कि इससे देश को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विनिर्माण एवं नवाचार केंद्र बनाने में मदद मिलेगी।

भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक एवं चेयरमैन सुनील मित्तल से लेकर आदित्य बिड़ला समूह के कुमार मंगलम बिड़ला और महिंद्रा समूह के अनीश शाह तक भारतीय उद्योग जगत के दिग्गजों ने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश परिदृश्य को बदलने की इसकी क्षमता को रेखांकित करते हुए इस ऐतिहासिक समझौते पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। महिंद्रा ग्रुप के सीईओ और प्रबंध निदेशक अनीश शाह ने इसे द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत वृद्धि पथ पर होने के साथ, यह सौदा भारत की वृद्धि महत्वाकांक्षाओं को सार्थक गति प्रदान करता है।

भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता दोनों देशों के लिए बहुप्रतीक्षित और महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो निवेश और वृद्धि के लिए अपार अवसर खोलता है। मित्तल ने कहा, मुक्त व्यापार समझौतों की श्रृंखला यह प्रमाण है कि भारत वैश्विक ढांचों के केंद्र में अपनी भूमिका निभा रहा है, जिसका उद्देश्य मजबूत अंतरराष्ट्रीय व्यापार रूपरेखा तैयार करना है। आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि कम शुल्क से इन दो महान देशों के बीच रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने में मदद मिलेगी और निवेश तथा सहयोग के अतिरिक्त अवसर मिलेंगे।

टीवीएस मोटर कंपनी के चेयरमैन सुदर्शन वेणु ने भी कहा कि टैरिफ में कमी एक सकारात्मक कदम है, जो निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करता है और दीर्घकालिक द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों में विश्वास पैदा करता है। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल में, व्यापार में खुलापन भारतीय उद्योग को विस्तार करने, नवाचार करने और नौकरियां पैदा करने में मदद करेगा। महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने 'एक्स' पोस्ट किया, इससे संभलकर आगे बढ़ने के लाभों का पता चलता है। जब शोर थम जाएगा, तो दो स्वाभाविक साझेदार साथ आएंगे।

बेहतर शर्तें अमेरिका में प्रतिस्पर्धा बढ़ाएंगीं : निर्यातक

नई दिल्ली। निर्यातकों ने उम्मीद जताई है कि भारत और अमेरिका के बीच घोषित व्यापार समझौते से श्रमप्रधान और एमएसएमई क्षेत्रों को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के चेयरमैन ए शक्तिवेल ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में यह सफलता ऐसे वक्त में मिली है, जब भारतीय उद्योग उच्च अमेरिकी शुल्क के कारण तनाव में थे। उन्होंने कहा, अमेरिका हमारा सबसे बड़ा एकल निर्यात बाजार है और बेहतर व्यापारिक शर्तें अमेरिकी बाजार में भारतीय परिधान उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएंगी। शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी के पार्टनर रुद्र कुमार पांडेय ने कहा कि यह कदम भारत के निर्यात-प्रतिस्पर्धी रुख को पुख्ता करता है और ऐसे समय में आया है जब अमेरिका अपनी आपूर्ति श्रृंखला को चीन से दूर ले जा रहा है।

भारत निर्यात होंगे अमेरिका के कृषि उत्पाद: अमेरिकी सांसद

न्यूयार्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत के साथ घोषित व्यापार समझौते से अमेरिका के कृषि उत्पादों का विशाल भारतीय बाजार में निर्यात होगा और यह समझौता रूसी आक्रामकता का मुकाबला करने में भी मदद करेगा। अमेरिकी सांसदों ने यह बात कही।

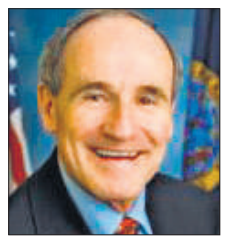

सीनेट की विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष सीनेटर जिम रिश ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट किया, भारत के साथ व्यापार समझौते की शानदार उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति ट्रंप को बधाई। अमेरिका की कृषि सचिव ब्रुक रॉलिन्स ने अमेरिकी किसानों के लिए एक बार फिर काम करने के लिए ट्रंप को धन्यवाद दिया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, नया अमेरिका-भारत समझौता भारत के विशाल बाजार में अधिक अमेरिकी कृषि उत्पादों का निर्यात करेगा, जिससे कीमतें बढ़ेंगी और ग्रामीण अमेरिका में नकदी का प्रवाह होगा।

अपने-अपने दावे

कृषि और डेयरी क्षेत्रों के हितों से कोई समझौता नहीं: गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को अमेरिका के साथ हुए समझौते का विवरण दिए बिना कहा कि भारत की अमेरिका के साथ एक अच्छे करार पर सहमति बनी है और इसमें कृषि और दुग्ध क्षेत्रों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं किया गया है।

गोयल ने कहा कि व्यापार समझौता अंतिम चरण में है और समझौते की रूपरेखा को स्पष्ट करते हुए जल्द ही भारत-अमेरिका का एक संयुक्त बयान जारी किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पार्टी और उसके सहयोगी दलों पर समझौते को लेकर देश को गुमराह करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए उन पर निशाना साधा। उन्होंने विशेष रूप से कांग्रेस नेता राहुल गांधी को आड़े हाथ लेते हुए हुए कहा कि उनकी सोच नकारात्मक है और वह भारत की प्रगति के विरोधी हैं।

सरकार ने किसानों के साथ विश्वासघात किया: संयुक्त किसान मोर्चा

नई दिल्ली। संयुक्त किसान मोर्चा ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को किसानों के साथ ऐतिहासिक विश्वासघात बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर डोनाल्ड ट्रंप के आगे बेशर्मी से झुकने का आरोप लगाया। मोर्चा ने प्रधानमंत्री को पिछले साल के उनके स्वतंत्रता दिवस भाषण की याद दिलाते हुए कहा कि मोदी ने लाल किले की प्राचीर से घोषणा की थी कि वे किसानों के हितों की रक्षा के लिए व्यक्तिगत रूप से भारी कीमत चुकाने को तैयार हैं। किसान संगठन ने दावा किया कि इस समझौते से अमेरिका को भारतीय बाजारों में अत्यधिक सब्सिडी वाले कृषि उत्पादों की लाने की अनुमति मिल जाएगी, जिससे देश का कृषि क्षेत्र बर्बाद हो जाएगा।मोर्चा ने कहा, इस समझौते से भारतीय बाजारों में अत्यधिक सब्सिडी वाले अमेरिकी कृषि उत्पाद उतर जाएंगे और भारत के पूरे किसान वर्ग को तबाह कर देंगे।

रूस से तेल की खरीद और सीमित करेगा भारत

नई दिल्ली। अमेरिका के साथ समझौते पर बनी सहमति के तहत भारत रूस से कच्चे तेल की खरीद और सीमित करेगा। इसके बदले व्यापार शुल्क को कम किया जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक नायरा एनर्जी जैसी रिफाइनरियां, जिनके पास कोई दूसरा स्रोत नहीं है, वे अभी आयात जारी रखेंगी। ट्रंप ने सोमवार रात द्विपक्षीय समझौते की घोषणा के साथ दावा किया कि यह समझौता भारत के रूसी तेल खरीद बंद करने, अमेरिका के खिलाफ शुल्क व गैरशुल्क अवरोध कम करने और 500 अरब डॉलर मूल्य की अतिरिक्त अमेरिकी ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि उत्पाद, कोयला और अन्य वस्तुओं की खरीद की प्रतिबद्धता जताने के बाद हुआ है।

अमेरिकी शुल्क कटौती श्रमप्रधान क्षेत्रों के लिए सकारात्मक: मूडीज

नई दिल्ली, एजेंसी

- **कहा- भारत के वस्तु निर्यात में जान फूंकेगा यह समझौता**

मूडीज रेटिंग्स ने मंगलवार को कहा कि अधिकांश भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क में कटौती से रत्न एवं आभूषण, कपड़ा और परिधान जैसे श्रम प्रधान क्षेत्रों की ऋण चुकाने की क्षमता बेहतर होगी। इन क्षेत्रों का देश के निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान है।

मूडीज ने कहा कि यह व्यापार समझौता अमेरिका को भारत के वस्तु निर्यात में नई जान फूंकेगा। अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा वस्तु निर्यात बाजार बना हुआ है, जो 2025 के पहले 11 महीनों में भारत के कुल वस्तु निर्यात का लगभग 21 प्रतिशत हिस्सा रहा। मूडीज ने कहा, कम शुल्क दर रत्न एवं आभूषण, कपड़ा और परिधान जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए भी ऋण चुकाने की क्षमता के लिहाज से सकारात्मक होगी, जो शीर्ष निर्यात क्षेत्रों में शामिल हैं।

रूस से तेल खरीद बंद की तो बढ़ेगी महंगाई

मूडीज ने कहा कि हाल में भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद कम की है, लेकिन तुरंत इसके पूरी तरह बंद होने की संभावना नहीं है, ऐसा करना भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए बाधक हो सकता है। मूडीज ने कहा, रूसी तेल से पूरी तरह हटकर अन्य स्रोतों पर निर्भरता आपूर्ति को और कड़ा कर सकती है, कीमतें बढ़ा सकती है और महंगाई भी बढ़ सकती है।

कुछ खास क्षेत्रों को होगा फायदा, धातु उद्योग को नहीं मिली कोई राहत : एएलईएमएआई

नई दिल्ली। एल्युमिनियम एक्सटूज़न मैन्युफैक्चरर्स निकाय 'एएलईएमएआई' ने मंगलवार को कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से सिर्फ कुछ खास क्षेत्र को फायदा होने की उम्मीद है, जबकि एल्युमिनियम, लोहा और इस्पात उत्पादों के निर्यात पर अमेरिकी बाजार में 50 प्रतिशत ज्यादा शुल्क लगता रहेगा।

- **कहा- एल्युमिनियम, लोहा, इस्पात पर लगता रहेगा 50% शुल्क**

पिछले साल अगस्त से, भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में 50 प्रतिशत ज्यादा शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही, सेक्शन 232 के तहत एक अलग फैसले के जरिए अमेरिकी प्रशासन ने जून 2025 से इस्पात, एल्युमिनियम उत्पादों पर शुल्क 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया था। एएलईएमएआई के अनुसार, यह बड़ा समझौता दूसरे उद्योगों को राहत देता है, लेकिन प्रमुख धातु उद्योग पर शुल्क का बोझ कम नहीं करता है।

एएलईएमएआई के अध्यक्ष, जितेंद्र चोपड़ा ने कहा, जवाबी शुल्क को 18 प्रतिशत करने से मुख्य रूप से कपड़ा और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे खास क्षेत्रों को फायदा होगा, लेकिन लोहा, इस्पात और एल्युमिनियम पर आमतौर पर अमेरिकी धारा 232 के तहत 50 प्रतिशत का शुल्क लगता रहेगा। एल्युमिनियम एक्सटूजन उद्योग में एल्युमिनियम अयस्क का इस्तेमाल करके उत्पाद बनाने वाली कंपनियां शामिल हैं।

गोल्डमैन सैक्स ने भारत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान बढ़ाया

नई दिल्ली। अमेरिकी निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा के मद्देनजर भारत की जीडीपी में वास्तविक वार्षिक वृद्धि के अपने 2026 के अनुमान को 0.20 प्रतिशत बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत कर दिया है। गोल्डमैन सैक्स के अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि अमेरिका में भारतीय सामानों पर शुल्क कम होने से भारत की वास्तविक जीडीपी की वृद्धि दर की संभावनाएं बेहतर हुई हैं। भारत के जीडीपी के लगभग चार प्रतिशत के बराबर का वस्तु निर्यात अमेरिकी उपभोग मांग पर निर्भर करता है। भारत के निर्यात के लिए अमेरिका सबसे बड़ा बाजार है।

भारत और अमेरिका के समझौते का असर

देश के 71 प्रतिशत नियोक्ता एआई की मदद से खोज रहे हैं प्रतिभाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

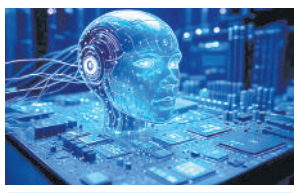

- **रिपोर्ट में दावा, भविष्य में एआई का इस्तेमाल और बढ़ने की संभावना**

भारत में नियुक्ति प्रक्रिया चुनौतीपूर्ण होती जा रही है, ऐसे में कंपनियां तेजी से कृत्रिम मेधा (एआई) का सहारा ले रही हैं। पेशेवर नेटवर्किंग मंच लिंक्डइन की रिपोर्ट के अनुसार, 71 प्रतिशत नियोक्ताओं ने कहा कि एआई ने उन्हें सही कौशल वाले उम्मीदवार या छिपी हुई प्रतिभा खोजने में मदद की है।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि 80 प्रतिशत नियोक्ताओं के अनुसार एआई से उम्मीदवारों के कौशल को समझना आसान हुआ है, जबकि 76 प्रतिशत मानते हैं कि एआई भर्ती प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने में मदद कर रहा है। लिंक्डइन की यह रिपोर्ट नवंबर 2025 में 19,113 भारतीय उपभोक्ताओं और 6,554 वैश्विक एचआई पेशेवरों के बीच किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में भर्ती बाजार तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन योग्य उम्मीदवार खोजने में 74 प्रतिशत नियोक्ता कठिनाई का सामना कर रहे हैं, जबकि नियुक्ति गतिविधि महामारी से पहले के स्तर से 40 प्रतिशत अधिक है।

नियोक्ता भर्ती में एआई-जनित आवेदनों (53 प्रतिशत) और मांग वाले कौशल की कमी (47 प्रतिशत) को चुनौतियों के रूप में बता रहे हैं। इसके अलावा, 48 प्रतिशत नियोक्ता कहते हैं कि वास्तविक और कम गुणवत्ता वाले या भ्रामक आवेदन अलग करने में समय लगता है। भविष्य में एआई का इस्तेमाल और बढ़ने की संभावना है, क्योंकि 80 प्रतिशत भारतीय नियोक्ता इसे भर्ती लक्ष्यों, उम्मीदवार मूल्यांकन और शीर्ष प्रतिभाओं को खोजने के लिए बढ़ाने की योजना बना रहे हैं।

कर्मचारी की मान्यता मिले... महिला गिग वर्कर्स का देशव्यापी प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर समेत मंगलवार को देश भर के कई बड़े शहरों में गिग वर्कर्स ने कर्मचारी के रूप में मान्यता की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। आरोप लगाया कि डिजिटल मंचों पर मनमाने ढंग से खाते ब्लॉक किए जा रहे हैं, कमाई कम हो रही है और बुनियादी श्रम सुरक्षा का अभाव है। प्रदर्शन में अधिकतर महिलाएं थीं। यह प्रदर्शन गिग एंड प्लेटफॉर्म सर्विसेज वर्कर्स यूनियन की ओर से किया गया, जो महिलाओं के नेतृत्व वाला संगठन है। पंजाबी बाग में सुनीता ने बताया कि काम के घंटे और स्थिर कमाई के वादे की वजह से वह इस काम के प्रति आकर्षित हुई थीं लेकिन अब उन्हें लगातार अपना खाता ब्लॉक होने का डर सताता रहता है।

इसलिए आंदोलन

- श्रमिक एप कंपनियों द्वारा बिना पूर्व सूचना या वैध कारण वर्क आईडी को मनमाने ढंग से ब्लॉक करना।
- महिला वर्कर्स ने सुरक्षा और गरिमा की कमी का मुद्दा उठाया। असुरक्षित स्थानों पर भेजने का आरोप।
- गिरती आय, अपारदर्शी रेटिंग सिस्टम, एल्गोरिथम के जरिए किए जाने वाले कठोर नियंत्रण का विरोध।
- गिग वर्कर्स ने अनैतिक 10-मिनट डिलीवरी मॉडल का भी विरोध, जो उनकी जान जोखिम में डालता है।

- **बेंगलुरु, नई दिल्ली, हैदराबाद और मुंबई में हुए प्रदर्शन**

मौद्रिक नीति पर आज से होगी बैठक

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक बुधवार से शुरू हो रही है। बैठक में रेपो दर को यथावत रखने की उम्मीद है।

रेपो वह दर होती है जिस पर केंद्रीय बैंक, वाणिज्यिक बैंकों को ऋण देता है। इसमें कटौती बैंक ऋण सस्ता होता है, साथ ही बैंक जमा पर मिलने वाले ब्याज में भी कमी करते हैं। तीन दिन चलने वाली बैठक के बाद 6 फरवरी को समिति के फैसले की घोषणा की जाएगी।

अडाणी समूह और लियोनार्डो भारत में स्थापित करेंगे हेलीकॉप्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र

मेक इन इंडिया की ओर कदम

नई दिल्ली। अडाणी समूह और इटली की प्रमुख कंपनी लियोनार्डो ने मंगलवार को भारत में एक एकीकृत हेलीकॉप्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने के लिए रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह कदम मेक इन इंडिया के प्रयासों को बढ़ावा देने दिशा में अहम बताया जा रहा है।

अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस और लियोनार्डो ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में इस साझेदारी के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी भारतीय सशस्त्र बलों की जरूरतों को लक्षित करेगी, विशेष रूप से लियोनार्डो के उन्नत एडब्ल्यू169एम और एडब्ल्यू109 ट्रेकर हेलीकॉप्टरों के लिए ऐसा किया जाएगा। एक बयान में कहा गया कि यह सहयोग चरणबद्ध स्वदेशीकरण, मजबूत रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) क्षमताओं तथा व्यापक पायलट प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करेगा। भारत में हेलीकॉप्टर की उपलब्धता काफी कम है, जहां देश की जनसंख्या के हिसाब से 250 से भी कम हेलीकॉप्टर हैं। अनुमान है कि देश को अगले 10 वर्षों तक सालाना लगभग 100 हेलीकॉप्टरों की आवश्यकता होगी।

एयर इंडिया के बोइंग 787 विमानों के ईंधन नियंत्रण स्विच की जांच शुरू

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने अपने बोइंग 787 विमानों के ईंधन नियंत्रण स्विच की जांच शुरू कर दी है। यह कदम रविवार को लंदन हीथ्रो से बेंगलुरु के बीच एक विमान में स्विच के खराब होने के बाद उठाया गया है। इस समय एयर इंडिया के पास 33 बोइंग 787 या ड्रीमलाइनर विमान हैं।

कंपनी के उड़ान संचालन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष उप्पल ने बोइंग 787 पायलटों को बताया कि विमान के ईंधन नियंत्रण स्विच की बेड़े-वार फिर से जांच शुरू कर दी गई है। एयरलाइन की इंजीनियरिंग टीम ने प्राथमिकता के आधार पर मूल्यांकन के लिए मामले को बोइंग के पास भेजा है। उन्होंने एक ईमेल में कहा कि जब तक हम बोइंग की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं, हमारे इंजीनियरों ने सामान्य संचालन को सत्यापित करने के लिए ईंधन नियंत्रण स्विच की एहतियाती बेड़े-वार फिर से जांच शुरू कर दी है।

अंबुजा सीमेंट के एमडी का इस्तीफा

नई दिल्ली। अदाणी समूह की कंपनी अंबुजा सीमेंट के प्रबंध निदेशक अजय कपूर ने सेवानिवृत्ति की आयु पूरी होने के बाद पद से इस्तीफा दे दिया।

अंबुजा की ओर से शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, कपूर ने 31 जनवरी 2026 को कारोबारी घंटे के समाप्त होने के बाद पद से इस्तीफा दे दिया। कपूर 1993 में अंबुजा सीमेंट में शामिल हुए और विभिन्न रणनीतिक भूमिकाओं में 25 साल का समय बिताया। मार्च, 2025 में अंबुजा सीमेंट ने सीईओ कपूर को एमडी के रूप में पुनः नियुक्त किया था।

आने वाली संभावित मंदी का संकेत दे रहा है केंद्र सरकार का बजट

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- **केरल के वित्त मंत्री ने कहा- राजस्व प्राप्तियों में एक लाख करोड़ रुपये की वृद्धि बेहद मामूली**

केरल के वित्त मंत्री के एन बालगोपाल ने मंगलवार को कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री की ओर से प्रस्तुत केंद्रीय बजट में चिंताजनक प्रवृत्ति साफ दिख रही है, जिससे संकेत मिलता है कि अर्थव्यवस्था संभवतः मंदी की ओर बढ़ रही है।

केरल और केंद्रीय बजट की तुलना पर एक कार्यक्रम के दौरान बालगोपाल ने कहा कि इस वर्ष केंद्र सरकार की कुल राजस्व प्राप्तियों में केवल एक लाख करोड़ रुपये की मामूली वृद्धि हुई है, जो तीन प्रतिशत से कम की वृद्धि दर्शाती है। बालगोपाल ने कहा, केंद्र का बजट मंदी की ओर इशारा करता है। हालांकि, आर्थिक मंदी की घोषणा नहीं की गई है, लेकिन अर्थव्यवस्था के धीमे होने के संकेत दिखाई दे रहे हैं। यह अत्यंत चिंता का विषय है। पिछले वर्ष केंद्र सरकार की कुल राजस्व प्राप्तियां 38 लाख करोड़ रुपये थीं और इस वर्ष केवल एक लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है, जो तीन प्रतिशत से कम की वृद्धि है।

उन्होंने कहा कि राजस्व प्राप्तियों में वार्षिक वृद्धि आमतौर पर तीन प्रतिशत से अधिक होती है। बालगोपाल ने कहा, बजट में शामिल कुछ अनुमान पूरे नहीं हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में अगले वर्ष केंद्र सरकार को वही राजस्व प्राप्तियां मिलेंगी जो इस वर्ष मिली हैं।

प्रतिस्पर्धा कानून उल्लंघन | **कोर्ट ने मामला नए सिरे से सुनवाई के लिए एनसीएलएटी को वापस भेजा**

सुप्रीम कोर्ट ने फ्लिपकार्ट के खिलाफ जांच का आदेश रद्द किया

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी के वर्ष 2020 का वह आदेश रद्द कर दिया जिसमें ई-कॉमर्स विक्रेता फ्लिपकार्ट के खिलाफ प्रतिस्पर्धा कानून के उल्लंघन की जांच के निर्देश दिए गए थे। इसके साथ सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने मामला नए सिरे से सुनवाई के लिए राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) को वापस भेज दिया।

शीर्ष अदालत ने कहा कि एनसीएलएटी को फ्लिपकार्ट की इस दलील पर विचार करते हुए मामले पर फिर से फैसला करना होगा कि उसने आयकर कार्यवाही से जुड़े आकलन अधिकारी की जिन टिप्पणियों पर भरोसा किया था, उन्हें बाद में आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) ने निरस्त कर दिया था। हालांकि, पीठ ने स्पष्ट किया कि सभी मुद्दे एनसीएलएटी के समक्ष पुनर्विचार के लिए खुले रहेंगे। पीठ ने अपने आदेश में कहा, हम एनसीएलएटी से अनुरोध करते हैं कि वह इस अपील पर नए सिरे से फैसला करे। पक्षकार यह दलीलें रखने के लिए स्वतंत्र होंगे कि प्रथम दृष्टया मामला बनता है या नहीं और यदि बनता है, तो क्या मामले को फिर से प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) को भेजने की जरूरत है।

फ्लिपकार्ट इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि न तो यह पाया गया है कि फ्लिपकार्ट संबंधित बाजार में प्रभुत्वशाली खिलाड़ी है और न ही उसने अपने प्रभुत्व का दुरुपयोग किया है। उन्होंने कहा कि एनसीएलएटी का आदेश मुख्यतः आयकर कार्यवाही में आकलन अधिकारी की टिप्पणियों पर आधारित था, जिन्हें बाद में आईटीएटी ने पलट दिया। इस मामले की शुरुआत चार मार्च, 2020 के एनसीएलएटी आदेश से हुई थी, जब उसने अखिल भारतीय ऑनलाइन विक्रेता संघ (एआईओवीए) की शिकायत को बंद करने वाले सीसीआई के आदेश को रद्द कर दिया था। एनसीएलएटी ने उस समय फ्लिपकार्ट के खिलाफ प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 की धारा चार के तहत प्रभुत्व के दुरुपयोग का प्रथम दृष्टया मामला मानते हुए प्रतिस्पर्धा आयोग के महानिदेशक को जांच का निर्देश दिया था।

देश में दवाओं के अंधाधुंध उपयोग से कम हो रहा एंटीबायोटिक का असर

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्र सरकार ने राज्यसभा में दी जानकारी, कहा-नजर रख रहे

राज्यसभा में सरकार ने मंगलवार को बताया वह देश भर में एंटीबायोटिक के असर कम होने के बढ़ते रुझान पर नजर रख रही है तथा एंटीबायोटिक दवाओं के अंधाधुंध और डॉक्टर के पर्चे के बिना इनके उपयोग को इसका एक प्रमुख कारण मान रही है। स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने एक प्रश्न के लिखित जवाब में उच्च सदन को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के माध्यम से औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 1940 और इसके नियमों के प्रावधानों के तहत दवाओं की सुरक्षा, प्रभाव क्षमता और गुणवत्ता को नियंत्रित करती है। स्वास्थ्य राज्य मंत्री ने कहा कि एंटीबायोटिक दवाओं को औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन नियमों की अनुसूची एच और एच1 में रखा गया है और केवल पंजीकृत चिकित्सक के पर्चे पर ही खुदरा बेचा जा सकता है। सरकार देश में एंटीबायोटिक का असर कम होने के बढ़ते रुझान से अवगत है, जिसमें निमोनिया/मूत्र मार्ग जैसे संक्रमणों में देखा गया प्रतिरोध भी शामिल है।

प्रबंधन को उठाए गए हैं कई कदम

मंत्री ने एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के प्रबंधन हेतु उठाए गए कई कदमों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री विकसित की गई है और तथा जन जागरूकता एवं प्रसार के लिए राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र की वेबसाइट पर इसे अपलोड किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मानक उपचार दिशानिर्देश (एसटीजी) जारी किए हैं, जो सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं।

धरती के फेफड़ों को सहेजने का संकल्प

आर्द्रभूमियां, जिन्हें अक्सर पृथ्वी की किडनी और जैविक सुपरमार्केट कहा जाता है, हमारे पारिस्थितिकी तंत्र का वह महत्वपूर्ण हिस्सा हैं जो जल चक्र को संतुलित करने से लेकर कार्बन सोखने तक की अद्वितीय क्षमता रखती हैं। जब हम रामसर टैग की बात करते हैं, तो यह केवल एक तकनीकी नामकरण नहीं है, बल्कि यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किसी आर्द्रभूमि (वेटलैंड) की विशिष्टता और उसके वैश्विक महत्व की स्वीकृति है। रामसर कन्वेंशन एक अंतरसरकारी संधि है जो दुनिया भर में झीलों, नदियों, दलदलों और तटीय क्षेत्रों के संरक्षण के लिए एक रूपरेखा प्रदान करती है। आधुनिक युग में जहां अंधाधुंध शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन ने प्राकृतिक जल स्रोतों को संकट में डाल दिया है, वहां रामसर टैग एक सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करता है।

रामसर टैग

आर्द्रभूमि जीवन का आधार

भारत जैसे विशाल विविधता वाले देश के लिए यह टैग अत्यधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां की सभ्यताएं हमेशा से नदियों और तालाबों के इर्द-गिर्द पनपी हैं। वर्तमान में, भारत ने अपनी आजादी के अमृत काल के बाद से आर्द्रभूमियों के संरक्षण में एक लंबी छलांग लगाई है। 2 फरवरी 2026 तक, भारत में रामसर स्थलों की संख्या बढ़कर 98 हो गई है, जो इस क्षेत्र में सरकार और समाज की सक्रियता को दर्शाता है। रामसर टैग मिलने का अर्थ केवल पहचान मिलना नहीं है, बल्कि यह उस देश के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धता है कि वह उस क्षेत्र के पारिस्थितिक चरित्र को बनाए रखेगा और उसका विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करेगा।

टैग का वैश्विक महत्व

- अंतर्राष्ट्रीय मान्यता : रामसर टैग एक अंतर्राष्ट्रीय मान्यता है जो किसी आर्द्रभूमि को 'वैश्विक महत्व' की श्रेणी में रखती है।
- संरक्षण का दायित्व : इस टैग का मुख्य कार्य संबंधित देश को उस आर्द्रभूमि के वैज्ञानिक प्रबंधन और सुरक्षा के लिए कानूनी और नैतिक रूप से उत्तरदायी बनाना है।
- अंतर्राष्ट्रीय सहयोग : यह सदस्य देशों के बीच जल संसाधनों और प्रवासी पक्षियों के प्रबंधन में आपसी सहयोग को बढ़ावा देता है।
- जागरूकता और पर्यटन : टैग मिलने से संबंधित क्षेत्र को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर जगह मिलती है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ होता है।

सदस्य देश

- ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : यह समझौता 2 फरवरी 1971 को ईरान के रामसर शहर में हुआ था। इसी कारण 2 फरवरी को 'विश्व आर्द्रभूमि दिवस' मनाया जाता है।
- वैश्विक भागीदारी : वर्तमान में दुनिया के 172 देश इस संधि के हस्ताक्षरकर्ता हैं।

किसे मिलता है यह टैग

- नौ विशिष्ट मानदंड : किसी क्षेत्र को रामसर स्थल घोषित करने के लिए नौ विशिष्ट मानदंड बनाए गए हैं जिसमें कम से कम एक को पूरा करना अनिवार्य होता है।
- अद्वितीय आर्द्रभूमि : जो अपने आप में दुर्लभ या प्राकृतिक प्रकार की हो।
- संकटग्रस्त प्रजातियां : जहां विलुप्त होने की कगार पर खड़ी प्रजातियाँ पाई जाती हों।
- जैव विविधता : जो किसी विशेष क्षेत्र की जैविक विविधता बनाए रखने में सहायक हो।
- प्रवासी पक्षी : जहां नियमित रूप से 20,000 या उससे अधिक जल-पक्षी निवास करते हों।
- आजीविका देय : स्थानीय समुदायों की आजीविका बनाए रखने में भूमिका निभाते हों।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिका में खनिज पर मंत्रिस्तरीय सम्मेलन

वॉशिंगटन। अमेरिका बुधवार को अपने पहले महत्वपूर्ण खनिज मंत्रिस्तरीय सम्मेलन का आयोजन करेगा। इस बैठक में तकनीकी नवाचार, आर्थिक मजबूती और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अनिवार्य महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों से जुड़ी चिंताओं के समाधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों को एक मंच प्रदान किया जाएगा। विदेश मंत्री मार्को रुबियो विदेश विभाग में इस बैठक की मेजबानी करेंगे, जो महत्वपूर्ण खनिजों पर केंद्रित पहला मंत्रिस्तरीय सम्मेलन होगा। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर इसमें शामिल होंगे।

महिंदा राजपक्षे की पत्नी-बेटे से पूछताछ

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे की पत्नी और बेटे से मंगलवार को दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने पूछताछ की। पूर्व प्रथम महिला शिरंथी राजपक्षे से 2015 में उनके नेतृत्व वाली एक संस्था से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में पूछताछ की गई। अधिकारियों ने बताया कि विपक्षी सांसद नमल राजपक्षे से अंडरवर्ल्ड डॉन केहलबद्दारा पद्मे से कथित संबंधों के बारे में पूछताछ की गई। पद्मे को 2025 के मध्य में प्रत्यर्पण के तहत दुबई से लाया गया था। पुलिस ने बताया कि मां-बेटे से आपराधिक अन्वेषण विभाग ने चार घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की।

फर्नांडीज होंगे कोस्टा रिका के राष्ट्रपति

सैन जोस। कोस्टा रिका में रूढ़िवादी जनवादी नेता लौरा फर्नांडीज ने राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत लिया है। उन्होंने निवर्तमान राष्ट्रपति रोड्रिगो चावेस द्वारा शुरू किए गए देश की राजनीति के आक्रामक पुनर्गठन को आगे बढ़ाने का वादा किया है। प्रारंभिक और आंशिक नतीजों के अनुसार, फर्नांडीज ने पहले ही दौर में निर्णायक जीत हासिल की, जिससे दूसरे चरण की जरूरत नहीं पड़ी।

द. अफ्रीका का जंगी पोत भारत रवाना

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी नौसेना का जंगी जहाज एसएएस अमाटोला भारत के लिए एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण तैनाती पर रवाना हो गया है, जहां यह भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित 2026 अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा अभ्यास मिलन में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करेगा। रविवार को जहाज के रवाना होने के बाद दक्षिण अफ्रीकी नौसेना ने कहा कि एसएएस अमाटोला की भारत यात्रा कई स्तरों पर महत्वपूर्ण है। यह द. अफ्रीका की समुद्री रणनीति के लिए एक अहम पड़ाव है।

ट्रंप के दावों का रूस ने दिया जवाब भारत ने तेल क्रय से मना नहीं किया

क्रेमलिन ने कहा, हमें इस मामले में नई दिल्ली से अभी तक कोई संदेश नहीं मिला

- रूस हर तरीके से भारत से संबंध मजबूत रखने का इच्छुक

मॉस्को, एजेंसी

रूस को भारत से रूसी तेल खरीद रोकने के संबंध में कोई संदेश नहीं मिला है। रूसी सत्ता के केंद्र क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने मंगलवार को यह बात कही। उनकी यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रूस से तेल खरीदना बंद करने और अमेरिका और संभवतः वेनेजुएला से अधिक तेल खरीदने पर सहमत हो गए हैं।

क्रेमलिन के प्रवक्ता पेस्कोव ने कहा कि हमें इस मामले पर नई दिल्ली से अभी तक कोई संदेश नहीं मिला है। क्रेमलिन के प्रवक्ता ने यह भी कहा कि रूस हर संभव तरीके से भारत के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना जारी रखने का इरादा रखता है। रूस के ऊर्जा मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि उन्हें भारतीय रिफाइनरी कंपनियों से अनुबंध रद्द करने के संबंध में कोई सूचना नहीं मिली है। सोमवार को मोदी के साथ फोन पर बातचीत के बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते पर सहमत हुए हैं, जिसके तहत अमेरिका जवाबी शुल्क 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा। पिछले साल ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए थे, जो दुनिया में किसी भी देश पर सबसे ज्यादा शुल्क था। इनमें रूस से तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत का शुल्क भी शामिल था। तेल आपूर्ति पर नजर रखने वाली कंपनी केप्लर के अनुसार, इराक अब रूस के लगभग बराबर मात्रा में आपूर्ति कर रहा है, जो दिसंबर 2025 में औसतन 9,04,000 बैरल प्रति दिन से ज्यादा है। सऊदी अरब से भी तेल का उत्पादन जनवरी में बढ़कर 9,24,000 बैरल प्रतिदिन हो गया, जो दिसंबर में 7,10,000 बैरल प्रतिदिन था।

88 प्रतिशत कच्चा तेल दूसरे देशों से लेता है भारत

भारत अपने कच्चे तेल का लगभग 88 प्रतिशत हिस्सा दूसरे देशों से खरीदता है, जिसे पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों में परिवर्तित किया जाता है। वर्ष 2021 तक भारत द्वारा आयात किए गए कुल कच्चे तेल में रूसी तेल का हिस्सा मुश्किल से 0.2 प्रतिशत था। भारत फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया। तेल आपूर्ति पर नजर रखने वाली कंपनी केप्लर के अनुसार, जनवरी के पहले तीन हफ्तों में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात घटकर लगभग 11 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया, जबकि पिछले महीने यह औसतन 12.1 लाख बैरल रोज था और 20 लाख बैरल रोज से अधिक होने का अनुमान था।

रूस से तेल खरीद रोकेगा भारत : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से साथ टेलीफोन वार्ता के बाद कहा था कि भारत अमेरिका से आयात में भारी वृद्धि करने, अमेरिकी सामानों पर आयात शुल्क शून्य करने तथा रूस से कच्चे तेल की खरीद बंद करने पर सहमत हो गया है, बदले में अमेरिका भारतीय उत्पादों पर तत्काल प्रभाव से आयात शुल्क घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रूथ सोशल पर व्यापार समझौते की घोषणा करते हुए लिखा है कि मोदी रूस से कच्चे तेल की खरीद बंद करने और अमेरिका, तथा संभवतः वेनेजुएला, से खरीद बढ़ाने पर सहमत हो गए हैं जिससे यूक्रेन युद्ध समाप्त करने में मदद मिलेगी।

अमेरिका के साथ तर्कसंगत और न्यायसंगत बातचीत करेगा ईरान

- राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने दिया अपने विदेश मंत्री को निर्देश

दुबई, एजेंसी

ईरान के राष्ट्रपति ने मंगलवार को कहा कि विदेश मंत्री को अमेरिका के साथ तर्कसंगत और न्यायसंगत बातचीत आगे बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। यह तेहरान की ओर से अब तक का सबसे स्पष्ट संकेत है कि वह वाशिंगटन के साथ बातचीत की कोशिश करना चाहता है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब पिछले महीने देशभर में हुए प्रदर्शनों पर ईरानी सरकार की हिंसक कार्रवाई के बाद अमेरिका के साथ तनाव काफी बढ़ गया है। यह घोषणा सुधारवादी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के रुख में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

बीते कुछ हफ्तों से वह ईरानी जनता को चेतावनी दे रहे थे कि देश में हालात उनके नियंत्रण से बाहर हो चुके हैं। यह बयान इस बात का भी संकेत देता है कि उन्हें अमेरिका के साथ बातचीत के लिए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खोमेनेई का समर्थन मिला है, जिन्होंने पहले ऐसे किसी भी संवाद को खारिज कर दिया था। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान और अमेरिका किसी समझौते तक पहुंच पाएंगे या नहीं, खासकर इसलिए क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बातचीत की किसी भी प्रक्रिया में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को अपनी प्रमुख मांगों में शामिल कर रखा है। ट्रंप ने जून में इजराइल द्वारा शुरू किए गए 12 दिवसीय युद्ध के दौरान ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर बमबारी के आदेश दिए थे।

पेजेशकियान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अंग्रेजी और फ़ारसी में लिखा कि यह फैसला क्षेत्र के मित्र देशों की ओर से अमेरिका के राष्ट्रपति के बातचीत के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देने के अनुरोध पर लिया गया है।

उन्होंने कहा कि मैंने अपने विदेश मंत्री को निर्देश दिया है कि यदि उपयुक्त माहौल हो यानी धमकियों और अनुचित अपेक्षाओं से मुक्त वातावरण, तो वह गरिमा, विवेक और दूरदर्शिता के सिद्धांतों के अनुरूप तर्कसंगत और न्यायसंगत बातचीत को आगे बढ़ाएं। अमेरिका ने अभी यह स्वीकार नहीं किया है कि इस तरह की कोई बातचीत होने जा रही है।

ईरान के गृहमंत्री सहित 30 पर नए प्रतिबंध

लंदन/कैनबरा। ब्रिटेन ने ईरान के गृह मंत्री सहित 10 लोगों और एक संगठन पर प्रतिबंधों का एक नया पैकेज लगा दिया है। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने रिवोल्यूशनरी गार्ड से जुड़े 20 लोगों और तीन अन्य संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाया है। ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार, ईरान में हालिया प्रदर्शनों में मानवाधिकारों के उल्लंघन में शामिल लोगों के खिलाफ ये प्रतिबंध लगाए गए हैं। जिन लोगों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं, उनमें ईरान के गृह मंत्री इस्कंदर मोमेनी, लोरिस्तान प्रांत के पुलिस प्रमुख मोहम्मद रजा हाशिमीफ़र, सार्वजनिक सुरक्षा पुलिस प्रमुख सैयद माजिद फ़ैज़ जाफ़री, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर में फ़ार्स प्रांत के कमांडर यादोल्लाह बौअली, कई अन्य सैन्य और न्यायिक कर्मी शामिल हैं।

अमेरिका ने ईरानी ड्रोन को मार गिराया

वाशिंगटन। अमेरिकी नौसेना के एक लड़ाकू विमान ने अरब सागर में विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन की ओर बढ़ रहे एक ईरानी ड्रोन को मार गिराया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने यह जानकारी दी। मंगलवार को ई-मेल के जरिए जारी बयान में सेंट्रल कमांड ने बताया कि ड्रोन आक्रामक तरीके से और अस्पष्ट इरादे के साथ विमानवाहक पोत के करीब आ गया था।

सारा फर्ग्यूसन की धर्मार्थ संस्था बंद

लंदन। इंग्लैंड के यॉर्क की पूर्व डचेस सारा फर्ग्यूसन द्वारा स्थापित धर्मार्थ संस्था, मानव तस्करी के मामले में दोषी करार दि गए कारोबारी जेफरी एपस्टीन के साथ उनकी गहरी दोस्ती को दर्शाने वाले ईमेल सामने आने के बाद अस्थायी रूप से बंद हो गई है। महिलाओं और बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने पर केंद्रित सारा ट्रस्ट ने अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी नवीनतम दस्तावेजों में हुए खुलासों के बाद निकट भविष्य के लिए बंद रहने की घोषणा की है। फर्ग्यूसन, पूर्व राजकुमार एंड्रयू की पूर्व पत्नी हैं, जिन्हें एप्स्टीन से संबंधों के कारण उनकी शाही उपाधियों से वंचित कर दिया गया था। सोमवार देर रात जारी एक बयान में ट्रस्ट ने कहा कि हमारी अध्यक्ष सारा फर्ग्यूसन और न्यासी मंडल ने खेद के साथ यह निर्णय लिया है।

ईंधन में हुआ रिसाव, नासा ने टाला चंद्र रॉकेट का प्रक्षेपण

केप केनरवल, एजेंसी

- स्पेस एजेंसी ने अब मार्च में रॉकेट के प्रक्षेपण का लिया निर्णय

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगलवार को कहा कि एक दिन पहले किए गए निर्णायक परीक्षण के दौरान ईंधन के रिसाव की समस्या आने के कारण अब वह अपने नए चंद्र रॉकेट को मार्च में प्रक्षेपित करेगी। नासा ने कहा कि प्रक्षेपण में देरी होने से अब उड़ान परीक्षण से पहले डेटा की समीक्षा करने और दूसरा पूर्वाभ्यास करने का मौका मिलेगा। ये रिसाव सोमवार को कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र में ईंधन भरने की प्रक्रिया शुरू होने के कुछ ही घंटों के भीतर हुए।

नासा ने कहा कि इस उड़ान के लिए चुने गए चारों अंतरिक्ष यात्रियों को लगभग दो सप्ताह के पृथकवास से बाहर निकाल लिया जाएगा। नासा ने कहा कि चंद्रमा की परिक्रमा के लिए अगली उड़ान के समय से लगभग दो सप्ताह पहले उन्हें फिर से पृथकवास में रखा जाएगा। हालांकि, अंतरिक्ष एजेंसी ने मार्च में आधिकारिक प्रक्षेपण लक्ष्य के बारे में कोई संकेत नहीं दिया। इसने कहा कि जांच से प्राप्त डेटा की पूरी तरह से समीक्षा करने प्रत्येक समस्या का समाधान करने और परीक्षण पर लौटने की आवश्यकता है। सोमवार को दोपहर के समय प्रक्षेपण नियंत्रकों ने 322 फुट लंबे रॉकेट में अत्यधिक शीतल हाइड्रोजन और ऑक्सीजन भरना शुरू किया। टंकियों में 7 लाख गैलन से अधिक ईंधन भरा जाना था।

रूस ने यूक्रेन पर तेज किए हमले

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि रूस ने देर रात एक बड़े हमले में यूक्रेन पर लंबी दूरी के लगभग 450 ड्रोन और विभिन्न प्रकार की 70 मिसाइलें दागीं। यह हमला ऐसे समय हुआ, जब दोनों देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी में अमेरिका की मध्यस्थता से होने वाली वार्ता में भाग लेने वाले हैं, जिसका उद्देश्य लगभग चार साल पहले शुरू हुए युद्ध को समाप्त करना है। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के कम से कम पांच क्षेत्रों पर बमबारी का निशाना विशेष रूप से बिजली ग्रिड था। अधिकारियों ने बताया कि रूस के हमलों में कम से कम 10 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा कि रूस के लिए कूटनीति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है लोगों को आतंकित करना है।

एक्स के फ्रांस में स्थित कार्यालयों में छापेमारी

पेरिस, एजेंसी

- चाइल्ड पोर्नोग्राफी व डीपफेक सहित कई अपराधों में जांच

पेरिस के अभियोजकों ने बाल यौन सामग्री (चाइल्ड पोर्नोग्राफी) और डीपफेक सहित कई कथित अपराधों की शुरुआती जांच के तहत एलन मस्क के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के फ्रांस स्थित कार्यालयों पर मंगलवार को छापेमारी की। इस संबंध में जारी बयान में कहा गया कि पिछले साल जनवरी में अभियोजक कार्यालय की साइबर अपराध इकाई ने जांच शुरू की थी।

यह इकाई बच्चों को बंधक बनाने और उनकी अश्लील तस्वीरें फैलाने, इससे संबंधित डीपफेक, मानवता के खिलाफ अपराधों और एक संगठित समूह के हिस्से के तौर पर ऑटोमेटेड डेटा प्रोसेसिंग सिस्टम में हेरफेर तथा दूसरे अपराधों में कथित मिलीभगत की जांच कर रही है। अभियोजकों ने एलन मस्क और एक्स की 2023 से 2025 तक मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) रहीं लिंडा याकारिनो से स्वैच्छिक पूछताछ के लिए अनुरोध किया है, जिसके लिए 20 अप्रैल की तारीख निर्धारित है। इस संबंध में एक्स के एक प्रवक्ता ने टिप्पणी के लिए किए गए अनुरोध पर तुरंत जवाब नहीं दिया। पेरिस अभियोजक कार्यालय ने एक्स पर छापेमारी की पुष्टि की। कहा कि वह इस मंच को छोड़ रहा है और फॉलोअर्स से भी कहा कि वे किसी दूसरे सोशल मीडिया मंच से जुड़ें।

आर्मेनिया से भारत सुदृढ़ करेगा संबंध

नई दिल्ली। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने आर्मेनिया के रक्षा मंत्री सुरेन पापक्यान से मुलाकात की तथा द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने और दोनों देशों से संबंधित सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा की। जनरल चौहान के नेतृत्व में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल इस समय आर्मेनिया की यात्रा पर है। एकीकृत रक्षा मुख्यालय ने एक्स पर सीडीएस की यात्रा की जानकारियां साझा की हैं। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, आर्मेनिया के रक्षा मंत्री सुरेन पापक्यान से मुलाकात के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। दोनों देशों से संबंधित विभिन्न सुरक्षा मुद्दों पर रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा हुई। सीडीएस ने आर्मेनिया की राजधानी येरेवन में राष्ट्रीय रक्षा अनुसंधान विवि का दौरा किया।

आज का भविष्यफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 4 फरवरी, बुधवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तृतीया 5 फरवरी 12.09 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

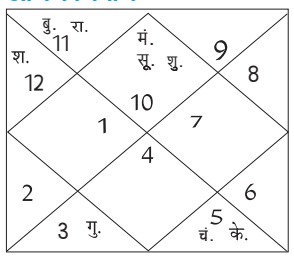

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शिशिर।
चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-पूर्वाफाल्गुनी 10.12 तक तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी।

मेष — आज आपकी क्षमताओं में विस्तार होगा। वकालत के पेशे से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। सामाजिक कार्यों में आप भाग ले सकते हैं। परिवार के छोटे सदस्यों के विचारों पर अवश्य ध्यान दें। पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद दूर होंगे।

वृष — आज कार्यक्षेत्र में आपको थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। आक्रामक व्यवहार से आपको बचना चाहिए। सरकारी कार्यों में रुकावटें आ सकती हैं। आपसी सूझबूझ से विवादों का समाधान कर पायेंगे। अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

मिथुन — आज आप लोगों के बीच अत्यंत लोकप्रिय हो रहे हैं। घर में प्रियजनों का आगमन हो सकता है। प्रत्येक परिस्थिति में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आर्थिक लाभ होने के योग बन रहे हैं। धार्मिक क्रियाकलापों में आप अत्यधिक रुचि लेंगे।

कर्क — आज आपके नेतृत्व कौशल की लोग प्रशंसा करेंगे। भावनात्मक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। आयात-निर्यात संबंधी व्यापार से उत्तम धन लाभ होगा। काम के प्रति उत्साह भाव बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा कर सकते हैं। अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत रखें।

सिंह — आज व्यापार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में तय लक्ष्यों को समय पर पूर्ण कर लेंगे। दोपहर के बाद आपकी परिस्थितियां काफी अच्छी रहने वाली हैं। परिजन आपसे मिलने घर आ सकते हैं। मित्रों की सलाह आपके काम आयेगी।

कन्या — आज परिवार में लोगों के बीच कलह की भावना हो सकती है। महंगी वस्तुओं की खरीदारी में धन का अपव्यय हो सकता है। गर्दन में दर्द उभरने की आशंका है। रहन-सहन में दिखावा न करें। बच्चे गलत कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं।

तुला — आज अविवाहित लोगों के विवाह को लेकर चर्चा हो सकती है। कारोबार की गुणवत्ता में सुधार होगा। व्यायाम और ध्यान को अपनी जीवनशैली में अवश्य सम्मिलित करें। अटके हुए काम को दोबारा शुरू करने में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — आज यदि किसी को कर्ज दे रहे हैं तो परिजनों से विचार-विमर्श अवश्य कर लें। मेहनत का उत्तम परिणाम नहीं मिलेगा। घर के नवीनीकरण को लेकर योजना बनायेंगे। संकीर्ण विचारों के कारण आप लोगों के निशाने पर आ सकते हैं।

धनु — आज व्यापार को लेकर आप प्रयोग कर सकते हैं। काम को लेकर दबाव धीरे-धीरे कम होगा। बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आप अपने मन की करने को स्वतंत्र रहेंगे। नौकरीपेशा लोगों को आधिकारिक यात्रा करनी पड़ सकती हैं।

मकर — आज कार्यक्षेत्र में सभी कार्य आपके अनुसार होते जायेंगे। आपकी जीवनशैली बहुत अच्छी रहेगी। व्यापार में अपनी उन्नति से संतुष्ट रहेंगे। विलासिता के साधनों में आप धन खर्च करेंगे। धन की कमी दूर होगी। अपने खानपान की आदतों पर नियंत्रण रखें।

कुंभ — आज नया काम शुरू कर सकते हैं। आपके स्वभाव की लोग प्रशंसा करेंगे। दूसरों के भरोसे रहना उचित नहीं है। जीवनसाथी के साथ तालमेल बेहतरीन रहेगा। भूमि संपत्ति को लेकर अनुबंध कर सकते हैं। विदेश में व्यापार करने वाले लोगों की आय में वृद्धि होगी।

मीन — आज अपने कार्यों को लेकर अत्यंत सावधान रहेंगे। रिश्तेदारों से मदद मिलेगी। बच्चों की पढ़ाई को लेकर चिंता रहेगी। पार्टी व पिकनिक के लिए जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग और मार्गदर्शन प्राप्त होगा। दोपहर के बाद अचानक बड़ा धन लाभ हो सकता है।

सुडोकू-51

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

3		9			4			2
				1			3	
5			9			6		
					6		9	
	3	2				5	1	
	8		7					3
		4			5		2	
	7			8				
6			1			3		4

सुडोकू - 50 का हल

2	8	5	4	9	7	6	1	3
4	6	7	2	3	1	8	9	5
3	1	9	6	8	5	4	7	2
5	7	6	8	4	9	2	3	1
9	2	4	3	1	6	5	8	7
8	3	1	7	5	2	9	6	4
7	9	8	1	2	4	3	5	6
1	5	2	9	6	3	7	4	8
6	4	3	5	7	8	1	2	9

हम विश्व कप में सिर्फ अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं। हम विश्व कप जीतने की कोशिश करने जा रहे हैं और हमारा पूरा ध्यान इसी पर केंद्रित है। ऑस्ट्रेलियाई टीम के रूप में हमें वहां के लोगों पर भरोसा है कि वे हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। मैं बस इतना ही कहूंगा।

मिचेल मार्श, कप्तान, ऑस्ट्रेलिया

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 4 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले टी20 विश्व कप मैच को लेकर विवाद

कटघरे में पीसीबी, मैच के बहिष्कार पर अदालत जा सकता है जियोस्टार

करांची/नई दिल्ली, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को कड़े शब्दों में चेतावनी दी है कि भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले टी20 विश्व कप मैच के बहिष्कार के कारण उसे टूर्नामेंट के आधिकारिक प्रसारक जियोस्टार की ओर से कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। यह जानकारी पीसीबी के एक सूत्र ने मंगलवार को दी।

पाकिस्तान ने अपनी सरकार के निर्देश पर 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मैच का बहिष्कार करने का फैसला किया है, लेकिन अभी तक उसने इस फैसले के कारणों को औपचारिक रूप से आईसीसी को नहीं बताया है। पहले ही सूत्रों के हवाले से खबर दी जा चुकी है कि आईसीसी पाकिस्तान का सालाना राजस्व हिस्सा (लगभग 3.5 करोड़ डॉलर) रोक सकता है और उसी रकम से प्रसारकों को भुगतान कर सकता है। पीसीबी के एक सूत्र ने बताया कि बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने पिछले सप्ताह इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को जानकारी देने से पहले बोर्ड के कानूनी विशेषज्ञों से सलाह ली थी, लेकिन इसके बावजूद बोर्ड गंभीर नतीजों के लिए तैयार है।

पीसीबी के सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान अगर भारत के खिलाफ नहीं खेलने पर अड़ा रहा तो उसे वित्तीय जुर्माने के साथ प्रसारकों की ओर से मुकदमा भी झेलना पड़ सकता है। इसके अलावा आईसीसी की विवाद निपटान समिति (डीआरसी) में जाने की कोशिश भी शायद नाकाम रहे। आईसीसी की डीआरसी एक आंतरिक समिति है, जो आईसीसी के फैसलों के खिलाफ अपील नहीं सुनती।

- आईसीसी ने दी चेतावनी, कहा- टूर्नामेंट का आधिकारिक प्रसारक कर सकता है कानूनी कार्रवाई
- पीसीबी ने सरकार के निर्देश पर कोलंबो में होने वाले मुकाबले के बहिष्कार का फैसला कर रखा है

अनुबंध के उल्लंघन पर पीसीबी को अदालत में ले जाने का प्रसारक के पास पूरा अधिकार

सूत्र ने बताया कि आईसीसी ने जब अपने सभी आयोजनों के लिए प्रसारक के साथ चार साल का करार किया था, तब उसमें भारत-पाकिस्तान मैच भी शामिल थे, जिसके आधार पर प्रसारक ने आईसीसी को भुगतान किया। इसलिए प्रसारक को अनुबंध के उल्लंघन के आधार पर पीसीबी और आईसीसी को अदालत में ले जाने का पूरा अधिकार होगा। विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि पीसीबी ने इस मामले में अन्य सदस्य बोर्डों से समर्थन मांगा था, लेकिन उसे कहीं से भी समर्थन नहीं मिला। कई लोगों का मानना है कि पाकिस्तान के गृह मंत्री नकवी 12 फरवरी को बांग्लादेश में आम चुनाव होने और मौजूदा मोहम्मद यूनुस सरकार की जगह लोकतांत्रिक सरकार बनने के बाद अपना फैसला बदल सकते हैं।

नकवी एक क्रिकेट प्रशासक से ज्यादा नेता

एक सूत्र ने कहा कि नकवी एक क्रिकेट प्रशासक से ज्यादा नेता हैं और उन्हें राष्ट्रीय टीम के हितों की खास चिंता नहीं है। वह राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं और चुनाव के बाद यू-टर्न ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ मैच से पहले दो दिन का वक्त रहेगा और हालात बदल सकते हैं। वरना वह जानते हैं कि पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग किया जा सकता है।

पीसीबी ने अब तक आईसीसी को नहीं दी है लिखित सूचना

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक अन्य सूत्र ने बताया कि सरकार के निर्देश के बावजूद पीसीबी को परेशानी हो सकती है, क्योंकि पाकिस्तान अपनी इच्छा के अनुसार भारत में नहीं बल्कि तटस्थ स्थल श्रीलंका में अपने सभी मैच खेल रहा है। उन्होंने कहा कि दूसरी बात यह है कि भारत सरकार ने अपनी टीम को पाकिस्तान में खेलने की अनुमति नहीं दी है, लेकिन मई में हुए टकराव के बाद भी एशिया कप या आईसीसी के टूर्नामेंटों में तटस्थ स्थानों पर पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने से भी नहीं रोका है। पीसीबी ने अभी तक लिखित रूप में आईसीसी को कोई सूचना नहीं दी है, लेकिन इस बहिष्कार के फैसले को बांग्लादेश को विश्व कप से हटाए जाने के बाद उसके समर्थन में उठाया गया कदम माना जा रहा है।

सभी टेस्ट खेलने की इच्छा से टी20 विश्व कप से बाहर हुआ : कमिंस

मेलबर्न, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने कहा कि चोटिल होने से टी20 विश्व कप से बाहर होने का उनका फैसला आगामी टेस्ट सत्र के लिए फिट होने की इच्छा से प्रेरित था, जिसमें वह सभी मैच खेलना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट और वनडे के कप्तान कमिंस पीठ की चोट से नहीं उबर पाने से टी20 विश्व कप से बाहर हो गए। उनकी जगह बेन ड्वार्शियस को टीम में शामिल किया गया है।

कमिंस ने कहा कि यह वाकई दुर्भाग्यपूर्ण था। मैं काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं, बस एक मामूली सी परेशानी हुई और उससे उबरने के लिए समय कम पड़ गया। मैं कुछ हफ्तों तक आराम करूंगा और फिर आगे की योजना बनाऊंगा। एडिलेड टेस्ट मैच के बाद हमें पता था कि चोट को पूरी तरह से ठीक होने में चार से आठ सप्ताह का समय लगेगा। शुरू में हमें लगा था कि इसमें चार सप्ताह ही लगेंगे, क्योंकि मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा था, लेकिन अभी-अभी एक स्कैन करवाया है और चिकित्सकों का मानना है कि इसे पूरी तरह ठीक होने में कुछ सप्ताह और लगेंगे। इसलिए समय की थोड़ी कमी पड़ गई। ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट मैचों का कार्यक्रम अगस्त से शुरू होगा, जब वह डार्विन और मैकाय में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलेगा।

फॉर्म में चल रहे भारत को हराना मुश्किल होगा : क्लिंगर

वडोदरा। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर और अब कोच माइकल क्लिंगर ने कहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ हालिया शृंखला में भारत के प्रदर्शन से पता चलता है कि सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में आखिर क्यों गत चैंपियन को हराना बहुत मुश्किल होगा। डब्ल्यूपीएल फ्रेंचाइजी गुजरात जाइंट्स के मुख्य कोच क्लिंगर के अनुसार भारत का आक्रामक शीर्ष क्रम उन्हें आईसीसी टूर्नामेंट में सबसे मजबूत टीम बनाता है। क्लिंगर ने कहा कि जिस फॉर्म में वे हैं और मैंने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ जो देखा उससे भारत को हराना बहुत मुश्किल होगा।

साई की परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे खेल मंत्री मांडविया

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने 120 करोड़ की लागत वाली परियोजनाओं का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास और उद्घाटन करने के बाद मंगलवार को कहा कि भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के तहत चल रही बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में जवाबदेही, समय पर पूरा होने और उचित रखरखाव को सुनिश्चित करने को वह तिमाही समीक्षा करेंगे। संतुलित और समावेशी खेल अवसंरचना विकास सुनिश्चित करने को नई परियोजनाएं देश भर में साइ केंद्रों में फैली हुई हैं। इसमें पूर्वोत्तर और पूर्वी क्षेत्र भी शामिल हैं। इनमें बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में एक नये सिंथेटिक हॉकी टर्फ का निर्माण शामिल है।

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में खेलेंगे डी गुकेश

ओस्लो। मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश मई में नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे, जिसमें दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और गत चैंपियन मैग्नस कार्लसन सहित कई स्टार खिलाड़ी शिरकत करेंगे। गुकेश ने 25 मई से पांच जून तक होने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की पुष्टि कर दी है। यह दुनिया के सबसे कड़े शतरंज टूर्नामेंट में से एक होगा। यह प्रतियोगिता अपने पारंपरिक स्थल स्टेवेंगर से ओस्लो में स्थानांतरित होने वाली है। पिछले साल ओपन वर्ग में तीसरे स्थान पर रहे भारतीय स्टार गुकेश खेल के इतिहास में सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन के रूप में ओस्लो आएंगे। गुकेश ने कहा, मैं नॉर्वे शतरंज में फिर से हिस्सा लेकर बहुत खुश हूं। हमेशा की तरह बहुत मजबूत खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला करूंगा और सभी रोमांचक बाजियों का इंतजार कर रहा हूं।

विश्व कप के तीसरे चरण के टिकटों की बिक्री शुरू

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 विश्व कप की टिकटों की बिक्री के तीसरे चरण की शुरुआत की। इससे पहले 11 दिसंबर 2025 और 14 जनवरी को दो चरण में टिकटों की बिक्री हुई। बीसीसीआई ने कहा कि प्रशंसकों को दुनिया की शीर्ष टीमों की मौजूदगी वाले इस टूर्नामेंट के दौरान होने वाले मुकाबलों के लिए सीट सुरक्षित करने का एक और मौका देता है। शनिवार से शुरू होने वाला टी20 विश्व कप भारत के जाने-पहचाने क्रिकेट स्थलों पर खेला जाएगा, जिससे ऐसा माहौल बनेगा जहां प्रशंसक शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों और टी20 प्रारूप से जुड़े जज्बे को देख सकेंगे। मेजबान शहरों में तैयारियां आखिरी चरण में हैं तो बीसीसीआई हितधारकों के साथ आयोजन स्थलों की तैयारी, संचालन योजना और मैच के दिन के अनुभव पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

गुजरात को 7 विकेट से हराकर दिल्ली लगातार चौथी बार फाइनल में

वडोदरा, एजेंसी

शिनेल हेनरी (35 रन पर तीन विकेट) और नंदिनी शर्मा (44 रन पर दो विकेट) की अगुवाई में शानदार गेंदबाजी के बाद ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने डब्ल्यूपीएल के एलिमिनेटर मैच में मंगलवार को गुजरात जायंट्स को 26 गेंद शेष रहते सात विकेट से हराकर लगातार चौथी बार फाइनल में प्रवेश किया। कैपिटल्स के सामने गुरुवार को फाइनल में बेंगलुरु की चुनौती होगी।

डब्ल्यूपीएल एलिमिनेटर

गुजरात को 7 विकेट पर 168 रन पर रोकने के बाद दिल्ली ने 15.4 ओवर में तीन विकेट गंवा कर लक्ष्य हासिल कर लिया। दिल्ली के लिए लिजेल ली ने 43, शेफाली वर्मा ने 31, कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने 41 और लौरा वोल्वार्डट ने नाबाद 32 रन बनाए। ली और शेफाली ने पहले विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी के साथ मैच का रुख तय किया तो वहीं वोल्वार्डट और जेमिमा ने तीसरे विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी कर अच्छी शुरुआत को जाया नहीं होने दिया। गुजरात की वेयरहम ने दो व राजेश्वरी को एक सफलता मिली। सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी की नाबाद 62 रन की पारी के दम पर गुजरात ने 7 विकेट 168 रन बनाये। मूनी ने 51 गेंदों पर छह चौके जड़ने के साथ पांचवें विकेट के लिए वेयरहम के साथ 61 और आखिरी ओवरों में काश्वी गौतम के साथ 39 रन की साझेदारी कर टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। वेयरहम ने 35 और काश्वी ने 18 रन बनाए। ली और वर्मा ने तेज शुरुआत की और कप्तान रोड्रिग्स और वोल्वार्डट ने इसे अंजाम तक पहुंचाया।

लिजेल ली — शेफाली वर्मा

अफगानिस्तान के खिलाफ जीत का दावेदार होगा भारत

- प्रतियोगिता के इतिहास में भारत सबसे सफल टीम, पांच बार खिताब जीते

हरारे, एजेंसी

अब तक खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करने से आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम बुधवार को आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ जीत के दावेदार के रूप में उतरेगी। प्रतियोगिता के इतिहास में भारत सबसे सफल टीम है। उसने पांच बार (2000, 2008, 2012, 2018, 2022) खिताब जीते हैं। उसके बाद ऑस्ट्रेलिया का नंबर आता है जिसने चार बार ट्रॉफी जीती है। भारत छठी बार खिताब जीतने की कोशिश करेगा।

भारत ने टूर्नामेंट में सभी पांच मैच जीते हैं, जिसमें सुपर सिक्स चरण में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर 58 रन की जीत भी है। अफगानिस्तान का भी टूर्नामेंट में प्रदर्शन अच्छा रहा है। उसने पांच मैचों में से चार जीते हैं। उसे एकमात्र हार श्रीलंका से मिली थी। लेकिन खेल के हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने से भारत का पलड़ा भारी है। विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने अब तक पांच मैचों में दो अर्धशतकों की मदद से 199 रन बनाए हैं। सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी (पांच मैचों में दो अर्धशतकों सहित 196 रन) भी फॉर्म में हैं, लेकिन टीम प्रबंधन चाहेगा कि वह अर्धशतकों को शतकों में तब्दील करें। ऑलराउंडर विहान मल्होत्रा (पांच मैचों में 172 रन) एक और बल्लेबाज हैं जिन पर सभी की नजर रहेगी। उन्होंने ग्रुप चरण में जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक (109 नाबाद) लगाया था। कप्तान आयुष म्हात्रे ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पांच मैचों में छह विकेट लिए हैं, लेकिन बल्लेबाजी में सुधार की गुंजाइश है। आरोन जॉर्ज की फॉर्म भी भारत के लिए चिंता का विषय है क्योंकि वह तीन पारियों में 46 रन ही बना सका है। भारतीय गेंदबाजी की कमान हेनिल पटेल और आरएस अंबरीश के हाथ में है। इन दोनों तेज गेंदबाजों को स्पिनर खिलन पटेल का भी अच्छा सहयोग मिला है, जिन्होंने पांच मैचों में आठ विकेट लिए हैं। म्हात्रे और मल्होत्रा गेंदबाजी में भी अपनी भूमिका निभाएंगे। मल्होत्रा ने अभी तक टूर्नामेंट में अपनी ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी से पांच विकेट लेने के अलावा भारत की तरफ से एकमात्र शतक भी लगाया है।

भारत अंडर-19 : आरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद एनान, उधव मोहन, किशन सिंह।

अफगानिस्तान अंडर-19 : महबूब खान (कप्तान), अजीजुल्लाह मियाखिल, फैसल शिनोजादा, खालिद अहमदजई, उस्मान सादात, उजैरुल्लाह नियाजई, अब्दुल अजीज, अकील खान, खातिर स्टानिकजई, नाजीफुल्लाह अमीरी, नूरिस्तानी उमरजई, रुहुल्लाह अरब, सलाम खान, वहीदुल्लाह जादरान, जैतुल्लाह शाहीन। **मैच दोपहर 1:00 बजे।**

एशियाई ओलंपिक क्वालीफाइंग निशानेबाजी चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

- 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान दांव पर लगे
- एशियाई निशानेबाजी परिसंघ ने एनआरएआई के अध्यक्ष को लिखे पत्र में की पुष्टि

भारत अगले साल दिल्ली में एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप (राइफल/पिस्टल) की मेजबानी करेगा, जिसमें 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान दांव पर लगे होंगे। यह भारतीय निशानेबाजी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी क्योंकि वह पहले ही एक अन्य ओलंपिक क्वालीफायर की मेजबानी हासिल कर चुका है।

एशियाई प्रतियोगिता में ओलंपिक के लिए आठ स्थान अगले वर्ष 21 से 30 अप्रैल तक दिल्ली में होने वाले विश्व कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में उपलब्ध 12 कोटा स्थानों के अतिरिक्त होंगे। एशियाई निशानेबाजी परिसंघ (एएससी) ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष कलिकेश सिंह देव को लिखे पत्र में इसकी पुष्टि की।

एनआरएआई ने बताया कि इसका आयोजन दिल्ली में होगा और इसकी तिथियों को जल्द अंतिम रूप दिया जाएगा। एएससी ने पत्र में कहा कि हम भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ को एशियाई राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप 2027 की मेजबानी हासिल करने पर बधाई देते हैं, जहां लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान वितरित किए जाएंगे।

टेनिस रैंकिंग

अल्काराज ने दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर से आगे रहते हुए एटीपी टूर पर अपनी नंबर एक रैंकिंग रखी बरकरार

सबालेंका शीर्ष पर बरकरार, जोकोविच तीसरे स्थान पर पहुंचे

एरीना सबालेंका

मेलबर्न, एजेंसी

कार्लोस अल्काराज से ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में हारने वाले 24 बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन नोवाक जोकोविच नवीनतम विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अल्काराज ने दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर से आगे रहते हुए एटीपी टूर पर अपनी नंबर एक रैंकिंग बरकरार रखी है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में सिनर को हराने वाले जोकोविच एक पायदान ऊपर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। 38 वर्षीय जोकोविच अगस्त 2024 के बाद पहली बार शीर्ष तीन में शामिल हुए हैं।

डब्ल्यूटीए टूर पर एरीना सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में एलिना रिबाकिना से हारने के बावजूद अपनी शीर्ष रैंकिंग बरकरार रखी है। रिबाकिना रैंकिंग में दो स्थान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं, जबकि इगा स्वियातेक दूसरे स्थान पर काबिज हैं। डब्ल्यूटीए रैंकिंग में चौथे से छठे स्थान पर तीन अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा, कोको गॉफ और जेसिका पेगुला हैं। सेमीफाइनल में हारने वाली एलिना स्वितोलिना दो पायदान चढ़कर 10वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

कार्लोस अल्काराज

- रिबाकिना की दो पायदान की छलांग, इगा स्वियातेक दूसरे स्थान पर काबिज

अल्काराज ने रॉटरडैम से नाम वापस लिया

रॉटरडैम। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने रॉटरडैम में होने वाले एबीएन एमरो ओपन से नाम वापस ले लिया है, टूर्नामेंट ने यह घोषणा की है। पिछले सीजन में एटीपी 500 इनडोर हार्ड-कोर्ट टाइटल जीतने वाले स्पेन के अल्काराज, एटीपी वेबसाइट के अनुसार, 9 से 16 फरवरी तक होने वाले इस इवेंट में अपना खिताब बचाने के लिए वापस नहीं आएंगे। अल्काराज की गैरमौजूदगी के बावजूद, रॉटरडैम के मैदान में दुनिया के नंबर 2 अलेक्जेंडर ज्वेरेव, फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे और एलेक्स डी मिनौर सहित कई टॉप खिलाड़ी खेलेंगे। अल्काराज ने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के एक दिन बाद अपना नाम वापस लिया है। अल्काराज ने रविवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन में जोकोविच को हराकर मेलबर्न में पहला टाइटल जीता था।

भांबरी एटीपी युगल टॉप 20 में शामिल

युकी भांबरी

चंडीगढ़। राउंडग्लास टेनिस एकेडमी के एथलीट युकी भांबरी एटीपी रैंकिंग में नंबर 20 पर पहुंच गए हैं, जिससे वह रोहन बोपन्ना के बाद टॉप 20 में जगह बनाने वाले पहले भारतीय पुरुष डबल्स खिलाड़ी बन गए हैं और भारत के टॉप रैंक वाले डबल्स खिलाड़ी के तौर पर अपनी जगह पक्की कर ली है। युकी ने कई एटीपी टूर फाइनल में हिस्सा लिया है और ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। स्वीडन के आंद्रे गोरान्सन के साथ जोड़ी बनाकर, युकी ने साल के पहले ग्रैंड स्लैम, मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में शानदार प्रदर्शन किया, तीसरे राउंड में पहुंचकर रैंकिंग पॉइंट्स हासिल किए जो उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए ज़रूरी थे।